राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 महान सचिन तेंदुलकर के दौरे से...

भारत दौरे पर आएंगे अमेरिकी उप विदेश मंत्री... 12

वर्ष : 14 | अंक : 276 | नई दिल्ली, रविवार, 18 फरवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 20°C
न्यूनतम तापमान 18°C

बाजार

सोना 63,575

चांदी 74,900

सेंसेक्स 72,426

निफ्टी 22,040

संक्षिप्त खबरें

टेम्पो, ट्रैक्टर की टक्कर में तीन लोगों की मौत

धौलपुर। राजस्थान में धौलपुर जिले के दिहोली थाना क्षेत्र में शनिवार को ट्रैक्टर एवं टेम्पो में टक्कर होने से तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक सभी टेम्पो में सवार थे, जो कैलादेवी के दर्शन के लिये जा रहे थे कि राजाखेड़ा-धौलपुर सड़क मार्ग पर दिहोली गांव के नजदीक एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टेम्पो को टक्कर मार दी। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल लोगों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान टेम्पो चालक जसवंत सिंह, हरिओम और अयोध्या सिंह के रूप में हुयी है। मृतकों के शवों को अस्पताल की शवगृह में रखवाया है।

किसान विरोधी है मोदी सरकार : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार किसान विरोधी है। यह सरकार किसान हितों की लगातार अनदेखी कर रही है। खड़गे ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि कल आंदोलन कर रहे एक किसान की मौत हो गई और तीन किसान रबर बुलेट लगने से आंखों की रोशनी खो बैठे हैं। मोदी सरकार किसानों के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दिलाने के लिए वचनबद्ध है। हम किसानों को उनका हक दिलाएंगे। उल्लेखनीय है कि 'दिल्ली चलो' आंदोलन में हिस्सा लेने गुरदासपुर से आए एक किसान का शंभू बॉर्डर पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तीन किसानों को रबर बुलेट लगने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मणिपुर में गोलीबारी में बीएसएफ का जवान घायल

इंफाल। मणिपुर के काकचिंग जिले में शनिवार को हुई गोलीबारी में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान घायल हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घायल हेड कांस्टेबल सोम दत्त (45) हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि सुगनू गांव में गोली लगने से दत्त घायल हो गये और उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा, ₹सुगनू में पिछले तीन दिन से हथियारबंद लोग लगातार हमले कर रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार रात पहाड़ी इलाकों से गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि हथियारबंद लोगों ने बुधवार को सुगनू गांव में हमला किया था, जिसके बाद क्षेत्र में तैनात ग्रामीण स्वयंसेवियों से उनकी मुठभेड़ शुरू हो गई। पिछले साल मई में, सुगनू में हिंसा हुई थी जिसमें कई मकानों में आग लगा दी गई थी और पांच से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा के कारण सैकड़ों ग्रामीणों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

राहुल गांधी ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी, न्याय यात्रा की सफलता की कामना की

प्रातः किरण/एजेंसी

वाराणसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता के लिए बाबा से कामना की। उत्तर प्रदेश में राहुल की यात्रा का आज दूसरा दिन है। दर्शन-पूजन के बाद राहुल गांधी ने गोदौलिया चौराहे पर लोगों को संबोधित किया। राहुल ने कहा कि यात्रा के दौरान उन्होंने कभी नफरत नहीं देखी। यात्रा में भाजपा और संघ के लोग भी आए। उन्होंने हमसे अच्छे से बात भी की। यह देश तभी मजबूत होता है जब हम साथ मिलकर काम करते हैं। देश को एक साथ लाना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है। उन्होंने कहा कि अब तक 4,000 किलोमीटर की यात्रा की है। इस दौरान किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी और महिलाएं मुझसे मिलीं। उन सबने अपनी पीड़ा बताई। देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक विचारधारा भाई को भाई से लड़ाती है और आपकी जेब से पैसा निकालकर चुनिंदा अरबपतियों को दे देती है। दूसरी विचारधारा नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलती है और आपका हक आपको वापस लौटाती है। इसके पहले राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा वाराणसी पहुंची। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले

के पड़ाव से न्याय यात्रा जैसे ही गंगा नदी पर बने राजघाट पुल पर पहुंची, पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हर-हर महादेव के गगनभेदी नारे से अपने नेता का गर्मजोशी से स्वागत किया। राजघाट पुल पर राहुल का काफिला पहुंचने के कुछ समय पहले कुछ युवकों ने काले झंडा लहराते हुए राहुल गांधी वापस जाओ के साथ जयश्री राम के नारे लगाए। हालांकि पुलिस की सक्रियता से प्रदर्शनकारी भाग खड़े हुए। कड़ी सुरक्षा के बीच राहुल गांधी लाल रंग की खुली जीप पर सवार होकर राजघाट और भदउचुंगी से कज्जाकपुरा होते हुए गोलगड्डा पहुंचे। यहां पहले से ही हजारों की सख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने राहुल की अगवानी की। राहुल के साथ उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, पूर्व सांसद डॉ राजेश मिश्र समेत कई प्रमुख नेता भी हैं। प्रदेश में राहुल की यात्रा का आज दूसरा दिन है।

शहर में लगभग 12 किलोमीटर की न्याय यात्रा गोलगड्डा से आगे बढ़ी तो साथ में पार्टी के कार्यकर्ताओं का हुजूम पीलीकोठी आदमपुर के रास्ते रोड शो की शक्ल में शहर की ओर बढ़ा। न्याय यात्रा मैदागिन, बुलानाला, चौक हुए ज्ञानवापी मोड़ पर जाकर कुछ देर के लिए रूकी। यहां राहुल और यात्रा में शामिल नेताओं ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। दर्शन पूजन के बाद राहुल गांधी पुनः न्याय यात्रा में शामिल होकर गादौलिया पहुंचे। यहां आमलोगों को संबोधित करने के बाद भदोही जिले के लिए रवाना होंगे। कांग्रेस के वाराणसी महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे के अनुसार गोदौलिया से लक्सा, रथयात्रा, गुरुबाग होते हुए मंडुवाडीह के रास्ते पर अभी तक किसी भी कांग्रेस नेता ने कोई यात्रा नहीं की है। राहुल पहले कांग्रेस नेता होंगे जो इस मार्ग पर भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकालेंगे। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के चौक पहुंचने पर राहुल ने मलइयों का लुत्फ भी लिया। इसके बाद उन्होंने दुकानदार से बातचीत भी की। राहुल ने वाराणसी पहुंचने से पहले पड़ाव स्थित भगवान अवधूत राम के आश्रम में भी हाजिरी लगाई और आश्रम के संतों से आशीर्वाद लिया।

370 सीट जीतकर डॉ. श्यामा प्रसाद के बलिदान को श्रद्धांजलि देंगे भाजपा कार्यकर्ता : मोदी

पीएम का आह्वान - हर बूथ पर भाजपा के 370 वोट बढ़ाएं

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं का शनिवार को आह्वान किया कि वे आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी को 370 से अधिक सीटें जिताने के लक्ष्य को एक आंकड़ा नहीं, बल्कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि समझ कर प्राप्त करें। श्री मोदी ने भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के शुभारंभ के पहले पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए यह भी आह्वान किया कि हर बूथ पर भाजपा के 370 वोट बढ़ाएं। भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े ने संवाददाताओं को प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के बिन्दुओं की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा को 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 400 पार पहुंचाने का लक्ष्य मात्र एक आंकड़ा नहीं है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू -कश्मीर को भारत का अटूट एवं अविभाज्य अंग बनाने के लिए बलिदान दिया था। हर कार्यकर्ता उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए आगे आए और इसे एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि श्रद्धांजलि के रूप में लें। श्री तावड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भाजपा और राजग जो सीटें लड़नी है, उनके उम्मीदवार की घोषणा कर दी और वह उम्मीदवार है - कमल का फूल। उन्होंने आह्वान किया कि सभी कार्यकर्ता कमल को जिताने के लिए कमर कस लें। जिन लोगों को केंद्र या राज्य की सरकारों की योजनाओं का लाभ मिला है, उनसे 100 दिनों में संपर्क करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ता अगले 100 दिन तक पिछली बार प्राप्त वोटों में कम से कम 370 वोटों की वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि जो प्रथम बार के वोटर हैं, उन्हें पूरी ताकत से भाजपा के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें। महिलाओं को मात्र वोटर नहीं समझें बल्कि माताओं बहनों का आशीर्वाद प्राप्त करें। श्री तावड़े ने कहा कि केंद्र में 10 साल के शासन के साथ

भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन की दो दिवसीय बैठक शुरू

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन की दो दिवसीय बैठक शनिवार को राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आरंभ हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित केंद्रीय मंत्री, पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री, राज्यों के मंत्री, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पदाधिकारी, सांसद और विधायक सहित लगभग 11,500 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। भाजपा की पारंपरिक भगवा टोपी पहने प्रधानमंत्री मोदी, नड्डा, शाह और राजनाथ सिंह ने मंच पर भारत माता और पार्टी के विचारकों श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीन दयाल उपाध्याय की तस्वीरों पर पुष्प अर्पित किए। इससे पहले, प्रधानमंत्री की मौजूदगी में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक संपन्न हुई, जिसमें परिषद के एजेंडे को अंतिम रूप दिया गया।

ही स्वयं श्री मोदी के संवैधानिक शासनाध्यक्ष के रूप में 23 साल पूरे हो गए हैं और पूरे कालखंड में उन पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा है। यह बात जनता तक पहुंचानी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष तू-तू मैं-मैं की राजनीति करेगा और अनावश्यक आरोपों का कीचड़ उछालेगा। लेकिन हमें गरीब कल्याण के कामों से लेकर विकास की उपलब्धियों के आधार पर जनता का समर्थन हासिल करना है। पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि 10 साल के विकास की यात्रा अभूतपूर्व रही है। सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास सबका विश्वास के आधार पर काम किया गया है। गांव चलो अभियान में 7.5 लाख गांवों में सफलतापूर्वक पहुंचा। दस दशमलव 46 लाख बूथों में से 8.5 लाख बूथ तक पहुंच पाए। एक सौ 61 हारी हुई सीटों पर केन्द्रीय मंत्रियों के 430 प्रवास हुए हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश हुए केजरीवाल

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ईडी द्वारा जारी पिछले पांच समन के दौरान अपनी अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण देने के लिए आज शनिवार की सुबह अदालत के सामने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। उन्होंने कहा कि वे 16 मार्च को खुद ही अदालत में पेश हो जाएंगे। वहीं आज दिल्ली विधानसभा में केजरीवाल सरकार के विश्वास मत पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि विधानसभा में विश्वास मत प्रस्ताव पेश करते हुए सीएम केजरीवाल ने कहा था कि आप के दो विधायकों ने उन्हें बताया कि उनसे भाजपा के सदस्यों ने संपर्क किया था, जिन्होंने दावा किया था कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजउ एवेन्यू कोर्ट में पेशी थी। केजरीवाल आज अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। अपनी वर्चुअल पेशी के दौरान उन्होंने कहा, कि मैं फिजिकली आना चाहता था, लेकिन अचानक ही यह विश्वास प्रस्ताव आ गया। विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है, जो कि 1 मार्च तक चलेगा। इसके बाद कोई भी तारीख दी जा सकती है। इस पर अदालत ने सीएम केजरीवाल को पेशी के लिए 16 मार्च की तारीख तय कर दी। वहीं दूसरी तरफ आज ही के दिन दिल्ली विधानसभा में केजरीवाल सरकार के विश्वास मत पर चर्चा होनी है। केजरीवाल ने शुक्रवार को विधानसभा में विश्वास मत का प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव पेश करते हुए उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें झूठे केसों में फंसाया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आप विधायकों को खरीदने

की कोशिश कर रही है। केजरीवाल का यह कदम 19 फरवरी को पेशी के लिए ईडी के छठे समन से पहले आया है। सीएम केजरीवाल ने कहा, विधायकों को बताया गया कि 21, आप विधायक पार्टी छोड़ने के लिए सहमत हो गए हैं और अन्य भाजपा के संपर्क में हैं। उन्होंने विधायकों को भाजपा में शामिल होने के लिए 25 करोड़ रुपये की पेशकश की. विधायकों ने मुझसे कहा कि वे नहीं माने। जब हमने अन्य विधायकों से बात की तो पता चला कि उन्होंने 21 नहीं बल्कि सात विधायकों से संपर्क किया है। वे एक और ऑपरेशन लोटस को अंजाम देने की कोशिश कर रहे थे। गौरतलब है कि इससे पहले अगस्त 2022 में फिर मार्च 2023 में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विश्वास मत प्रस्ताव ला चुके हैं। हर बार विश्वास मत प्रस्ताव लाने से पहले आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर विधायकों को तोड़ने का आरोप लगाया है। 70 सदस्यीय विधानसभा में आम आदमी पार्टी के 62 विधायक हैं और भाजपा के आठ विधायक हैं।

दिल्ली में कांग्रेस - आप का गठबंधन बरकरार

नई दिल्ली। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस प्रमुख अलका लांबा ने कहा कि दिल्ली में उनकी पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन बरकरार है। हालांकि, उन्हें सीट बंटवारे पर समझौते के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस चाहती है कि वह दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ें और उन्होंने चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र से चुनावी मुकाबले में उतरने की इच्छा व्यक्त की। दिल्ली के चांदनी चौक से विधायक रह चुकीं अलका लांबा ने यह पूछे जाने पर कि क्या वह आम चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवार हो सकती हैं ? इसके जवाब में उन्होंने, मेरी पार्टी चाहती है कि मैं आगामी लोकसभा चुनाव लड़ूं और मैं भी ऐसा ही चाहती हूं। उन्होंने कहा उम्मीदवारी के बारे में अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है, लेकिन अगर मैं चुनाव लड़ती हूं, तो चांदनी चौक निर्वाचन क्षेत्र से लड़ूंगी। दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की संभावना से जुड़े सवाल पर लांबा ने कहा कि उन्हें दोनों पार्टियों के बीच किसी समझौते या असहमति की जानकारी नहीं है। दिल्ली की पूर्व विधायक अलका लांबा के मुताबिक अब तक मेरा यही मानना है कि दिल्ली में आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन बरकरार है। मुझे दोनों पार्टियों के बीच किसी सहमति या असहमति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, बातचीत चल रही है। बता दें कि दो दिन पहले आम आदमी पार्टी के महासचिव संदीप पाठक ने कहा था कि लोकसभा चुनाव 2024 में उनकी पार्टी दिल्ली में छह सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। उन्होंने कहा था कि मेरिट के हिसाब से दिल्ली में कांग्रेस का एक भी सीट पर हक नहीं बनता है, लेकिन गठबंधन का सम्मान करते हुए हमने उनके लिए हम सिर्फ एक सीट की पेशकश की है।

भाजपा में जाने की अटकलों को कमलनाथ ने किया खारिज

प्रातः किरण

भोपाल/नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के साथ जाने की अटकलों के बीच शनिवार को कहा कि अगर ऐसी कोई बात होगी तो वह मीडिया को जानकारी देंगे। वह आज दोपहर में दिल्ली पहुंचे। कमलनाथ पिछले कुछ दिनों से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा के दौरे पर थे, जहां से वह नौ बार सांसद रहे हैं। उनके पुत्र नकुल नाथ वर्ष 2019 के चुनाव में इस सीट से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए। दिल्ली पहुंचने के बाद कमलनाथ ने भाजपा में शामिल होने की संभावना से

जुड़े सवालों पर संवाददाताओं से कहा, आप लोग बहुत उत्साहित हो रहे हैं। यह मैं नहीं कह रहा हूं, आप लोग कह रहे हैं। अगर ऐसी कोई बात होगी तो सबसे पहले आप लोगों को जानकारी दूंगा। उन्होंने कहा, मैं उत्साहित नहीं हूं, ना इस तरफ, ना उस तरफ। अगर ऐसी कोई बात होगी तो सबसे पहले आप लोगों को खबर करूंगा। कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने जबलपुर में संवाददाताओं से कहा, मैंने कल रात साढ़े 10 बजे कमलनाथ से बात की, वह छिंदवाड़ा में हैं। सिंह ने कहा, एक व्यक्ति जिसने अपनी राजनीतिक यात्रा कांग्रेस से शुरू की और जब इंदिरा गांधी को जनता पार्टी द्वारा जेल भेजा गया तो वह नेहरू-गांधी परिवार के साथ खड़ था, क्या आपको लगता है कि ऐसा व्यक्ति कभी कांग्रेस और गांधी परिवार को छोड़ेगा?

इसरो ने उपग्रह इनसेट-3डीएस किया लॉन्च

प्रातः किरण/एजेंसी

हरिकोटा। इसरो ने शनिवार को उपग्रह इनसेट-3डीएस लॉन्च कर दिया है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से उपग्रह लॉन्च किया गया। इनसेट-3डीएस भूस्थैतिक कक्षा में स्थापित किए जाने वाला तीसरी पीढ़ी का मौसम उपग्रह मिशन के तहत लांच किया गया है। इससे मौसम संबंधी सटीक जानकारी इसरो को मिल सकेगी। इसरो ने उपग्रह इनसेट-3डीएस सैटेलाइट की लॉन्चिंग कर मौसम की सटीक जानकारी के लिए बेहतर रास्ते खोल दिए हैं। उपग्रह इनसेट-3डीएस 2274 किलोग्राम

वजनी सैटेलाइट है जिसके कार्य प्रारंभ करने के साथ ही अर्थ साइंस, मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी), मौसम पूवार्नुमान केंद्र और भारतीय राष्ट्रीय केंद्र के तहत विभिन्न विभागों को अपनी सेवाएं प्रदान कर सकेगा। इस संबंध में इसरो से प्राप्त जानकारी अनुसार इनसेट-3डीएस के उपयोग से बादल, कोहरे, वर्षा, बर्फ और उसकी गहराई, आग, धुआं, भूमि और समंदरों पर स्टडी के लिए मदद मिल सकेगी। इसरो ने कहा है कि उपग्रह इनसेट-3डीएस भारत की कम्यूनिकेशन, टेलीकास्ट, मौसम विज्ञान और सर्च एंड रेस्क्यू की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। यह जियो स्टेशरी सैटेलाइट्स की सीरिज वाला है। इसकी शुरूआत 1983 में की गई थी। जानकारी अनुसार सैटेलाइट्स की निगरानी और कंट्रोल कर्नाटक के हासन और मध्य प्रदेश के भोपाल में स्थित मेन कंट्रोल सेंटर्स से की जाती है।

कश्मीर में आतंकवादियों का सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में आतंकवादियों के एक संदिग्ध सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि कुपवाड़ा के गैलिजू इलाके का निवासी आसिफ मुश्ताक वानी पिछले दो दिनों में इस जिले में गिरफ्तार किया गया आतंकवादियों का सहयोगी है। उसकी गिरफ्तारी शुक्रवार को बीएड कॉलेज ड्रगमुल्ला कुपवाड़ा के पास कुपवाड़ा पुलिस, सेना की 47 राष्ट्रीय राइफ और सीआरपीएफ की 162 बटालियन की संयुक्त तलाश अभियान के दौरान की गयी।पुलिस ने कहा, तलाशी अभियान के दौरान संयुक्त सुरक्षा बल के जवानों को देखकर संदिग्ध व्यक्ति ने भागने की कोशिश की, हालांकि कड़ी मेहनत के बाद उसे पकड़ लिया गया।

हिमाचल बजट: सुक्खू ने दूध के लिए एमएसपी बढ़ाने की घोषणा की

प्रातः किरण/एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राज्य सरकार का 58,444 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट में कृषि क्षेत्र पर खासतौर से जोर देते हुए गाय और भैंस के दूध के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने का ऐलान किया गया। सुक्खू ने अपना दूसरा बजट पेश करते हुए कहा कि एमएसपी गाय के दूध पर 38 रुपये से बढ़ाकर 45 रुपये प्रति लीटर और भैंस के दूध पर 38 रुपये से बढ़ाकर 55 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। राज्य में वित्त विभाग मुख्यमंत्री के पास है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश दूध के लिए एमएसपी घोषित करने वाला पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि सभी दुग्ध सहकारी समितियों की देनदारियों को माफ कर दिया जाएगा और दूध खरीद तथा प्रसंस्करण अवसंरचना को मजबूत करने के लिए 150 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी प्राकृतिक खेती योजना की घोषणा की। इसके तहत 36,000 किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। सुक्खू ने आगे कहा कि सेब पैकेजिंग के लिए मानक कार्टन पेश किए जाएंगे और बागवानी पर्यटन को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने 2026 तक हिमाचल प्रदेश को हरित राज्य बनाने के राज्य सरकार के संकल्प को दोहराया।

संबोधन **प्रदेश के भीतर, हालांकि किसान खेती योग्य भूमि का केवल 10 प्रतिशत बागवानी के लिए उपयोग करते हैं: योगी**

किसानों को हर हाल में आगे बढ़ने का अवसर दे रही है सरकार: योगी

प्रातः किरण/एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को किसानों को सशक्त बनाने, हर परिस्थिति में प्रगति के अवसर सुनिश्चित करने की डबल इंजन सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यहां राजभवन में 55वीं क्षेत्रीय फल, सब्जी और फूल प्रदर्शनी 2024 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश, भारत की कुल खेती योग्य भूमि का केवल 11 प्रतिशत होने के बावजूद, देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 20 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। उन्होंने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

राजभवन प्रांगण में प्रतिवर्ष इस कार्यक्रम की मेजबानी करने की दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए राज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए, उन्होंने कृषि उन्नति को बढ़ावा देने में इसके महत्व को रेखांकित किया। योगी ने कहा, प्रदेश के भीतर, हालांकि किसान खेती योग्य भूमि का केवल 10 प्रतिशत बागवानी के लिए उपयोग करते हैं, लेकिन वे कृषि की कुल जीडीपी में उल्लेखनीय 24 प्रतिशत का योगदान करते हैं। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने में पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ बागवानी खेती की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। अग्रणी प्रयासों की मान्यता में, यूपी भर के प्रगतिशील किसानों, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी और पॉलीहाउस खेती जैसी उन्नत तकनीकों जैसे नवाचारों का समर्थन करने वाले किसानों को समारोह में सम्मानित किया गया। इसके बाद, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने 17 से 19 फरवरी तक तीन दिनों तक चलने वाली प्रदर्शनी का दौरा किया। मुख्यमंत्री योगी ने विभाग के अधिकारियों और किसानों के साथ बातचीत की और उपज की किस्मों, आयात-निर्यात की गतिशीलता और कृषि रुझानों के बारे में जानकारी ली। साथ में, उन्होंने इस अवसर को चिह्नित करते हुए एक स्मारक स्मारिका का अनावरण किया। उन्होंने प्रदर्शनी के लिए राजभवन प्रांगण के प्रावधान पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल के निरंतर समर्थन की सराहना की, जो राज्य भर से किसानों और उत्साही लोगों को आकर्षित करता है। उन्होंने किसानों की आय कई गुना बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के साथ जुड़ने पर जोर दिया, जिससे कुपोषण से मुकाबला किया जा सके और बागवानी उत्पादों से समृद्ध पोषण के माध्यम से समग्र कल्याण बढ़ाया जा सके। इस कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रायबरेली के विष्णु दत्त पांडे, पीलीभीत के आयुष अग्रवाल और सहारनपुर की उषा उपाध्याय सहित कई प्रगतिशील किसानों का सम्मान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

प्रभारी अग्निशमन अधिकारी के भरोसे दमकल विभाग

बागेश्वर। फायर सीजन शुरू होने में मात्र चार दिन शेष हैं। अग्निकाल में दमकल विभाग पर काफी जिम्मेदारी रहती है। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी के भरोसे दमकल विभाग चल रहा है। जिले के दमकल विभाग में लंबे समय से जिला अग्निशमन अधिकारी का पद रिक्त है। दमकल विभाग में लीडिंग फायरमैन का पद रिक्त है। अपर उप निरीक्षक मिनिस्टीरियल का पद रिक्त है। एक चालक का पद रिक्त है। विभाग में 38 फायर कर्मी और एक अग्निशमन द्वितीय अधिकारी तैनात हैं। विभाग के पास जरूरत के मुताबिक आठ वाहन होने चाहिए और सभी वाहन उपलब्ध हैं। इसमें से फोम टेंडर वाहन गरुड़ भेजा गया है। बागेश्वर में फोम टेंडर वाहन नहीं है। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी गोपाल सिंह रावत ने कहा कि फायर सीजन के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। नए फायरमैन को लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

राइंका धैना के पास दिखा एक तेंदुआ और दो बच्चे

गरुड़ (बागेश्वर), एजेंसी। राइंका धैना और प्राथमिक विद्यालय धैना के पास एक तेंदुआ और दो बच्चे दिखाई देने से डनफाट क्षेत्र के ग्रामीण सहमे हैं। इधर, वन विभाग की ओर से पिंजरा नहीं लगाने से डनफाट के लोगों में आक्रोश है। राइंका धैना के प्रधानाचार्य नीलेंद्र कुमार ने बताया कि स्कूल के बच्चों और शिक्षकों को परिसर के पास एक तेंदुआ और उसके दो बच्चे दिखे। प्रधानाचार्य ने बताया कि राइंका धैना और प्राथमिक स्कूल धैना जंगल के बीच में है। वहीं, नौटा के प्रधान हरीश भट्ट ने बताया कि तेंदुए के आतंक से क्षेत्र के लोग अपने बच्चों को अकेले स्कूल भेजने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे है। उन्होंने बताया तेंदुए ने जोशी खोला गांव कटामल निवासी गुसाई राम की दो बकरियों को निवाला बना लिया। वहीं, गणेश जोशी ने वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग की है। इधर, रेंजर सुरेंद्र सिंह नेगी ने धैना क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने ग्रामीणों से सावधानी बरतने को कहा है। उन्होंने पिंजरा लगाने के लिए डीएफओ को पत्र भेजा है।

सड़क दुर्घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी। भुजान में हुई वाहन दुर्घटना की डीएम विनीत तोमर ने मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि 29 सितंबर 2023 को बोहरागांव, भुजान के पास वाहन संख्या यूके 04 सीसी 0024 दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें दो व्यक्ति सवार थे। उपचार के दौरान त्रिलोक सिंह मर्तोलिया की सीएचसी गरमपानी में मौत हो गई थी जबकि दूसरे घायल को हल्द्वानी रेफर किया गया था। उक्त दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए संयुक्त मजिस्ट्रेट रानीखेत वरुणा अग्रवाल को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

सिल्ली गांव में आबादी में दिन में तेंदुआ दिखने से दहशत

गरुड़ (बागेश्वर), एजेंसी। गरुड़ बाजार से लगे सिल्ली गांव में आबादी में तेंदुआ दिखने से ग्रामीण भयभीत है। ग्रामीणों ने शोर मचाकर तेंदुए को आबादी से भगाया। सिल्ली गांव में मंगलवार को आबादी में तेंदुआ दिखने से गांव में अफरातफरी मच गई। ग्रामीण आबादी से तेंदुए को भगाने खेतों में धमके। ग्रामीणों के शोर से तेंदुआ आबादी से दूसरे गांव की ओर भाग निकला। तेंदुए के सिल्ली गांव में आने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम गांव में पहुंची। टीम ने ग्रामीणों से दिन में झाड़ियों के आसपास नहीं जाने की हिदायत दी। शाम को अकेले घर से न निकलने के लिए कहा। वन रेंजर सुरेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि इस बीच कई गांवों में तेंदुए के आबादी में दिखने की सूचना मिल रही है। उन्होंने ग्रामीणों से शाम के समय अकेले घर से बाहर नहीं निकलने को कहा। धैना गांव में तेंदुए ने एक बकरी को निवाला बना लिया है। ग्राम प्रधान हरीश भट्ट ने वन विभाग से गांव में पिंजरा लगाने की मांग की है।

हल्द्वानी विवाद: अगर उपद्रवियों के हाथ पड़ जाते हथियार तो बेकाबू हो जाते हालात

हल्द्वानी, एजेंसी। बनभूलपुरा थाने में जब भीड़ ने आग लगाई तो उसमें अधिकारी और पुलिसकर्मी फंसे थे। उस दौरान अगर उपद्रवियों के हाथ हथियार पड़ जाते तो हालात बेकाबू हो जाते। बनभूलपुरा थाने में फंसे अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की जान के साथ आम लोगों की जान भी संकट में पड़ जाती।

आठ फरवरी की रात जब उपद्रवियों ने बनभूलपुरा थाना घेरने के साथ आगजनी शुरू की, तब इसमें कई अधिकारी और कर्मचारी फंस गए थे। उपद्रवी थाने में घुसने की कोशिश में थे। पर उनकी ओर से थाने के बाहर की गई आगजनी ही दीवार बन गई, जिसे वे लांघ नहीं सके और थाने में नहीं पहुंच सके।

अगर वे थाने के अंदर पहुंचने के साथ थाने में मौजूद असलहा पाने में सफल हो जाते, तो स्थिति और भी भयावह हो सकती थी, क्योंकि थाने से कुछ कदमों की दूरी पर बाजार समेत दूसरे इलाके थे, जहां तक उपद्रव कर आग पहुंच सकती थी।

सूत्रों के अनुसार, बिगड़ते इन

हालात और आशंकाओं के मद्देनजर आखिरकार गोली चलाने का फैसला किया गया। आठ फरवरी को टीम मलिक के बगीचा में अतिक्रमण हटाने को पहुंची थी। इसके बाद करीब साढ़े चार बजे से कार्रवाई का विरोध शुरू हो गया।

विरोध ने देखते-देखते हुए उग्र रूप धारण कर लिया। विरोध की यह आग अतिक्रमण स्थल से लेकर बनभूलपुरा थाने तक पहुंच गई। थाने के बाहर खड़े वाहनों में आग लगाना शुरू कर दिया। इसमें प्रशासनिक, पुलिस के अधिकारी के अलावा पुलिस कर्मी फंस गए।

उपद्रवी थाने में घुसने की कोशिश करने लगे। इससे कर्मियों की जान पर संकट उत्पन्न हो गया। इसके अलावा चिंता भी हुई कि अगर उपद्रवियों के हाथ में थाने में पुलिस का असलहा लग गया तो स्थिति क्या होगी। थाने से कुछ दूरी पर ही दूसरे अन्य क्षेत्र थे। ऐसे में असलहे के साथ उपद्रवियों पर काबू पाना और मुश्किल हो जाता।

वहीं, बनभूलपुरा हिंसा का मास्टर माइंड बताया जा रहा अब्दुल मलिक पुलिस की गिरफ्त से दूर है। पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में लगी हैं। हिंसाग्रस्त क्षेत्र में पुलिस ने भारी फोर्स के साथ सर्च ऑपरेशन चलाकर दो निर्वतमान पार्षद समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। 60 लोग हिरासत में भी लिए गए हैं। मामले की मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए गए हैं।

शनिवार को हिंसाग्रस्त क्षेत्र बनभूलपुरा में पुलिस के सर्च ऑपरेशन के बाद एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने पत्रकार वार्ता की। उन्होंने बताया कि हिंसा मामले में निवर्तमान पार्षद महबूब आलम, निवर्तमान पार्षद जीशान, सपा नेता अरशद अयूब, असलम चौधरी और सपा नेता अब्दुल मतीन सिद्दीकी के भाई जावेद सिद्दीकी को भी गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान कहीं से भी हंगामे की खबर नहीं है और कर्फ्यू के बीच पूरे क्षेत्र में शांति बनी हुई है। इधर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत को हल्द्वानी हिंसा की जांच के आदेश देकर 15 दिन में रिपोर्ट तलब की है। अब्दुल मलिक ने सरकारी जमीन कब्जा करके मदरसा और धार्मिक स्थल बनाया था, जिसे तोड़ने को लेकर हिंसक घटना हुई है।

नैनीताल के पर्यटन पर छाया हल्द्वानी के कर्फ्यु का साया

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी में कर्फ्यू का असर शुक्रवार को सरोवर नगरी के पर्यटन में देखने को मिला। जिसके चलते वीकेंड पर अपेक्षा के मुताबिक बहुत कम सैलानी पहुंचे। जिस कारण नगर के पर्यटन स्थलों में सुनसानी छाई रही। इधर हल्द्वानी बनभूलपुरा में आगजनी व तोड़फोड़ व अन्य तरह के बवाल के बाद शहर की पुलिस अलर्ट मोड पर रही। मल्लीताल जामा मस्जिद में जुमा की नमाज अदा करने के दौरान कोतवाल धर्मवीर सोलंकी सहित पुलिस फोर्स मुस्तैद रही। मिश्रित आबादी वाले इलाकों पर भी पुलिस की पैनी नजर रही। इस वीकेंड पर उम्मीद थी कि सैलानियों की आमद में पिछले वीकेंड से अधिक रहेगी। दरअसल पिछले सप्ताहांत से सैलानियों की बढ़नी शुरू हो गई थी। मगर गुरुवार को हल्द्वानी बवाल के बाद कर्फ्यू लगाया गया तो इसका असर शुक्रवार को नैनीताल के पर्यटन कारोबार पर साफ दिखाई दिया। नगर के समीपवर्ती पर्यटन स्थल पंगोठ, खुर्पाताल, सातताल, रामगढ़ व मुक्तेश्वर में भी सैलानियों की आमद काफी कम रही।

उत्तराखंड के लोक गायक दिग्विजय सिंह को मिला बड़ा मंच, कोक स्टूडियो में बिखेरेंगे सुरों का जादू

नैनीताल, एजेंसी। कोक स्टूडियो भारत सीजन-टू के लिए चयनित दिग्विजय सिंह पडियार नैनीताल जिले के निवासी हैं। दिग्विजय उत्तराखंड के लोक गीतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना चाहते हैं।

देश भर में चर्चित लाइव म्यूजिक शो कोक स्टूडियो भारत सीजन-टू के लिए चयनित दिग्विजय सिंह पडियार (दिग-वी) नैनीताल जिले के ओखलकांडा ब्लॉक के निवासी हैं। बचपन से ही गायन के शौकीन दिग-वी फिल्मों में गायन के साथ साथ उत्तराखंड के लोक गीतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना चाहते हैं। उनका कहना है कि कोक स्टूडियो में आयोजित उनका यह लाइव शो उनके इस सपने को जरूर पूरा करेगा।

वर्तमान में मुंबई में रह रहे दिग-वी ने बृहस्पतिवार को अमर उजाला से फोन पर हुई बातचीत में बताया कि मूल रूप से वह ओखलकांडा ब्लॉक के भीड़ापानी ग्रामसभा के तोक नरतोला के रहने वाले हैं। पिता किशन सिंह दिल्ली में नौकरी करते थे, लिहाजा बचपन से ही उनका परिवार गांव से दिल्ली चला गया। दिग-वी की प्रारंभिक शिक्षा गाजियाबाद से हुई और बाद में उन्होंने 2014 में करोड़ीमल कॉलेज से स्नातक उत्तीर्ण किया। वर्ष 2015 में वह अकेले ही अपने सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई चले गए। मुंबई पहुंचने के बाद उन्हें वर्ष 2016 में शंकर महादेवन की फिल्म राक आन टू से फिल्मों में गाने का मौका मिला और उसके बाद से अभी तक फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, कट्टी बट्टी, लाक आन टू, वेडिंग पुलाव समेत कई फिल्मों में न केवल गीतों को आवाज दे चुके हैं बल्कि फिल्मों के लिए कई गीत लिख भी चुके हैं।

उन्होंने बताया कि इस माह मुंबई के कोक स्टूडियो में होने वाले लाइव म्यूजिक शो में वह बागेश्वर जिले की लोक गायिका कमला देवी के साथ उत्तराखंड के लोक गीतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएंगे। बताया कि उनका छोटा भाई अंकित सिंह भी उभरता हुआ गीतकार और कंपोजर है। वह भी कोक स्टूडियो में उनकी टीम के साथ है। बताया उनका और उनके परिवार का ओखलकांडा आना जाना लगा रहता है।

यातायात व्यवस्था चरमराई, अल्मोड़ा से हल्द्वानी जाना हुआ मुश्किल

अल्मोड़ा, एजेंसी। हल्द्वानी में कर्फ्यू के चलते जिले की यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। दूसरे दिन भी अल्मोड़ा-हल्द्वानी मार्ग पर टैक्सी और केमू बसों का संचालन ठप रहा। यात्री स्टेशनों में वाहनों की तलाश में भटकते रहे। वाहन न मिलने पर उन्हें बैरंग लौटना पड़ा।

अल्मोड़ा से हल्द्वानी के लिए रोजाना 3000 से अधिक यात्री सफर करते हैं। केमू और टैक्सी यात्रियों से खचाखच भर कर जाते हैं। हल्द्वानी में कर्फ्यू के चलते पहाड़ की लाइफलाइन केमू और टैक्सी पर भी पड़ा है। शनिवार को अल्मोड़ा से हल्द्वानी जाने वाली 200 टैक्सी और 30 केमू की बसों के चक्के जाम रहे। इधर, रोडवेज की बसों का संचालन रोजाना की तरह हुआ।

अल्मोड़ा। टैक्सियों का संचालन नहीं होने से टैक्सी मालिकों को दो दिन में 68 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान पहुंचा है। टैक्सियां खड़ी रहने से टैक्सी चालकों, मालिकों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है।

एनटीडी निवासी दीप्ति सक्सेना टैक्सी स्टैंड में टैक्सी का इंतजार कर रही हैं। बताया कि हल्द्वानी जाना है लेकिन टैक्सियां एक भी नहीं है। अन्य वाहन भी नहीं मिल रहे हैं। जिससे

दिक्कतें हो रही है।

ढूंगाधारा निवासी गोविंद सिंह ने बताया कि टैक्सी स्टैंड में टैक्सी का इंतजार करते हुए एक घंटे से भी अधिक समय हो गया है लेकिन अभी वाहन नहीं मिला। केमू स्टेशन गया तो वहां भी बस नहीं मिली। अब बैरंग लौटना पड़ रहा है।

कोट- हल्द्वानी में कर्फ्यू है। जिस कारण केमू बसों का संचालन स्थगित रहा। हालात सामान्य होने पर बसों का संचालन किया जाएगा। -हिम्मत सिंह नयाल, अधिशासी निदेशक केमू हल्द्वानी

हल्द्वानी में हुई हिंसा का असर बस सेवाओं पर भी पड़ा है। जिले से हल्द्वानी रूट पर मात्र छह ही बस चली। हालांकि अल्मोड़ा में सीएम पुष्कर सिंह धामी के कार्यक्रम में कई बसों को भेजे जाने से भी सेवा प्रभावित हुई है।

बागेश्वर से हल्द्वानी के लिए सुबह पांच बजे से दोपहर 12 बजे तक 15 बसों का संचालन होता है। हल्द्वानी में बृहस्पतिवार की शाम को हुई हिंसा के बाद शुक्रवार को बस सेवाओं पर अधिक असर नहीं पड़ा था। हालांकि शनिवार को बसों का संचालन प्रभावित हुआ। केमू स्टेशन से हल्द्वानी के लिए नौ बस नहीं चली। इधर, केमू स्टेशन इंचार्ज केडी भट्ट ने बताया कि हल्द्वानी रूट पर चलने वाली अधिकांश बस सीएम पुष्कर सिंह धामी के कार्यक्रम के लिए अधिग्रहीत की गई हैं। हल्द्वानी की घटना का असर केवल एक-दो रूट पर चलने वाली बसों पर ही हुआ है।

केमू को एक महीने के भीतर कब्जाशुदा भवन से कब्जा हटाने का आदेश

बागेश्वर। न्यायिक मजिस्ट्रेट/सिविल जज पुनीत कुमार की अदालत ने कुमाऊं मोटर ऑनर्स यूनियन लिमिटेड (केमू) को कब्जाशुदा भवन से एक महीने के भीतर कब्जा हटाकर मकान मालिकों को देने का आदेश पारित किया है। इस भवन में केमू का कार्यालय चलता है।

कथानक के अनुसार रक्षा साह पत्नी प्रकाशी लाल साह, योगेंद्र कुमार साह, आलोक साह पुत्र प्रकाशी लाल साह निवासी मल्ला जोशीखोला अल्मोड़ा और मनोज साह, दिनेश साह पुत्र नारायण लाल साह निवासी कत्यूर बाजार बागेश्वर ने धारा 23 उत्तर प्रदेश शहरी अधिनियम के तहत न्यायालय में इजराय प्रार्थनापत्र दाखिल किया। पत्र में बताया गया कि केमू को कई साल पहले भवन किराये पर दिया गया था। इसे खाली कराने के लिए वर्ष 2016 में न्यायालय में वाद दाखिल किया गया था। न्यायालय ने सात मार्च 2019 को 30 दिन के भीतर भवन खाली कराने का आदेश सुनाया था। इसके खिलाफ केमू ने जिला जज की अदालत में अपील की। इसे जिला जज ने पांच अगस्त 2019 को खारिज कर दिया। केएमओयू ने उच्च न्यायालय में अपील की। उच्च न्यायालय ने 15 दिसंबर 2020 को रिट खारिज करते हुए किराये के भवन के सात कमरों का कब्जा एक महीने में और दो कमरों का कब्जा डेढ़ साल में मकान मालिकों को सौंपने का आदेश सुनाया। डेढ़ साल बाद भी जब केमू ने कब्जा नहीं सौंपा तो वादी ने इजराय प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया।

बाहरी मजदूरों ने किया बनभूलपुरा से पलायन, कर्फ्यू के साथ ही बाजार बंद

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी के बनभूलपुरा में उपद्रव के बाद बाहरी मजदूर यहां से पलायन करने लगे हैं। बता दें कि, हल्द्वानी में यूपी के समीपवर्ती जिलों रामपुर, मुरादाबाद समेत आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में लोग यहां मजदूरी और छोटे रोजगार करते हैं।

बनभूलपुरा में उपद्रव के बाद बाहरी मजदूर यहां से पलायन करने लगे हैं। कर्फ्यू के साथ ही बाजार बंद और गौला बंदी की वजह से कामकाज बंद है। ऐसे में मजदूरों ने यहां से पलायन शुरू दिया है।

हल्द्वानी में यूपी के समीपवर्ती जिलों रामपुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, बरेली समेत आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में लोग यहां मजदूरी और छोटे रोजगार करते हैं। इनमें कई लोग बनभूलपुरा क्षेत्र में रहते हैं। कर्फ्यू के दौरान शुक्रवार को शांति तो रहीं लेकिन अभी भी तनाव बना हुआ है काम भी बंद है।

ऐसे में बाहरी क्षेत्रों से यहां मजदूरी करने आए लोगों ने वापसी का रास्ता अपना लिया है। शुक्रवार

को कई लोग किराये के कमरों में ताले डालकर अपने घरों को लौट गए हैं।

बता दें कि, आज बनभूलपुरा और आसपास के इलाकों को छोड़कर हल्द्वानी में कर्फ्यू हटाया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की जा रही है।

उपजाऊ जमीन और बेहतर कनेक्टिविटी से बढ़ती गई आबादी, फिर शुरू हुआ अवैध कब्जे का खेल

हल्द्वानी, एजेंसी। शांत वातावरण और उपजाऊ कृषि भूमि वाला क्षेत्र हल्द्वानी। हल्दू के पेड़ों से भरा रहने वाला यह खूबसूरत स्थल कभी पहाड़ के लोगों के लिए धूप सेंकने का अड्डा हुआ करता था। पहाड़ के दूरदराज के लोग अच्छी कृषि के मोह में कुमाऊं के प्रवेश द्वार हल्द्वानी पहुंचने लगे।

धीरे-धीरे शहर बसने लगा, लेकिन जैसे ही वर्ष 1880 में ट्रेन पहुंची और इसने सफर सुहाना किया, वहीं इसी रेल लाइन के आसपास की भूमि पर अवैध बसासत भी शुरू हो गई। शुरुआत में टेंट या तिरपाल लगाकर लोगों ने रहना शुरू किया था। धीरे-धीरे यह संख्या बढ़ने लगी। काठगोदाम के बाद हल्द्वानी रेलवे स्टेशन भी बन गया।

ट्रेनों की संख्या बढ़ने लगी, लेकिन अवैध रूप से बसे लोगों पर कुछ राजनेताओं की नजर पड़ गई। इनके जरिये सत्ता की सीढ़ी चढ़ने का खेल शुरू हुआ। ईंट व तिरपाल के डंडों से बनी झोपड़ी पक्की होने लगी। तुच्छ राजनीति का शौक रखने वालों ने अपने राजनीतिक प्रभाव से इन्हें सरकारी सुविधाएं उपलब्ध करा दीं। इसी के साथ अवैध बस्ती और तेजी से फलने-फूलने लगी।

1975 के बाद यहां आबादी का विस्तार बहुत तेजी से हुआ। दूसरे राज्यों के लोग पहले स्वयं बसे और फिर अपने रिश्तेदारों को भी ले आए। अधिकारी भी नौकरी पूरी कर अतिक्रमण से मुंह छिपाते रहे। अब यह स्थिति विस्फोटक बन चुकी है।

वर्ष 2007 में जब हाई कोर्ट ने संज्ञान लेकर अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया तो हलचल मची। कुछ हद तक अतिक्रमण हटाया भी गया। तब भी आगजनी, पथराव जैसी स्थिति पैदा हुई थी। मुश्किल से शहर को जलने से बचाया गया था, मगर तब भी अतिक्रमण पूरी तरह नहीं हटाया जा सका था। इसके बाद वर्ष 2013 में दूसरी बार अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

वर्ष 2016 में हाई कोर्ट ने आदेश भी कर दिए थे। रेलवे व प्रशासन के अनुसार, रेलवे की भूमि पर करीब 75 एकड़ भूमि पर 4165 घर बने हुए हैं। इसमें 50 हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। इसे हटाने के लिए पूरी फोर्स भी बुला ली गई थी, लेकिन फिर लोग सड़कों पर उतर आए। अब यह अतिक्रमण का बदनुमा दाग इतना गहरा हो गया है कि पुलिस-प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है।

एक बार फिर बनभूलपुरा कांड को लेकर डीएम नैनीताल वंदना कहती हैं कि अपने ही देश में अतिक्रमण हटाने के लिए युद्ध जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। यह सोचनीय है। इधर, इस अतिक्रमण की वजह से रेलवे का विस्तार व विकास ठप है।

शिक्षक के घर डकैती के एक आरोपी की जमानत मंजूर

काशीपुर, एजेंसी। शिक्षक दंपती के घर डकैती के मामले में एक आरोपी की जमानत अर्जी प्रथम एडीजे की अदालत ने मंजूर कर ली है। पुलिस ने इस मामले में घटनाक्रम का खुलासा करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

दड़ियाल रोड स्थित हनुमान नगर कॉलोनी में 20 दिसंबर 2023 को शिक्षक यशपाल सिंह पुत्र भोला सिंह को घर में बंधकर बनाकर डकैत जेवरात और नकदी लूट कर ले गए थे। इस मामले में पुलिस ने सभी सात आरोपियों को जेल भेज दिया था। अपने अधिवक्ता शैलेंद्र मिश्रा, भास्कर त्यागी और सैय्यद आसिफ अली के माध्यम से अदालत में जमानत पत्र प्रस्तुत किया। बचाव पक्ष के वकील शैलेंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रथम एडीजे की अदालत ने धारा 399, 402 आईपीसी व 3/25 आर्म्स एक्ट के प्रार्थनापत्र पर सुनवाई करते हुए आरोपी की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। साथ ही अदालत ने आदेश दिया कि आरोपी को 50-50 हजार के दो जमानती और 50 हजार रुपये का एक व्यक्तिगत मुचलका दाखिल करना होगा।

हल्द्वानी के बाद उत्तराखंड के इस इलाके में अराजक तत्वों ने मचाया आतंक, लड़ीधुरा के जंगल में लगाई आग

लोहाघाट, एजेंसी। बाराकोट के लड़ीधुरा जंगल में अराजक तत्वों ने आग लगा दी। जिसके चलते वन संपदा को काफी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों ने आग लगाने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। लड़ीधुरा मंच के अध्यक्ष नगेंद्र कुमार जोशी ने बताया कि शुक्रवार को दिन के समय अराजक तत्वों ने लड़ीधुरा के जंगल में आग लगा दी। वनाग्नि से वन संपदा को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि लड़ीधुरा के जंगल में कई लोग बिना किसी काम के घूमते हुए दिख जाते हैं। किसी ने जानबूझकर चीड़ केजंगल में आग लगा दी। रेंजर राजेश जोशी ने बताया कि लड़ीधुरा के जंगल में आग लगने की सूचना मिलते ही वन कर्मियों को मौके पर भेजा गया। आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। उन्होंने बताया कि संभवत किसी ने जानबूझकर जंगल में आग लगाई। उन्होंने ग्रामीणों से इस प्रकार के व्यक्तियों को देखते ही उसकी सूचना वन विभाग को देने की अपील की है।

देश में भाजपा के लिए सबसे बड़ा चैलेंज आप है

अगर 2024 में भाजपा लोकसभा चुनाव नहीं हारी तो 2029 के चुनाव में आप इस देश को भाजपा से मुक्ती दिलाएगी : अरविंद केजरीवाल

- हमारी संपत्ति बैंक खातों में नहीं, लोगों के दिलों में है

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार ने शनिवार को ध्वनि मत से दिल्ली विधानसभा में सदन का विश्वास जीत लिया। शुक्रवार को सीएम अरविंद केजरीवाल ने ऑपरेशन लोटस के जवाब में सदन में विश्वास प्रस्ताव रखा था, जिस पर आज चर्चा हुई। इस दौरान सीएम ने सभी विधायकों को मजबूती से साथ खड़े रहने के लिए सलाम किया और कहा कि इस देश में भाजपा का सबसे बड़ा दावेदार आम आदमी पार्टी है। इनको भविष्य का डर और खतरा केवल ह्यआपह्ल से है। इसलिए ये लोग किसी भी तरह से हमें कुचलना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि अगर 2024 में भाजपा लोकसभा चुनाव नहीं हारी, तो 2029 के चुनाव में आम आदमी पार्टी इस देश को भाजपा से मुक्ती दिलाएगी। भाजपा वालों का मुझे गिरफ्तार करने का एक सपना है। ये लोग मुझे गिरफ्तार तो कर लेंगे, लेकिन करोड़ों लोगों के आशीर्वाद को कैसे गिरफ्तार करेंगे। उन्होंने कहा कि आज देश में एक पाप की राजनीति चल रही है और एक पुण्य की राजनीति चल रही है। अब इस देश के लोगों को तय करना है कि उनको पाप की राजनीति चाहिए या पुण्य की राजनीति चाहिए। ये लोग सबूत मांगते हैं, हम सबूत कैसे दें? कोई हर वक्त टेप रिकॉर्डर लेकर तो नहीं बैठा है कि रिकॉर्ड कर लेगा- अरविंद केजरीवाल सदन को संबोधित करते हुए सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस सदन में हमारा बहुमत है। शुक्रवार को मैने सदन को बताया था कि हमें यह विश्वास प्रस्ताव लाने की जरूरत क्यों पड़ी? मैने बताया था कि मेरे पास हमारे दो विधायक आए और उन्होंने बताया कि उनके पास बीजेपी वाले आए थे और कहा गया कि केजरीवाल गिरफ्तार होने वाले हैं। इसके बाद हम दिल्ली में आम आदमी की सरकार गिरा देंगे, सारे विधायक तोड़ लेंगे। आम आदमी पार्टी के 21 विधायक हमारे संपर्क में हैं, औरों से भी बात चल रही है, तुम भी आ जाओ, 25 करोड़ रुपए भी देंगे। इसके अलावा और भी जो मांगोगे, दे देंगे और चुनाव भी लड़ा देंगे। इसके बाद हमने अपने सारे विधायकों से संपर्क किया तो पता चला कि इन्होंने 21 तो नहीं, हमारे केवल 7 विधायकों से संपर्क किया था।

घायलों को अस्पताल से छुट्टी मिली

नई दिल्ली। दिल्ली के अलीपुर में दो पेंट और केमिकल गोदामों में लगी आग के धुएं में घायल मरीजों को शनिवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। इन सभी का उपचार अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा था। लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि उनके अस्पताल में दो लोगों को भर्ती किया गया था। ये दोनों लोग आग में जलने की वजह से नहीं, बल्कि इसके धुएं में सांस लेने की दिक्कत की वजह से भर्ती किए गए थे। दोनों को शनिवार सुबह छुट्टी दे दी गई। एक अन्य मरीज को राजा हरिश्चंद्र अस्पताल से छुट्टी मिल गई। जरूरत पड़ने पर मरीजों को दोबारा ओपीडी में आने के लिए कहा गया है।

दृष्टिबाधित महिला शिक्षक के मामले में डीयू सहानुभूतिपूर्वक विचार करे : अदालत

- उच्च न्यायालय को सूचित किया गया कि विश्वविद्यालय ने याचिकाकर्ता के लिए एक वैकल्पिक आवास चिह्नित किया है

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से कहा है कि वह दृष्टिबाधित महिला शिक्षक के मामले में सहानुभूतिपूर्वक विचार करे जिसे पूर्व में आवंटित आवास को खाली करने के लिए कहा गया है जबकि वह अपनी शारीरिक अक्षमता की वजह से मुश्किल का सामना कर रही है। उच्च न्यायालय को सूचित किया गया कि विश्वविद्यालय ने याचिकाकर्ता के लिए एक वैकल्पिक आवास चिह्नित किया है, लेकिन उसके लिए अभी वहां जाना मुश्किल होगा क्योंकि स्नानागार में कोई दरवाजा नहीं है और प्रवेश द्वार को बंद करने के लिए कोई उचित कुंडी नहीं लगी है। याचिकाकर्ता के वकील ने परिसर में किए जाने वाले मरम्मत कार्यों की एक सूची दी। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने 13 फरवरी को पारित आदेश में कहा, ह्यह्लउम्मीद की जाती है कि विश्वविद्यालय आज से चार हफ्ते के भीतर मरम्मत कार्यों को पूरा कर लेगा।ह्लह्ल याचिका के अनुसार याचिकाकर्ता 100 प्रतिशत दृष्टिबाधित है और दिल्ली विश्वविद्यालय में कला संकाय के दर्शनशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी तीन अक्टूबर, 2023 के पत्र को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें विश्वविद्यालय का एक टाइप-वी आवास खाली करने के लिए कहा गया था। विश्वविद्यालय की ओर से यह कहा गया था कि जिस आवास पर महिला शिक्षक का कब्जा है उसकी जरूरत वार्डन के लिए है।

दिल्ली के इतिहास को और बेहतर समझने के लिए केजरीवाल सरकार के पर्यटन विभाग की एक अनूठी

- दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग ने शुरू किया दिल्ली पर्यटन वॉक फेस्टिवल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पर्यटन वॉक फेस्टिवल की शुरूआत महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क से 17 फरवरी, 2024 को की जा रही है। यह महीने भर चलने वाला उत्सव दिल्ली की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक इमरतों, खान-पान को दर्शाता है और अनुभव कराता है और प्रतिभागियों/ पर्यटकों को निर्देशित वॉक की एक श्रृंखला के माध्यम से शहर के खजाने का अनुभव लेने के लिए आमंत्रित करता है। महरौली पुरातत्व पार्क में उद्घाटन पदयात्रा (वॉक) में माननीय पर्यटन मंत्री सौरभ भारद्वाज जी उपस्थित हुए और आने हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए दिल्ली की समृद्ध विरासत को भी बताया। उनकी गरिमामयी उपस्थिति से इस दिल्ली पर्यटन वॉक उत्सव की शुरूआत बहुत ही अनूठी रही। वॉक का संचालन इतिहासकारों/विद्वानों/कहानीकारों/भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय से लाइसेंस प्राप्त गाइडों द्वारा किया जाएगा। इस संबंध में पर्यटन मंत्री श्री सौरभ भारद्वाज ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, कि दिल्ली देश की राजधानी है और हमारे देश में आने वाले पर्यटकों का एक बड़ा हिस्सा सबसे पहले दिल्ली आता है और उसके बाद देश के अलग-अलग राज्यों में भ्रमण के लिए निकल जाता है। उन्होंने कहा की दिल्ली पर्यटन विभाग की यह कोशिश है, कि जब कभी भी कोई विदेशी सैलानी हमारे देश में आए तो वह दिल्ली में भी एक अच्छा खासा समय दिल्ली की खूबसूरती को, दिल्ली की विरासतों को देखने में उसको समझने में बिताएं कउन्होंने बताया कि इसी कड़ी में दिल्ली के पर्यटन विभाग ने एक सीरीज ऑफ हेरिटेज वॉक की शुरूआत की है, जिसमें लगभग दिल्ली के 50 अलग-अलग ऐतिहासिक अवशेषों के संबंध में जो ऐतिहासिक कहानी है, वह सैलानियों के साथ दिल्ली और देश के लोगों के साथ सांझा की जाएगी कउन्होंने कहा कि जैसे कि दिल्ली के बारे में कहा जाता है, कि दिल्ली सात बार बसा और सात बार उजड़ा, इस प्रकार की कहानी लोगों को मालूम नहीं है, ऐसी ऐतिहासिक कहानी लोगों के साथ सॉंझा की जाएगी उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदर अलग-अलग साम्राज्यों की कहानी छुपी हुई है कउदाहरण देते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया, कि यह कहानी पांडवों के इंद्रप्रस्थ से शुरू होती है, फिर पृथ्वीराज चौहान के किला राय पिथौरा पर आती है, तुगलक साम्राज्य के समय पर तुगलकाबाद बना, जहांपना बना, फिरोजाबाद बना, मुगल काल के अंदर शाहजहानाबाद बना, शेरशाह सूरी के समय में पुराना किला बना, इसके संबंध में यह भी कहा जाता है कि पुराना किला जो है कि पांडवों के समय में जो खांडवप्रस्थ था, पुराना किला उसकी राजधानी इंद्रप्रस्थ था, उसके बाद फिर भारत में अंग्रेज आए और अंग्रेजों ने एक नई लुटियंस दिल्ली बसाई, जिसको आज हम नई दिल्ली के नाम से जानते हैं कउन्होंने कहा कि इन सभी अलग-अलग समय काल में अलग-अलग लोगों की सल्तनत में ज्यादातर जो राजधानी रही वह दिल्ली ही रही और दिल्ली के अंदर ऐसी बहुत सारी कहानी है मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली पर्यटन विभाग से जुड़े हुए दिल्ली में बहुत सारे टूरिस्ट गाइड हैं, जो बहुत अच्छा काम कर रहे हैं उन्होंने कहा, कि दिल्ली पर्यटन विभाग इस प्रकार के सभी टूरिस्ट गाइडों से संपर्क करेगा और उनसे हम यह अनुरोध करेंगे, कि दिल्ली के पर्यटन विभाग द्वारा जो यह 50 हेरिटेज वॉक कार्यक्रम की शुरूआत की गई है, यह सभी टूरिस्ट गाइड इस कार्यक्रम में शामिल हों और दिल्ली के पर्यटन विभाग की मदद करें और दिल्ली के पर्यटन को और आगे तक लेकर जाएं।

ज्ञान के बल पर अगले 25 वर्षों में विश्व का नेतृत्व करेगा भारत : ओम बिरला

- उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि देश ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ल की ओर अग्रसर है और अपने ज्ञान के कारण आने वाले 25 वर्षों में सभी क्षेत्रों में विश्व का नेतृत्व करेगा। बिरला नई दिल्ली में ह्यराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्यह्ल विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रवाद के लिए निरंतर काम करने और युवाओं को राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत करने के लिए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के प्रयासों की सराहना की। एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. जेपी सिंघल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य ऐसी शिक्षा नीति बनाना है जिसका आधार ज्ञान हो जो एक विकसित भारत का निर्माण करे। इस दौरान एमएनआईटी जयपुर के प्रो. एमके श्रीमाली, एबीआरएसएम के संगठन मंत्री महेंद्र कपूर, एनआईटी नागपुर के डायरेक्टर प्रो. प्रमोद, एनआईटी हमीरपुर के डायरेक्टर प्रो. हीरालाल मुरलीधर सूर्यवंशी, संत लोंगवाल इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर प्रो. मणिकांत पासवान, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के डायरेक्टर प्रो. भोलाराम गुर्जर और एनआईटी जालंधर के डायरेक्टर प्रो. विनोद कुमार कनौजिया समेत तकनीकी शिक्षा से जुड़े तमाम विशेषज्ञ मौजूद रहे।

गौरव चौधरी को शाहदरा जिला ओबीसी मोर्चे में उपाध्यक्ष बनाया गया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता युवा मोर्चा झिलमिल मंडल के पूर्व अध्यक्ष गौरव चौधरी को शाहदरा जिला ओबीसी मोर्चे में उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। जिला ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष मनोज चौधरी के मुताबिक युगांत डेढ़ा, रोहन चौधरी, प्रवीण सिंह, तथा राकेश बघेल को उपाध्यक्ष, संजय बच्छस तथा मानवेन्द्र प्रताप सिंह को महामंत्री बनाया गया है जबकि अरविन्द तेवतिया, प्रेमजीत चौधरी, नीरज चौधरी, इंद्र डेढा, तथा घनवत सिंह को मंत्री नियुक्त किया गया है। शेखर चौधरी को कोषाध्यक्ष सतबीर बैंसला को कार्यालय प्रभारी, हेमंत कश्यप तथा शत्रुघ्न कुमार को प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। कुलदीप चौधरी को आई टी सयोजक तथा सिद्धार्थ को सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त सभी पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए पार्टी की मजबूती के लिए काम करने का आह्वान किया।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा किसानी संघर्ष को भरपूर समर्थन देने की घोषणा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने किसानी संघर्ष का डट कर समर्थन करने की घोषणा करते हुए कहा कि संघर्षशील किसानों को जिस भी प्रकार की मदद चाहिए होगी दिल्ली कमेटी द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी। आज यहां जारी एक बयान में कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका व महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि दिल्ली कमेटी ने बीते समय के दौरान भी किसानी संघर्ष को अपना समर्थन दिया था व हर प्रकार की मदद उपलब्ध करवाई थी। इस बार भी हम किसानी संघर्ष को भरपूर समर्थन देने जा रहे हैं क्योंकि किसान देश का अन्नदाता है। सरदार कालका और सरदार काहलों ने कहा कि देश का अन्नदाता किसान अपनी मांगों को लेकर सरकारों से संघर्ष कर रहा है तथा हरियाणा-पंजाब बॉर्डर पर दिल्ली आने के लिए जद्दोजहद कर रहा है। यह बेहद दुखदायिक व पीढ़ादायक है कि अपने ही देश के किसान भाई राजधानी दिल्ली तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हम सरकारों से भी अपील करते हैं कि इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाया जाए। उन्होंने कहा कि जैसे दिल्ली कमेटी पिछले किसान आंदोलन में किसानों के साथ खड़ी थी, वैसे ही आज भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। अगर किसानों कों किसी चीज की जरूरत होगी तो हम उपलब्ध करवाएंगे। किसान आंदोलन को किसी एक समुदाय या जाति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए क्योंकि किसान इस देश का अन्नदाता है इसलिए सभी को उसका सम्मान करना चाहिए। दोनों नेताओं ने कहा कि दिल्ली कमेटी अपने भाइयों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि गुरुनानक देव जी ने हमें खेती से जोड़ा है, वह संगत से भी अपील करेंगे कि जहां भी किसान ठहरे हुए हैं, उन्हें जो भी जरूरत हो, वह उपलब्ध करवाई जाए।

दिल्ली के द्वारका में कार पर फायरिंग, पुलिस रंगदारी के प्रयास की जांच कर रही

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में एक मेडिकल स्टोर मालिक की कार पर फायरिंग की गई। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि पुलिस व्यक्तिगत दुश्मनी और जबरन वसूली सहित सभी एंगल से घटना की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को जेपी कलां पुलिस थाने में एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें बताया गया कि किसी ने रात के समय उनकी कार पर दो राउंड फायरिंग की है। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने देखा कि काजीपुर गांव में प्राथमिक विद्यालय के पीछे सड़क किनारे एक महिंद्रा स्कॉर्पियो खड़ी थी। द्वारका के डीसीपी अंकित सिंह ने कहा, ह्यह्लड्राइवर साइड का शीशा टूट गया था। दो गोलियां बायीं तरफ के सामने के दरवाजे पर लगी।ह्ल डीसीपी ने कहा, ह्यह्लकार मालिक जितेंद्र यादव (35) पपरावत रोड (नजफगढ़) में एक मेडिकल स्टोर चलाते हैं। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

गोलीबारी में फरार बवाना-बाली गैंग के दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्पेशल सेल ने प्रॉपर्टी डीलर के घर गोलीबारी कर फरार हुए गैंगस्टर नीरज बवाना-नवीन बाली गैंग के दो नए शार्प शूटरों को रोहिणी से 7 और 10 फरवरी को गिरफ्तार किया। इनके पास से चार कारतूस के साथ एक लोडेड पिस्तौल बरामद हुई। आरोपियों में नरेला निवासी राहुल खत्री उर्फ राजा और विनीत मलिक उर्फ ढोला शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि 7 फरवरी को रोहिणी में सूचना के आधार पर विनीत मलिक उर्फ ढोला को पुलिस ने धर दबोचा। फिर 10 फरवरी को राहुल खत्री उर्फ बकरी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

मकोका के आरोपी समेत दो कुख्यात दबोचे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मकोका के आरोपी समेत दो कुख्यात बदमाशों को 14 और 15 फरवरी को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान कुशाल मेहता उर्फ चीनू और हिमांशु शर्मा उर्फ करण के रूप में हुई है। आरोपी कुशल सनलाइट कॉलोनी के मकोका मामले में वांछित था, जबकि दूसरा आरोपी हिमांशु कल्याणपुरी के एक सनसनीखेज हत्याकांड में वांछित था। आरोपियों पर डकैती, हत्या का प्रयास, अतिक्रमण और जबरन वसूली के 8 से अधिक मामलों में शामिल होने का आरोप है। बदमाश कुशाल मेहता उर्फ चीनू सनलाइट कॉलोनी में लूटपाट के मामले में वांछित था। उसने अपना खुद का गिरोह बना रखा था और 8 आपराधिक मामलों में शामिल था, जिसके बाद पीएस सनलाइट कॉलोनी में उसके और उसके गिरोह के सदस्यों के खिलाफ मकोका के तहत मामला दर्ज किया गया। उसके गिरोह के 4 सदस्यों को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया था, लेकिन यह करीब 5 महीने से फरार चल रहा था। वहीं, बदमाश हिमांशु शर्मा कल्याणपुरी में वांछित था। वह पहले भी दो मामलों में शामिल था। 14 फरवरी को आरोपी कुशल मेहता उर्फ चीनू को महावीर एन्क्लेव से दबोचा गया। वहीं, 15 फरवरी को हिमांशु शर्मा को आनंद विहार आईएसबीटी से धर दबोचा।

यमुना विहार में कारोबारी के घर पर की गई फायरिंग

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली यमुना विहार इलाके में एक रेडीमेड गारमेंट्स और जींस के कारोबारी के घर पर फायरिंग का सीसीटीवी फुटेज सामने आई है। सीसीटीवी फुटेज से साफ हुआ है स्कूटी से आए बदमाशों ने कारोबारी के घर पर कई राउंड गोलियां चलाई थीं। गनीमत ये रही कि फायरिंग में घर में किसी को गोली नहीं लगी और घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। उत्तर पूर्वी दिल्ली की भजनपुरा थाना पुलिस की टीम ने पीड़ित कारोबारी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। पीड़ित से भी पूछताछ कर इस बात का पता लगाया जा रहा है कि पीड़ित की किसी से आपसी रंजिश तो नहीं है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी डॉक्टर जॉय टिर्की ने बताया कि 52 वर्षीय हसीनुद्दीन सिद्दीकी का दिल्ली के टैंक रोड पर रेडीमेड गारमेंट्स और जींस का अल्फा गारमेंट्स के नाम से कारोबार है।

भारतीय गुर्जर परिषद डीएनटी जागरूकता के लिए शुरू करेगी डोर टू डोर : रोमी भाटी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के कालका गढ़ी गांव में शनिवार को डीएनटी पंचायत का आयोजन हुआ। जिसमे जमरूदपुर गांव के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष पूर्व एसीपी हरचरण वर्मा, पूर्व तहसीलदार बी आर वर्मा एवं अन्य प्रबुद्ध लोगों ने भागीदारी दी। भारतीय गुर्जर परिषद के अध्यक्ष जगदीश लोहिया ने कहा कि डीएनटी समाजों को संघटित होने की जरूरत है। डीएनटी के विषय पर जागरूकता न होना इस बिखराव का कारण। परिषद के उपाध्यक्ष धर्मवीर सिंह बसोया ने कहा कि डीएनटी को सिर्फ किसी लाभकारी योजना के नजरिए से न देखकर इसे एक सम्मान की लड़ाई के तौर पर देखना चाहिए। जबकि, परिषद के सचिव रोमी भाटी ने बताया कि हम डीएनटी से जुड़े दस्तावेजों और इसके प्रभावों को डोर टू डोर करके दिल्ली-एनसीआर के कोने कोने तक पहुंचाएंगे। भाटी ने ये भी अपील करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वो आगे आकर संघठन में सहयोग दें और इसे विस्तार देने में जिम्मेदारी लें। भाटी ने बताया कि दिल्ली की डीएनटी के अंतर्गत आने वाली सभी 29 जातियों के प्रतिनिधियों से हमारा संपर्क है और सभी एक टीम की तरह काम करते हुए अपने अधिकारों की लड़ाई में साथ आ रहे हैं। भारतीय गुर्जर परिषद के महासचिव के पी सिंह ने इस मौके पर बताया कि हमारी लड़ाई का एक हिस्सा ये भी है की इतिहास में डीएनटी जातियों के स्वतंत्रता सेनानीयों को उनका असली हक दिया जाए, ताकि लोगों को उनके संघर्ष के बारे में पता चले। इनके अलावा मीटिंग में जसराम, महेंद्र गुर्जर, आदि मौजूद रहे।

भारत को बदलने की खोज में कल्पना और वास्तविकता का मिश्रण

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल इंजीनियर, फिल्म निमार्ता और लेखक नेहेश पॉल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में विश्व पुस्तक मेले में ह्ल#ट्राइंगटूसेवदवर्ल्डह्ल नामक अपनी पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक के विमोचन के साथ ही प्रधानमंत्री को एक पत्र भी दिया गया जिसमें उन्होंने समर्थन मांगा और सूक्ष्म जैव विविधता रिजर्व के साथ-साथ एक स्थायी सड़क बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसकी प्रगति का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। यह पुस्तक लेखक की भारत और दुनिया को बदलने की कोशिश की वास्तविक जीवन यात्रा को दशार्ती है। लॉन्च इवेंट में बोलते हुए नेहेश पोल ने कहा कि #ट्राइंगटूसेवदवर्ल्ड पाठकों को ऐसे परिवर्तनकारी आंदोलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करके एक किताब और एक मिशन के बीच की सीमाओं को पार करती है, जो कल्पना और वास्तविकता के बीच की रेखाओं को धुंधला कर देता है। पुस्तक में लेखक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे अपने हार्दिक पत्र को शामिल किया है। इसमें उन्होंने अपने ह्यप्रोटोटाइप रोड मॉडलह्ल और ह्यगार्डन ऑफ गॉड माइक्रो-बायोडाइवर्सिटी रिजर्वह्ल का प्रस्ताव रखा है। उनकी अभिनव दृष्टि के हिस्से के रूप में प्रोटोटाइप रोड मॉडल का राष्ट्रीय टेलीविजन पर सीधा प्रसारण किया गया। नेहेश पॉल के अनुसार, परियोजना की प्रगति का टेलीविजन पर प्रसारण जवाबदेह बुनियादी ढांचे के विकास में एक नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि हर कदम के लाइव टीवी प्रसारण द्वारा समर्थित 100 किलोमीटर की परीक्षण सड़क का उद्देश्य पर्यावरण अनुकूलता और सामुदायिक लाभ पर ध्यान केंद्रित करते हुए सड़क अवसंरचना में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। विमोचन कार्यक्रम ने वैश्विक परिवर्तन के लिए नेहेश पॉल की खोज के 1352वें दिन को चिह्नित किया और पर्यावरण अनुकूल और जिम्मेदार विकास में एक नए अध्याय के लिए मंच तैयार किया है। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन में एक असाधारण मोड़ आया जब मेरा लेखन एक परिवर्तनकारी यात्रा बन गया। ह्यरोड दैट गिव्स बैकह्ल और ह्यगार्डन ऑफ गॉडह्ल जैसी परियोजनाओं के माध्यम से पर्यावरण अनुकूल विकास लाने के मिशन ने प्रभावशाली मुलाकातों के साथ-साथ महत्वपूर्ण अनुभव मिला है। पारिस्थितिक सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक-गार्डन ऑफ गॉड बनाने के अलावा पॉल ने एक विशाल विश्व-रिकॉर्ड कार्यक्रम के लिए समर्थन मांगा, जिसमें आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकजुटता में लोगों को एकजुट करने के लिए ह्लओमह्ल का वैश्विक जप शामिल था।

इंद्रप्रस्थ ब्राह्मण संस्था द्वारा बसंत पंचमी महोत्सव आयोजित

नई दिल्ली। आईपैक्स भवन प्रांगण में बसंत पंचमी महोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमे सरस्वती माता की मूर्ति स्थापना सहित पूजा अर्चना, हवन, विधिवत वैदिक पूजा, विशेष आरती के साथ ही कई छोटे-छोटे बच्चों द्वारा दिव्य नृत्य कला, गीत-संगीत सहित विभिन्न तरह तरह के लोक नृत्य, भोजपुरी नृत्य, प्राचीन राजस्थानी नृत्य और कई अन्य सरकार द्वारा प्रमाणिक उत्कृष्ट पेशेवर आर्टिस्टटो द्वारा प्रस्तुत किया गया। उत्सव का आयोजन इंद्रप्रस्थ ब्राह्मण समाज संस्थान द्वारा किया गया, जिसमें 500 संख्या से अधिक लोगों की उपस्थिति रही। मंच का संचालन ज्योति गौतम एवं मोनिका भार्गव द्वारा किया गया। जिसमें उन्होंने सबसे पहले गणेश वंदना से कार्यक्रम प्रारंभ किया। बच्चों ने विभिन्न सुमधुर गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष, भूपेंद्र तिवारी, संरक्षक मुकेश कौशिक, अरविंद कुमार शर्मा, महासचिव, सुरज सरोज मिश्र, उपाध्यक्ष योगेश पचौरी, सचिव, देवेश कुमार शर्मा, सचिव व मीडिया संयोजक सोमनाथ पाराशर, कार्यक्रम समन्वयक अमृता पचौरी, सचिव कमला पांडे, मुकेश चंद्र त्यागी अध्यक्ष रास विहार अपार्टमेंट, अमृत नाथ शुक्ला समाजसेवी लक्ष्मी नगर, कार्यक्रम सह संयोजक, प्रवीण कुमार झा सह संयोजक, कृष्णा मिश्रा, संयोजक, राम मोहन झा आदि सदस्यों की अहम भूमिका रही साथ ही उत्सव में शामिल मुख्य अतिथियों में नगर विधायक ओम प्रकाश शर्मा, लक्ष्मी नगर पूर्व विधायक नितिन त्यागी, संजीव दीक्षित (ब्रांड एंबेसडर) प्राविधिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश, दिनेश प्रताप सिंह प्रमुख समाजसेवी पूर्वांचल, संजीव कुमार मिश्रा, डी.सी, नॉर्थ ईस्ट एमसीडी, सौरभ मिश्रा, डीएचओ, दक्षिण पूर्वी जिला, डॉक्टर मोनिका पंत पार्षद, गीता शर्मा पूर्व पार्षद, तरुण गुप्ता अध्यक्ष अग्रसेन अपार्टमेंट, सुरेश बिंदल प्रधान इंद्रप्रस्थ रामलीला कमेटी, राष्ट्र प्रकाश राष्ट्रीय संयोजक विश्व गुरु मिशन, मितिन गर्ग सचिन मिलन अपार्टमेंट, सुरेश मित्तल अध्यक्ष शांति देवी मित्तल फाउंडेशन, पंकज चौहान समाजसेवी, आदि रहे।

भाजपा सरकार जितने हमले कांग्रेस पर करेगी पार्टी उतनी अधिक मजबूत होगी : लवली

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनावों में हार के डर से भयभीत भाजपा द्वारा कांग्रेस के खाता को फ्रीज करने के खिलाफ आज कांग्रेस कार्यकताओं ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली के नेतृत्व में आईटीओ स्थित आयकर विभाग कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा विपक्षी दलों के खिलाफ ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स जैसी सरकारी जांच एजेंसियों दुरुपयोग करके लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता पर लगातार हमला कर रही है जिससे कांग्रेस पार्टी डरने वाली नही है। श्री लवली ने कहा कि अन्यायपूर्ण निर्णयों के सामने हम आत्मसमपर्ण नही करेंगे बल्कि कांग्रेस अपनी विचारधारा के अनुरुप दृढ़ संकल्प और अटूट भावना के साथ भाजपा की क्रूर कार्यवाही का सीधा मुकाबला करेंगे। प्रदर्शनकारियों में प्रदेश अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली के अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चौपड़ा, पूर्व सांसद संदीप दीक्षित, रमेश कुमार, पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ, राजकुमार चौहान, मंगतराम सिंघल, किरण वालिया, पूर्व विधायक मुकेश शर्मा, नसीब सिंह, भीष्म शर्मा, वीर सिंह धींगान, विजय लोचव, अमित मलिक, हरी किशन जिंदल अमृता धवन, जय करण चौधरी, महमूद जिया, जिला अध्यक्ष गुरचरण सिंह राजू, आदेश भारद्वाज, चौ. जुबैर अहमद, निगम पार्षद हाजी जरीफ, मौहम्मद उस्मान, डॉ. नरेश शर्मा, दीपक वशिष्ठ, मुदित अग्रवाल, नरेश शर्मा नीटू, अनुज आत्रेय वरयाम कौर, कैप्टन खविन्दर सिंह, लक्ष्मण रावत, वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक, निगम पार्षद, जिला एवं ब्लाक अध्यक्ष, कॉआर्डिनेटर, बीएलए तथा बूथ स्तर तक के कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा के खिलाफ अपना रोष प्रकट कर रहे थे। कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लिए ह्यह्यहर जोर जुल्म की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा हैह्लह्ल तानाशाही भाजपा होश में आओ-होश में आओ, आदि नारे लगा रहे थे। प्रदर्शकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने आयकर विभाग का सहारा लेकर कांग्रेस पार्टी के खातों को फ्रीज करने की कार्यवाही के बाद साफ हो गया है कि भाजपा ने न सिर्फ कांग्रेस की वित्तिय स्थिरता पर हमला किया है बल्कि यह गणतंत्र देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी जबरदस्त हमला है। उन्होंने कहा कि प्रमुख विपक्षी दल के प्रशासिनक कामों में बाधा डालने में भाजपा की केन्द्र सरकार का राज्य मशीनरी का अन्यायपूर्ण इस्तेमाल करना निराशाजनक है।

दिल्ली में देश भर से जुटे संतों ने किया श्री कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति का शंखनाद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सिद्ध पीठ श्री सीताराम संत सेवा मंदिर एवं गौशाला सेवा परिवार (महात्यागी ट्रस्ट) के संयोजन एवं अंतर्राष्ट्रीय महात्यागी खालसा के श्री महंत व महामंडलेश्वर श्री राम गोविन्द दास महात्यागी जी महाराज के सानिध्य में पूर्वी दिल्ली के एजीसीआर एनक्लेव (कड़कड़डूमा कोर्ट के सामने) में 10 फरवरी से श्री कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति व धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं के कल्याणार्थ चल रहे 8 दिवसीय अष्टोत्तर शत परायण श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव की पूणार्हुति के अवसर पर विराट संत समागम का आयोजन हुआ। उल्लेखनीय है कि विराट संत समागम में दिल्ली के अलावा देश भर की विभिन्न विभिन्न पीठों व अखाड़ों से भारी तादाद में पहुंचे संतों ने सनातन धर्म के जन जागरण की शौर्य पताका फहराते हुए महामंडलेश्वर श्री राम गोविन्द दास महात्यागी जी (दिल्ली), अह्नभाह्नअखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता महामंडलेश्वर श्री गौरीशंकर दास जी (हनुमान गढ़ी, अयोध्या), अह्नभाह्नसंत समिति के राष्ट्रीय सचिव महामंडलेश्वर श्री ईश्वर दास जी (ऋषिकेश), चतु सम्प्रदाय विरक्त वैष्णव परिषद के अध्यक्ष महामंडलेश्वर श्री सच्चिदानंद दास जी (वृंदावन), दिल्ली संत महामंडल के महामंत्री महामंडलेश्वर श्री नवल किशोर दास जी के आह्वान पर श्री कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति का भी शंखनाद किया गया। सभी संतो ने एक स्वर में घोषणा करते हुए कहा कि जब तक श्री कृष्ण जन्म भूमि पर विदेशी आक्रांताओं द्वारा किए गए अतिक्रमण का कलंक खत्म नही हो जाता तब तक संत समाज चैन से नहीं बैठेगा। उन्होंने सरकार को भी सीधा संकेत देते हुए कहा कि शीघ्र अति शीघ्र जन्म भूमि की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया जाए ताकि अयोध्या की तरह मथुरा में भी सनातन शौर्य की पताका एक बार फिर से लहरा सके और औरंगजेब के कलंक को खत्म कर लीलाधारी भगवान श्री कृष्ण जन्म भूमि पर भी राम जन्म भूमि की तरह भव्य मंदिर बन सके। इस अवसर पर त्रिकालदर्शी श्री गुरुशरण दास जी महाराज (पंडोखर सरकार) भी मौजूद रहे। उन्होंने इस अवसर पर यह ऐलान भी किया कि जब तक श्री कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति का ऐलान नही तब तक संतो को विश्राम नही।

अगली बार मैं खुद आऊंगा, आज कोर्ट में वर्चुअली पेश हुए केजरीवाल, 16 मार्च के लिए किया ये वादा

- अब देश के लोगों को तय करना है कि पुण्य की राजनीति करें या पाप की राजनीति

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

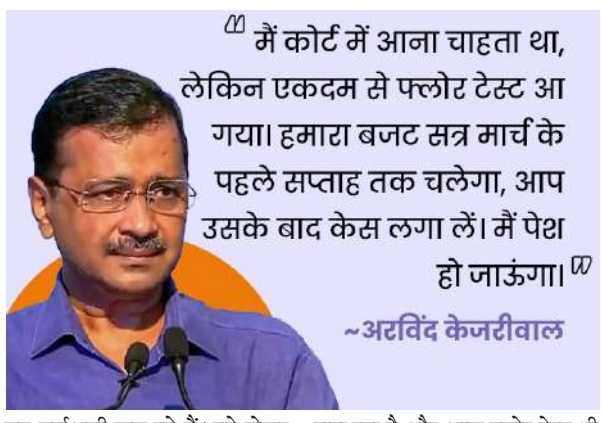

ईडी के समन पर पेश नहीं होने पर जांच एजेंसी कोर्ट पहुंची थी। इसे लेकर कोर्ट ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को 17 फरवरी को कोर्ट में पेश होने का समन भेजा था। इसी मामले में आज दिल्ली सीएम केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश हुए। यहां उन्होंने पेश होकर अपनी बात रखी और कोर्ट से वादा भी किया। केजरीवाल ने कोर्ट में कही ये बातें-आज अदालत में मुख्यमंत्री की ओर से वरिष्ठ वकील रमेश गुप्ता पेश हुए। मुख्यमंत्री भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। केजरीवाल के वकील ने कोर्ट को बताया कि आज वह वर्चुअली जुड़ रहे हैं। इसे लेकर पेशी से छूट का आवेदन डाल रहे हैं। इसे लेकर अदालत ने पूछा कि छूट की क्या वजह है? इस पर केजरीवाल के वकील रमेश गुप्ता ने कहा, उनके कोर्ट में पेश होने से सभी को परेशानी होगी। इसके साथ ही दिल्ली में बजट सत्र चल रहा है और आज फ्लोर टेस्ट भी है। लेकिन वह कोर्ट के सामने खुद पेश होंगे। इसके बाद केजरीवाल ने कोर्ट के समक्ष अपनी बात रखी। ईडी और केजरीवाल के वकील में नोकझोंक-उनकी बात सुनकर अदालत ने मामले की सुनवाई 16 मार्च तक के लिए टाल दी। इस पर ईडी के वकील ने कहा कि केजरीवाल को यह निर्देश दिया जाए कि वह खुद पेश होंगे या फिर उनके वकील गुप्ता की स्टेटमेंट इसके लिए रिकॉर्ड कर ली जाए। ईडी के वकील की इस दलील पर केजरीवाल के वकील बोले कि मैंने कहा कि वह पेश होंगे। आप ईडी के वकील हैं सिर्फ इसलिए आप कुछ भी नहीं कह सकते। अंत में अदालत ने 16 मार्च की अगली तारीख दे दी। ईडी के छठे समन पर केजरीवाल 19 फरवरी को होना है पेश- सात फरवरी को अदालत ने पांच समन जारी होने के बाद भी पेश नहीं होने से जुड़ी ईडी की शिकायत पर केजरीवाल के विरुद्ध समन जारी कर 17 फरवरी को अदालत में पेश होने का आदेश दिया था। ईडी ने 14 फरवरी को छठा समन जारी कर केजरीवाल को 19 फरवरी को पेश होने को कहा है।

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में बड़ा हादसा, पंडाल गिरने से 25 लोग घायल

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब वहां बना एक पंडाल गिर गया। जानकारी के अनुसार जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के गेट नम्बर-2 के पास शनिवार सुबह एक पंडाल गिर गया। हादसे के तुरंत बाद इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई, जिससे दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्टेडियम के अंदर लॉन में कुछ काम चल रहा था। जिसके चलते मौके पर काफी लोग मौजूद थे। माना जा रहा है कि पंडाल के गिरते ही में 25 लोग ढांचे के नीचे दब गए। एम्स ट्रामा सेंटर में चल रहा घायलों का इलाज-दमकल विभाग के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और सभी फंसे हुए लोगों को निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। सभी का इलाज एम्स ट्रामा सेंटर में चल रहा है। अब तक हादसे में किसी भी जनहानि की सूचना नहीं है। मौके पर पुलिस, दमकलकर्मी और एंबुलेंस मौजूद हैं और बचाव कार्य जारी है। एक शादी के लिए लग रहा था पंडाल-जानकारी के अनुसार स्टेडियम में 24 फरवरी को एक बड़े बिजनेसमैन के घर की शादी है, जिसके चलते एक हफ्ते पहले से ही पंडाल लगाया जा रहा था। इस पंडाल को बनाने में करीब 250 लोग काम कर रहे थे और हादस में करीब 25 मजदूर घायल हो गए जिन्हें एम्स में भर्ती कराया गया है।

जखीरा फ्लाईओवर के पास बड़ा ट्रेन हादसा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली के जखीरा में शनिवार सुबह आज उस वक्त हड़कंप मच गया जब यहां एक बड़ा ट्रेन हादसा हो गया है। यहां ट्रेन की 10 बोगियां पटरी से उतरकर पलट गईं। गनीमत यह रही कि यह एक मालगाड़ी थी। हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। मौके पर रेलवे टीम व फायर ब्रिगेड तैनात हैं। जानकारी के अनुसार आज सुबह 11.42 पर दमकल विभाग को सूचना मिली कि जखीरा फ्लाईओवर के पास एक ट्रेन पटरी से उतर गई है।लोहे के शीट थे लदे-मौके पर पहुंचे दमकर्मियों ने पाया कि यह ट्रेन मालगाड़ी थी, जिसकी 10 बोगियां पटरी से उतर गई थीं। सूचना मिलने पर रेलवे टीम, फायर ब्रिगेड, पुलिस टीम व अन्य टीमें मौके पर पहुंच गईं। मालगाड़ी में लोहे की शीट के रोल लदे थे। हालांकि पटरी पर किसी के फंसे होने की संभावना से राहत बचाव में लगे कर्मियों ने पूरी तरह इनकार नहीं किया है। अभी राहत-बचाव कार्य जारी है।

बड़ी मूर्तियां देती हैं बड़ा संदेश

पत्थरों से इंसान को गढ़ने वाले शिल्पकार राम वंजी सुतार का पढ़ें साक्षात्कार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

राम वंजी सुतार... एक ऐसे शिल्पकार जिन्हें पत्थरों से इंसान गढ़ना आता है। उन्होंने गांधी को केवल गढ़ा नहीं, जिया है। आंबेडकर की मूरत को जीवंतता प्रदान की है। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा बनाने वाले यह शिल्पकार 19 फरवरी को वह अपनी जीवन यात्रा के सौंवे साल में प्रवेश कर रहे हैं। इस मौके पर दैनिक जागरण दिल्ली की मुख्य उपसंपादक मनु त्यागी ने उनकी कार्यशैली से लेकर दिनचर्या तक पर विस्तार से बातचीत की। कुछ प्रमुख अंशः कब लगा राम के अंदर सुतार बसा है? विचार और कल्पनाशीलता के बीज छोटी उम्र से ही मेरे भीतर पड़ गए थे। बचपन में एक दिन मां के पास बैठा था, तभी मुझे बिच्छू ने काटा था। मैंने उसे मार दिया। इसके बाद मन के भीतर के भावों ने मुझे उस बिच्छू की आकृति बनाने को प्रेरित किया। मैंने एक साबुन पर स्क्रैच करके उसकी आकृति बना दी। महाराष्ट्र में अपने गांव गोंदुर में जहां मैं पढ़ाई करता था, वहीं एक अखाड़ा भी था। उस समय अखाड़े में बच्चे नहीं आते थे। तब मास्टर जी के कहने पर मैंने एक पहलवान की छह फीट की मूर्ति बनाई जिसे देखकर अखाड़े में बच्चे आने लगे थे। मेरे गुरु श्रीराम कृष्ण जोशी ने मेरी इस प्रतिभा को पहचान कर उसे निखारा। उस समय मुझे पेंटिंग का भी शौक था। एक बात और सुतार का अर्थ है सूत्रधार। और सूत्रधार मतलब होता है जोड़ना। और मैं यही कर रहा हूं। आपको शुरूआत में लगा कि चित्रकार हैं फिर मूर्तिकार बने, ऐसा क्यों? देखिए, कला कुछ छोड़ने की चीज नहीं है। यह वह भाव है जो आपके भीतर है जिसे कोई चुरा नहीं सकता। मूर्तिकार हो चित्रकार... दोनों को जो जोड़ता है, वह है चिंतन। बचपन में बिच्छू की आकृति बनाना और स्लेट पर मूर्ति उकेरना... यह सब एक राह दिखाता रहा। फिर स्नातक की पढ़ाई के दौरान मुझे मूर्ति कला के क्षेत्र में जाना ही अच्छा लगा। चित्रकला के मेरे शौक की पूर्ति होती रहती है। प्रकृति केंद्रित पेंटिंग मेरी इसकी गवाह भी हैं। अब तक कितनी मूर्तियां बनाईं और सबसे प्रिय कौन सी है? बहुत मुश्किल होता है यह बताना कि कौन सी मूर्ति सबसे अच्छी है। मैंने लगभग एक हजार से अधिक मूर्तियां तैयार की हैं जो देश-विदेश में लगी हैं। गांधी जी की ध्यान मुद्रा में एक मूर्ति से मेरा बेहद जुड़ाव है। इस मुद्रा में जीवन का संदेश समाया है। देखा जाए तो गांधी जी के साथ मेरा पांच साल की अवस्था से ही लगाव रहा। उनकी बातों-विचार ने मेरे जीवन को साधे-बांधे रखे। बापू का अनुसरण किया तो उनकी मूर्तियां भी सबसे अधिक बनाईं। किस मूर्ति को तैयार करने में सबसे अधिक समय लगा? यह सर्वविदित है सबसे ऊंची मूर्ति सरदार पटेल की थी तो उसे ही तैयार करने में सबसे अधिक 45 महीने का समय लगा था। एक छोटे से माडल को 182 मीटर ऊंचाई में आकार देना, वो भी कांसे में। बहुत मुश्किल काम होता है। अभी अयोध्या में सरयू तट पर भगवान श्रीराम की सबसे ऊंची मूर्ति लगनी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इसकी डमी मूर्ति बहुत पसंद आई थी। हमने डमी मूर्ति में ही उसके बड़े आकार की मूर्ति में जो सपोर्टिव चीजें होनी चाहिए, उनको गढ़ा था। मसलन श्रीराम का पट्टा बड़ी मूर्ति में कैसे दिखेगा, इतनी बड़ी मूर्ति को वो कैसे एक सपोर्ट के रूप में मदद कर सकता है, यह सब उसमें स्पष्ट दशार्या गया। धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन का भी इसमें लाभ मिला।

इंसान बना जानवर

पीट-पीटकर युवक ने बेजुबान पिल्ले की कर दी हत्या

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

मुरादनगर न्यू डिफेंस कॉलोनी गली में पिल्ले को पीटकर मारने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक डंडा लेकर घूम रहा है। पुलिस ने पीएफए अध्यक्ष की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है। संस्था पीपल फॉर एनिमल गाजियाबाद की अध्यक्ष सुरनी रावत ने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे न्यू डिफेंस कॉलोनी गली नंबर तीन के पीछे कल्लू नामक युवक ने डंडे से पीट-पीटकर पिल्ले को मार डाला। आरोप है कि जब पीएफए संस्था के एडवोकेट आशीष शर्मा ने युवक का वीडियो बनाने लगे तो आरोपी ने पिस्टल से मारने की धमकी दी। पुलिस जांच कर रही है।

छात्राओं के यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर हाईकोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

उच्च न्यायालय ने शिक्षकों और प्रोफेसरों द्वारा छात्राओं के यौन उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। अदालत ने कहा, यह गंभीर अपराध और पद शक्ति का दुरुपयोग है। छात्रों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों पर निलंबित दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के भारती कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह ने कहा कि शिक्षकों को ज्ञान प्रदान करने और भविष्य के बच्चों के दिमाग को आकार देने की शक्ति उपहार में दी गई है, और यह जरूरी है कि ऐसी शक्ति का दुरुपयोग न हो। एक समाज के रूप में यह समझना महत्वपूर्ण है कि ऐसे छात्रों के माता-पिता अपने बच्चों को इस उम्मीद में अपने घरों से दूर भेजते हैं कि उनके बच्चे अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में एक सुरक्षित और अनुकूल वातावरण में रहेंगे।

भयंकर आग के बाद अलीपुर की फैक्ट्री बन गई लाक्षागृह

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

अलीपुर स्थित पेंट फैक्ट्री में आग के बाद कैमिकल से भरे ड्रम ने ही तबाही नहीं मचाई, बल्कि फैक्ट्री के अंदर जमीन में बनाए गए टैंक जानलेवा साबित हुए। फैक्ट्री में जिस जगह जमीन में टैंक थे, वहीं सबसे ज्यादा शवों की बरामदगी हुई है। बताया जाता है कि फैक्ट्री परिसर में तीन से चार भूमिगत टैंक भी मिले हैं और अनुमान लगाया जा रहा है कि सभी कैमिकल से भरे हुए थे।भूमिगत टैंक जानलेवा साबित हुए और फैक्ट्री से बाहर तबाही का कारण कैमिकल से भरे ड्रम बने। टीन शेड के नीचे बने थे भूमिगत टैंक- कल देर रात सर्च अभियान के लिए घटनास्थल पर बुलाई गई एनडीआरएफ की टीम के एक सदस्य ने शुक्रवार को बताया कि खतरनाक कैमिकल से भरे ड्रम के अलावा फैक्ट्री के भीतर बने भूमिगत टैंकों ने भी जान और माल को हानि पहुंचाई है। 800 से एक हजार वर्ग फीट आकार के फैक्ट्री परिसर के मध्य भाग से लेकर अंत तक टीन शेड बनाया गया था। इसी टीन शेड के नीचे तीन से चार भूमिगत टैंक मिले हैं। सभी टैंक छोटे आकार के लग रहे हैं। टैंकों के पास मिले सबसे ज्यादा शव-अनुमान है कि ये टैंक कैमिकल से भरे थे, संभवतया यही कारण है कि इसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा शव बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री परिसर से एक एलपीजी गैस सिलेंडर भी मिला है। आग लगने के बाद सर्च अभियान में शामिल दमकल सेवा विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि तीन शव फैक्ट्री के कार्यालय के आसपास मिले थे और दो साइड में मिले थे। दिनभर चला सर्च अभियान-स्थानीय लोगों के फैक्ट्री परिसर और शव के होने की शंका जाहिर करने के बाद एनडीआरएफ ने शुक्रवार को दिनभर सर्च अभियान जारी रखा। एनडीआरएफ के अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने से कुछ समय पहले फैक्ट्री के अंदर 15 चाय गई थी, इसी आधार पर दिनभर सर्च अभियान चलाया गया।

टाइम बम की तरह हैं दिल्ली की अवैध फैक्ट्रिया

आग से बचाव के साधन न के बराबर, सरकारी विभाग अनजान

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

राजधानी में सैकड़ों अवैध फैक्ट्रियां टाइम बम की तरह संचालित हो रही हैं। इनमें न तो आग से बचाव के कोई साधन है और न ही अग्निशमन विभाग की एनओसी। ऐसे में हर वर्ष भीषण अग्निकांड होते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग और प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं करते। सबसे बुरा हाल अनधिकृत कॉलोनियों और पुरानी दिल्ली इलाके का है। यहां ज्यादातर पुरानी इमारतें हैं। ऐसे में इनमें अग्निशमन के उपाय तक नहीं किए गए हैं। वहीं अनधिकृत कॉलोनियों में बहुमंजिला इमारतें बना दी गई हैं। यहां धड़ल्ले से अवैध रूप से व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जा रही हैं। अब तो पॉश और नियमित कालोनियों में भी औद्योगिक इकाइयां चलाना आम बात है। इन इकाइयों का कहीं भी पंजीकरण नहीं कराया जाता। नगर निगम, डीडीए, पुलिस या अन्य एजेंसियों के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से बेखौफ कारोबार चलता रहता है। यहां सबसे ज्यादा अवैध फैक्ट्रियां-एमसीडी की मानें तो खजूरी खास, नंदनगरी, दिलशाद गार्डन, विश्वास नगर, गांधी नगर, मंडावली, न्यू अशोक नगर, स्वरूप नगर, गाजीपुर, चिल्ला गांव, किराड़ी, सोनिया विहार, मौजपुर, चांद बाग, बुराड़ी, मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी, जहांगीरपुरी, शालीमार बाग, पीतमपुरा, समयपुर बादली, नरेला, सागरपुर, डाबरी, बेगमपुर, संगम विहार, कालकाजी, जंगपुरा, भोगल, संजय कॉलोनी, खानपुर, अंबेडकर नगर, मदनगीर, मटियाला, ख्याला, तिलक नगर, नवादा, उत्तम नगर, करोल बाग, पटेल नगर, शादीपुर, इंद्रपुरी, नांगलोई, हरिनगर, पालम, कापसहेड़ा और बवाना के रिहायशी इलाकों में भी फैक्ट्रियां चल रही हैं। कुछ भयावह अग्निकांड-13 मई 2022 को मुंडका में मेट्रो स्टेशन के पास स्थित चार मंजिला व्यावसायिक इमारत में आग से 27 लोगों की मौत हुई थी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए थे।

8 दिसंबर 2019 को सदर बाजार की अनाज मंडी में एक फैक्ट्री में आग लगी थी जिसमें 43 लोगों की मौत हुई थी। फैक्ट्री में निकास के लिए मात्र छोटा सा दरवाजा था। आग रात में लगी थी, जिसमें रहने वाले श्रमिक गहरी नींद में थे। अधिकतर श्रमिकों की मौत धुएं के कारण हुई।

12 फरवरी 2019 को करोलबाग में गुरुद्वारा रोड स्थित होटल अर्पित पैलेस में आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गई थी।

20 जनवरी 2018 को बाहरी दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में सेक्टर-5 स्थित पटाखा फैक्ट्री में आग लग गई थी। हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग घायल हुए थे।

7 जुलाई 2017 को सीमापुरी की दिलशाद कालोनी में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी।

दिल्ली की सुरक्षा पर सवालः बदमाशों ने घर के बाहर की कई राउंड फायरिंग

- एक्शन में आई पुलिस

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर फायरिंग का मामला सामने आया है। जिसके बाद राजधानी की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। बीती रात यमुना विहार इलाके में दो बाइक सवार बदमाशों ने एक घर के बाहर कई राउंड फायरिंग कर दी। घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। फिलहाल, आगे की जांच जारी है। मौके पर पहुंची भजनपुरा पुलिस ने मौके से कई खाली खोखे और 7.65 एमएम का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। बदमाशों का पता लगाने के लिए पुलिस सुराग के लिए शिकायतकर्ता से पूछताछ कर रही है।

झूठी कॉल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस ने एक झूठी कॉल करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस शख्स ने बीती 28 जनवरी 2024 को दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर बम होने की झूठी कॉल की थी। आरोपी की पहचान कृष्ण महतो पुत्र सूरज महतो निवासी सोमगढ़, साठी, पश्चिमी चंपारण, बिहार के रूप में हुई है। जिसकी उम्र 38 वर्ष बताई जा रही है। शुरूआती पूछताछ में आरोपी ने बताया की यह कॉल उसने जानबूझकर शराब के नशे में की थी।

लोकसभा चुनाव की घोषणा होगी

- मैं बोलूंगा...जानिए गठबंधन छोड़ने पर क्या बोले जयंत चौधरी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी शनिवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जन्मस्थली गांव नूरपुर की मढैया में पहुंचे। यहां रालोद प्रमुख ने किसान नेता की प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया और ग्रामीणों के साथ केन्द्र सरकार द्वारा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के फैसले पर खुशी मनाई। जयंत चौधरी ने कहा कि नूरपुर मेरा गांव है। सब मेरे परिवार के लोग हैं। उनका आशीर्वाद लेने आया हूं। भारत रत्न से जब चौधरी चरण सिंह को नवाजा गया तो हम सब चाहते हैं कि उस बात का बड़ा संदेश देशभर में जाए। उन बातों पर लोगों की राय लेने उनके विचार सुनने आया हूं। जयंत चौधरी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय लोकदल कितनी सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है, इसका जवाब वह तब देंगे, जब चुनाव की घड़ी आएगी। उन्होंने कहा कि अभी चुनाव घोषित नहीं हुए हैं, रालोद कितनी सीटों पर लड़ेगी, ये सारी बातें समय पर होंगी। इंडिया गठबंधन से अलग होने के सवाल पर रालोद प्रमुख ने कहा कि जब औपचारिक घोषणा हो जाएगी, तब वह इन सवालों का जवाब भी खुलकर देंगे। तब बताएंगे कि आखिर क्या कारण रहे और उनकी आगे की क्या सोच है और क्या अपने लोगों के लिए करना चाहते हैं। किसान आंदोलन पर रालोद प्रमुख ने कहा कि किसानों की सुनवाई होनी चाहिए। रालोद किसानों के साथ है। किसानों के जो मुद्दे हैं, उन पर सुनवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान जितना संघर्ष करता है, जितनी मेहनत किसान करता है शायद और कोई वर्ग इस देश में नहीं करता है। सरकार को देश के मुख्य धारा में जो बातचीत नीतियां बनती हैं, उनमें किसानों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। यह रहे मौजूद-राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी, गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र तेवतिया, राष्ट्रीय लोकदल के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष खालीद मकसूद, प्रदेश महासचिव शिवकुमार त्यागी, प्रदेश सचिव आकील खान, युवा के जिलाध्यक्ष अशोक त्यागी, खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अनुभव नरवाल, जितेंद्र मलिक, चौधरी सुमेर सिंह, नरेश चौधरी, बाबी ठेकेदार, यशपाल प्रधान, राजू प्रधान आदि थे।

पहले मेरे ऊपर स्याही फेंकते थे, थप्पड़ मारते थे और अब, विधानसभा में बोले अरविंद केजरीवाल

- अब देश के लोगों को तय करना है कि पुण्य की राजनीति करें या पाप की राजनीति

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हुई। सत्ता पक्ष के विधायकों ने अपनी-अपनी बात रखी। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सदन में अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी सदन को संबोधित किया। इसके बाद विश्वास पारित हो गया। इसके साथ ही सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित हो गई। सदन का समय दोपहर 2 बजे से रहेगा। केजरीवाल को जेल में डालने की इच्छा बची हुई केजरीवाल ने कहा कि पहले मेरे ऊपर इंक फेंकते थे, थप्पड़ मारते थे, एक बार मिर्च डाल दी। कितनी जिल्लत सही मैंने। अब इनकी एक ही इच्छा बची है कि केजरीवाल को जेल में डाल दो, वो भी करके देख लो। अब देश के लोगों को तय करना है कि पुण्य की राजनीति करें या पाप की राजनीति। किसी के बाप की जागीर नहीं जो दिल्ली को विधानसभा से मुक्त कर देंगे। हम कुछ न रहें तब भी हम काम करना नहीं छोड़ेंगे। दिल्ली वालों का यह बेटा हार नहीं मानेगा। सात जन्म में भी मैं आपका एहसान नहीं चुका पाऊंगा। हम भाजपा के हर चक्रव्यूह से बाहर निकल आएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा एक भी विधायक नहीं टूटा। 54 यहां मौजूद हैं, तीन बाहर हैं, दो जेल में हैं, दो बीमार हैं और एक शादी में गए हैं। 2029 में आप दिलाएगी देश को बीजेपी से मुक्तिः केजरीवाल-इस सदन में हमारी मेजोरिटी है। फिर भी विश्वास मत प्रस्ताव क्यों लाना पड़ा, यह मैंने कल बताया था। इन्होंने सात टछ्अ से संपर्क किया था। कभी किसी के जरिये तो कभी किसी के जरिये ऑफर भेजा जाता है। केजरीवाल को तो गिरफ्तार कर लोगे, उसकी सोच को कैसे गिरफ्तार करोगे? देश की मिट्टी से एक लाख केजरीवाल पैदा हो जाएंगे। हमारे कई नेता पहले से अंदर हैं। आज देश में भाजपा को सबसे बड़ा खतरा आप से ही है। अगर 2024 में भाजपा नहीं हारी तो 2029 में आप देश को भाजपा से मुक्ति दिलाएगी। जनता में विश्वास खो बैठे केजरीवालः बिधूड़ी नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि विश्वास मत प्रस्ताव की आवश्यकता नहीं थी। मैं इसका विरोध करता हूं। सदन में भले ही अरविंद केजरीवाल के पास बहुमत हो, लेकिन जनता में अपना विश्वास खो बैठे हैं। भाजपा द्वारा आप विधायकों को खरीदने के सीएम और आतिशी ने जो आरोप लगाए, उसका सच जानने के लिए हम पुलिस आयुक्त से मिले। लेकिन सीएम और आतिशी दोनों ही पुलिस को सहयोग नहीं कर रहे। कहा गया था कि नई आबकारी नीति से राजस्व बढ़ेगा लेकिन हुआ घाटा। अगर यह नीति इतनी ही अच्छी थी तो वापस क्यों ली गई? जल बोर्ड 73 हजार करोड़ के घाटे में: बिधूड़ी-उन्होंने कहा कि आप सरकार से पहले जल बोर्ड 600 करोड़ के फायदे में था जबकि आज 73000 हजार करोड़ घाटे में क्यों है? जल बोर्ड में 500 करोड़ का जो नया घोटाला हुआ है, उसकी भी जांच शुरू हो गई है। बिजली कंपनियों के खाते की जांच हो रही है, हेल्थ सेक्टर में दवा घोटाला हुआ है। डीटीसी में घोटाला हुआ है। पैनिक बटल घोटाला भी हुआ है।

राजधानी में नहीं दिखा भारत बंद का असर, खुले रहे बाजार; सामान्य रहा कारोबार

- पूरे दिल्ली के बाजार खुले रहे, भारत बंद का असर कारोबार पर नहीं पड़ा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

किसान संगठनों ने शुक्रवार को भारत बंद का आह्वान किया था, लेकिन राजधानी में बंद का कोई असर नहीं दिखा। व्यापारियों ने प्रतिष्ठान खोले और बाजारों में सामान्य रूप से कारोबार हुआ। कनॉट प्लेस, नजफगढ़ मार्केट, सरोजिनी मार्केट, इंद्रपुरी, बवाना, गाजीपुर, सिंघु बॉर्डर के आसपास के इलाकों समेत अन्य बाजार खुले रहे। साथ ही, यातायात भी प्रभावित नहीं हुआ। ऑटो रिक्शा, टैक्सी, मालवाहक वाहन सड़कों पर चलते दिखे। कनॉट प्लेस में कपड़ों के दुकानदार अंकुश कुमार ने बताया कि इन दिनों शादी सीजन है। बाजारों में खरीदारों की भीड़ है। कोई भी व्यापारी सीजन में दुकानदारी चौपट नहीं करना चाहता है। बाहर से आने वालों को किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। आमजनों को गुमराह करने वालों को पहचाने की जरूरत है। किसानों की मांगों पर सरकार गंभीर है। उम्मीद है कि जल्द समाधान निकलेगा। वहीं, इंद्रपुरी निवासी बिंदिया प्रसाद ने बताया कि वह किसानों के समर्थन में हैं, लेकिन उनकी इन नीति का सहयोग नहीं करे रहे हैं। अगर दुकान नहीं खोलेंगे, तो खाएंगे क्या। नजफगढ़ बाजार के थोक विक्रेता मोहित सैनी ने बताया कि भारत बंद का बाजार पर कोई असर नहीं पड़ा। बाजार में अच्छी चहल पहल है। अगर दुकान बंद करेंगे तो अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। तमाम दुकानदार, व्यापारियों व औद्योगिक क्षेत्रों के लोगों ने इसका बहिष्कार किया है।

राउज एवेन्यू कोर्ट में मनीष सिसोदिया को किया गया पेश

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 28 फरवरी तक बढ़ा दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग के साथ छापेमारी अभियान

सहरसा। जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर सहरसा पुलिस लगातार वाहन चेकिंग अभियान चला रही है इसी करी में शनिवार को पुलिस अधीक्षक हिमांशु कुमार के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न इलाकों में सघन वाहन चेकिंग एवं विशेष छापामारी अभियान चलाया गया जिसके क्रम में पतरघट ओ0पी0 अन्तर्गत भिन्न-भिन्न स्थानों से छापामारी कर देशी एवं विदेशी शराब एवं गाँजा सहित कुल 07 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी है। उक्त संबंध में कांड दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान 104 पीस विदेशी शराब 5 लीटर देशी शराब 277 ग्राम गाँजा के साथ विनय कुमार यादव, विशाल कुमार, अमरेन्द्र सिंह, सुमन सिंह, जयकृष्ण, अमरेन्द्र कुमार, पिन्टू कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

विशेष गस्ती के दौरान हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

सहरसा। पुलिस अधीक्षक सहरसा के निर्देशानुसार सहरसा जिला के बिहरा थाना क्षेत्र में विशेष संध्या गस्ती के कम में आजाद चौक पैट्रोल पम्प के निकट सघन वाहन चेकिंग के दौरान 01 मोटरसाईकिल पर सवार 03 लड़के को 01 देशी कट्टा एवं 03 जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया तथा इस संबंध में कांड दर्ज कर अभियुक्तों न्यायिक हिरासत में भेजा गया। वही 1 देशी कट्टा 3 कारतुस 1 मोटरसाईकिल के साथ अश्विनी यादव, अरुण कुमार, पपलेश यादव को गिरफ्तार किया गया है।

157 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ युवक गिरफ्तार

मुरलीगंज (मधेपुरा) कफ सिरप के साथ गिरफ्तार युवक शौच के बहाने चौकीदार को चकमा देकर थाना से फरार होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चार घंटे के अंदर फरार हुए युवक को पुनः गिरफ्तार करने में सफल हुई है। बताया गया कि शुक्रवार की शाम कमांडो टीम के द्वारा वाहन जांच के दौरान बाइक सवार युवक को सैकड़ो बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ गिरफ्तार किया गया था। विधि सम्मत कार्रवाई हेतु पुलिस अभिरक्षा में रखा गया था। शनिवार की अहले सुबह थाना में ड्यूटी पर तैनात चौकीदार ने हिरासत में रहे युवक को शौच करवाने गए थे। इसी बीच युवक मौका पाकर चौकीदार को चकमा देते हुए फरार हो गया।

संरक्षण संवर्धन करने को लेकर 23 मार्च को मुख्यमंत्री के समक्ष पटना में होगा धरना प्रदर्शन सभा

प्रात : किरण संवाददाता

● साझी शहादत - साझी विरासत संदर्भित जिले में संग्रहालय भवन निर्माण किया जाय, 52 कोठरी 53 द्वार को जीर्णोद्धार करे सरकार : किरण देव यादव

खगड़िया। देश बचाओ अभियान व धरोहर विरासत बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि साझी शहादत साझी विरासत के सवाल को लेकर 23 मार्च 2024 को शहीदे आजम भगत सिंह के शहादत दिवस पर विधानसभा एवं मुख्यमंत्री के समक्ष गर्दनीबाग में देश बचाओ अभियान एवं धरोहर विरासत बचाओ अभियान के बैनर तले राज्य स्तरीय धरना प्रदर्शन सभा किया जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि पुरानी पटना संग्रहालय के अस्तित्व को बचाने एवं खगड़िया जिला के 52 कोठरी 53 द्वार सहित बिहार के सभी धरोहर विरासत को जीर्णोद्धार करने, पर्यटन स्थल बनाने, पुरातत्व सामग्री को अक्षुण्ण रखने, म्यूजियम का स्वायत्तता कायम रखने, निजीकरण पर रोक लगाने, स्वतंत्र कमेटी म्यूजियम संचालन निगरानी समिति बनाने, बिहार म्यूजियम में पटना म्यूजियम से ले गई पुरातत्व सामग्री को वापस स्थापित करने, 542 करोड रुपए की लागत से बनाई जा रही महत्वाकांक्षी योजना के तहत सुरंग एवं आर्ट गैलरी बनाने के नाम पर अंग्रेज जमाने के सुंदर भव्य इमारत को तोड़ने-क्षतिग्रस्त करने पर रोक लगाने, म्यूजियम में सभी पांडुलिपि ताम्रपत्र पुरातत्व सामग्री का कैटलॉग बनाने, सूचीबद्ध करने, पटना संग्रहालय के सामग्रियों का कथित तस्करी का सीबीआई से जांच करने, महापंडित राहुल सांकृत्यायन के दुर्लभ पांडुलिपि का हिंदी अनुवाद करने, खगड़िया जिला सहित सभी जिला में संग्रहालय भवन निर्माण करने, अलौली गढ़, अघोरी स्थान, कसरैया धार, चंदबा डीह, पीरनगरा का कुआं, कात्यायणी मंदिर, सन्हौली दुर्गा स्थान को पर्यटन स्थल का दर्जा देने एवं धरोहर विरासत को संरक्षण संवर्धन सर्वांगीण विकास करने आदि सवालों को लेकर 23 मार्च 2024 को शहीदे ए आजम भगत सिंह के शहादत दिवस पर गर्दनीबाग पटना में मुख्यमंत्री व विधानसभा के समक्ष धरना प्रदर्शन सभा किया जाएगा।

उक्त निर्णय संपर्क कार्यालय खगड़िया में अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव के अध्यक्षता में अभियान के उपाध्यक्ष अधिवक्ता डॉक्टर कमल किशोर यादव, संयोजक मधुबाला, महासचिव उमेश ठाकुर, सचिव धर्मेंद्र कुमार, संयुक्त सचिव लालमणि सदा, कोषाध्यक्ष कालेश्वर ठाकुर, राम सुचित पासवान, तितली भारती, चंद्रशेखर मंडल, जितेंद्र कुमार, प्रवक्ता दिनेश शाह, गुड्डू ठाकुर आदि ने धरोहर बचाओ, विरासत बचाओ, इतिहास बचाओ, मानवता बचाओ, देश बचाओ, नारों को बुलंद किया।

समाजसेवी किरण देव यादव ने कहा कि साझी शहादत के यादों में तथा साझी विरासत को अक्षुण्ण रखने हेतु सभी जिले में म्यूजियम भवन निर्माण किया जाय। ताकि भवन में क्षेत्रीय पुरातत्व सामग्री को समाहित करने एवं शहीदों का प्रतिमा स्थापित किया जा सके।

उक्त आंदोलन में पूरे बिहार के सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, इतिहासकार, लेखक, कवि, पत्रकार, पुरातत्ववेत्ता, अधिवक्ता आदि से अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया।

कुख्यात प्रमोद ततमा को पुलिस ने किया शंकरपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार

● गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर अपराधी की फायरिंग, बाल बाल बचे पुलिस

● गिरफ्तार अपराधी के पास से एक देशी कट्टा और 5 जिंदा कारतूस हुआ बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा कोसी के टॉप 10 की सूची में सामिल कुख्यात प्रमोद ततमा को शंकरपुर थाना क्षेत्र के बरियाही गांव से पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई। बताया गया कि गिरफ्तार अपराधी पर एक दर्जन से अधिक अपराधिक मामले दर्ज है। वही पुलिस ने एक देशी कट्टा और 5 जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। बता दें कि गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस पर कुख्यात अपराधी प्रमोद ततमा ने पुलिस पर फायरिंग भी की हालांकि बाल बाल शंकरपुर पुलिस बच गए। दरअसल आगामी लोक सभा चुनाव के मद्देनजर मधेपुरा एसपी संदीप सिंह के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्र में अपराधियों पर नकेल कसने हेतु लगातार लंबित कांड में सामिल अपराधियों की धर पकड़ हेतु छापेमारी अभियान चल रहा है इसी क्रम में शुक्रवार देर शाम कुख्यात प्रमोद ततमा को पुलिस ने शंकरपुर के बारयाही गांव से गिरफ्तार करने में अहम सफलता पाई है। एएसपी प्रवेंद्र भारती के मुताबिक बताया जा रहा है कि बीते दिनों जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र स्थित मीरगंज चौक पर ड्यूटी से घर जा रहे एक चौकीदार पर गोली चला कर प्रमोद ततमा बाइक लूट कर फरार हो गया था लेकिन पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बाइक भी शंकरपुर थाना क्षेत्र से हीं बरामद कर लिया। वहीं पुलिस के मुताबिक कोसी के टॉप 10 लिस्ट में सामिल कुख्यात प्रमोद ततमा की गिरफ्तारी से अपराध पर अंकुश लगेगा पुलिस इसे बड़ा उपलब्धि भी मान रही है।

बीएनएमयू कुलसचिव से मिलकर आइसा प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा मांग पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा छात्रहितों के विभिन्न मुद्दों को लेकर बीएनएमयू के कुलसचिव से मिलकर राष्ट्रीय परिषद सदस्य सह विश्वविद्यालय अध्यक्ष आइसा अरमान अली के नेतृत्व में गहन वार्ता हुई एवं 6 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। जिसमें पैट- 2021 के पीएचडी कोर्स वर्क एग्जाम- 2021 का परीक्षा फॉर्म अभिलंब भराया जाए एवं जल्द परीक्षा लिया जाए। बीएनएमयू में गरीब एवं मेधावी शोधार्थियों के लिए स्कॉलरशिप की शुरूआत किया जाए। स्नातकोत्तर (सत्र- 2022-24) द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम अभिलंब जारी किया जाए। एम.एड एंट्रेंस टेस्ट (एम ई टी - 2023) का आयोजन अभिलंब किया जाए। बीएनएमयू में छठा दीक्षांत समारोह का आयोजन जल्द किया जाए। बीएनएमयू के एकमात्र सरकारी शिक्षा शास्त्र विभाग (सी ई टी - सहरसा) की मान्यता पुनः बहाल किया जाए। राष्ट्रीय परिषद सदस्य सह आइसा विश्वविद्यालय अध्यक्ष अरमान अली ने कहा बीएनएमयू के सभी अधिकारी सिर्फ अपने पद की खानापूर्ति ना करें, छात्रों के लिए तत्पर रहें एवं हमेशा छात्रहित में सकारात्मक निर्णय ले। बीएनएमयू अंतर्गत एकमात्र सरकारी शिक्षा शास्त्र विभाग सीईटी सहरसा में विगत कुछ वर्षों से नामांकन ना होना कोशी जैसे पिछड़े इलाकों के वंचित, शोषित, दलित समाज के छात्रों के साथ एक धोखा है। अधिकारियों के अनदेखी एवं लापरवाही की वजह से पूरे 100 सीटों पर नामांकन कई सालो से बंद है। साथ ही अध्यक्ष अरमान अली ने कहा विगत कुछ दिनों से बीएनएमयू प्रशासन पूरे तानाशाही रवैया अपना रही है एवं दबाव में सभी फैसले ले रही है जो अति निंदनीय है। बीएनएमयू प्रशासन नियम-अधिनियम के तहत सभी फैसले ले एवं छात्रहित में काम करें अन्यथा छात्र संगठन आइसा बीएनएमयू में आर-पार की लड़ाई लड़ेगी एवं बीएनएमयू में चरणबद्ध आंदोलन करेगी। मौके पर आइसा नेता एजाज अख्तर, विश्वविद्यालय मीडिया प्रभारी रजकिशोर राज, दीपक कुमार, विशाल राज, संतोष कुमार सियोटा, अहकम आदिल, राहुल कुमार, अजय कुमार, भितेश कुमार, विकास कुमार आदि सभी मौजूद थे।

पक्षी महोत्सव नागी में अभी मैं 'जिन्दा हूं' गौरैया फोटो प्रदर्शनी का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई। जिले के नागी स्थित बर्ड सेंचूरी में शनिवार को शुरू हुए में तीन दिवसीय नागी पक्षी महोत्सव 2024 (17से 19 फरवरी) में बिहार की राजकीय पक्षी और हमारे घर आँगन से विलुप्त होती गौरैया के संरक्षण को लेकर ह्यअभी मैं जिन्दा हूं गौरैयाह्व, फोटो, नेस्ट और दाना घर की प्रदर्शनी हमारी गौरैया और इन्वायरमेंटल वारियर्स पटना के द्वारा लगायी है। जमुई वन प्रमंडल,पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित नागी पक्षी महोत्सव में प्रदर्शित गौरैया प्रदर्शनी के उद्देश्य पर गौरैया संरक्षण में वर्षो से सक्रिय संजय कुमार और निशांत रंजन ने बताया कि मकसद है लोगों को जागरूक करना। प्रदर्शनी में संजय कुमार द्वारा खींची गई गौरैया की विभिन्न अदाओं की जीवंत तस्वीरें प्रदर्शित की गई। साथ ही विभिन्न तरह के घोंसले प्रदर्शित है। मौके पर निशांत रंजन ने ह्लगौरैया का संरक्षण क्योंह्व के बारे में लोगों से संवाद किया। उन्होंने बताया कि गौरैया और इंसान के बीच 8 लाख साल पुराना सम्बन्ध हैं। आज इंसानों कि वजह से ही घर आँगन की गौरैया गायब यानि विलुप्त हो चली है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में बढ़ता आवासीय संकट, आहार की कमी, खेतों में कीटनाशक का व्यापक प्रयोग,जीवनशैली में बदलाव, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, शिकार, बीमारी आदि शामिल है,ऐसे में हमें कोशिश करनी होगी और गौरैया की घर वापसी करवानी होगी।उन्होंने बताया कि हर ओर गौरैया को बचाने की पहल हो रही है। प्रदर्शनी के दौरान हमारी गौरैया और इन्वायरमेंटल वारियर्स की दीपा नायक, शानू कुमार राज और नवनीत निगम ने लोगों को बताया कि गौरैया की घर वापसी के लिए घर आँगन, बालकोनी, छत और खुले में दाना-पानी रखें और घोंसला व पेड़ भी लगाएं। इसी के मद्देनजर प्रदर्शनी भी लगी है। गौरैया के लिये विभिन्न तरह के कृत्रिम नेस्ट (घोंसला), दाना घर और अन्य जानकारी दी जा रही है।

39 लीटर विदेशी शराब और गांजा के साथ कारोबारी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

पतरघट/सहरसा। जिले के पतरघट ओपी पुलिस ने क्षेत्र में शराब कारोबारी के खिलाफ छापेमारी कर भारी मात्रा में विदेशी शराब सहित कारोबारी को किया गिरफ्तारी, एक तरफ सरकार के द्वारा दावे किया जा रहा है प्रदेश में संपूर्ण शराबबंदी चल रहा है लेकिन दूसरी तरफ कारोबारी भी अपने करतूत से बाज नहीं जा रहा है, प्राप्त जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर पुअनि नीरज कुमार व अन्य पुलिस जवान के सहयोग से जम्हरा पंचायत स्थित वार्ड नंबर 13 निवासी विनय कुमार यादव पिता स्वर्गीय कपिलेश्वर यादव के मकान के छत के छज्जा पर से चार कार्टून एवं एक खुला कार्टून में विदेशी शराब का कुल मात्रा 104 बोतल 375`' का बरामद किया है। जिसका कुल मात्रा 39 लीटर जप्त किया। वही दूसरा व्यक्ति बिशनपुर हाट के समीप विमल कुमार पिता ब्रह्मदेव शाह सकीम कमलजरी वार्ड नंबर 10 के निवासी को 5 लीटर देसी शराब झोला में रखकर पकड़या गया वही संध्या गस्ती के क्रम गुप्त सूचना के आधार पर कहरा मोर के पास से अमरेंद्र सिंह पिता स्वर्गीय बलभद्र सिंह एवं सुमन सिंह पिता अमरेंद्र सिंह दोनों का साकिब बिशनपुर वार्ड नंबर 1 के पास से मदन पदार्थ गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया , इस बावत ओपी अध्यक्ष अजय कुमार पासवान ने बताया की ओपी क्षेत्र में शराब तस्कर के उपर सघन छापेमारी कर कार्यवाही की जा रही है ,क्षेत्र मे शराब कारोबारी किसी भी सूरत मे नही होने देंगे, पकड़े गए तीनों कारोबारी के ऊपर मध्य निषेध अधिनियम के तहत विधि संवत कार्रवाई करते हुए नियाईक हिरासत सहरसा भेज दी गई है।

जननायक कर्पूरी ठाकुर स्मृति समारोह का हुआ आयोजन

● ईमानदारी एवं सरलता की प्रतिमूर्ति थे जननायक : कुलपति

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा में शनिवार को जननायक कपूर्री ठाकुर स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम अतिथिशाला स्थिति जननायक कपूर्री प्रतिमा स्थल (प्रस्तावित) पर पुष्पांजलि की गई। तदुपरांत केन्द्रीय पुस्तकालय सभागार, प्रशासनिक परिसर (ओल्ड परिसर) में परिचर्चा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. बी. एस. झा ने कहा कि कपूर्री ठाकुर ईमानदारी एवं सादगी की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की पहचान उसके चरित्र से होती है। उसके कपड़े से नहीं होती है। उन्होंने कहा कि कपूर्री ठाकुर मनसा, वाचा एवं कर्मना समाजवादी थे। उन्होंने कभी भी परिवारवाद को बढ़ावा नहीं दिया। उन्होंने किसी विशेष जाति या वर्ग के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज एवं राष्ट्र के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि कपूर्री ठाकुर का संपूर्ण जीवन हमारे लिए एक आदर्श है। उनके विचारों एवं कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है। हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं, यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कुलपति ने कहा कि मधेपुरा समाजवाद एवं सामाजिक न्याय का की धरती है। उनका यह सौभाग्य है कि उन्हें इस महान धरती पर महामना भूपेंद्र नारायण मंडल के नाम पर विश्वविद्यालय की सेवा का अवसर मिला है। इसके लिए वे महामहिम राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर एवं माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आभारी हैं। वे इस विश्वविद्यालय में भूपेंद्र नारायण मंडल एवं कपूर्री ठाकुर के विचारों को आगे बढ़ाने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

कुलपति ने कहा कि वे सभी कार्य नियम-परिनियम के अनुरूप समयबद्ध रूप में करने की हरसंभव कोशिश करेंगे। इसमें सभी पदाधिकारियों, संकायाध्यक्षों विभागाध्यक्षों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का सकारात्मक सहयोग अपेक्षित है। सबों को मिलकर इस विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाना है और सरकार एवं समाज की अपेक्षाओं को पूरा करना है।डीएसडब्ल्यू प्रो. नवीन कुमार ने कहा कि हम सबों को मिलकर कपूर्री ठाकुर के विचारों एवं कार्यों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। पार्वती विज्ञान महाविद्यालय, मधेपुरा के प्रधानाचार्य सह सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ. परमानंद यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक माहौल बनाना ही कपूर्री ठाकुर के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पूर्व कुलसचिव प्रो. शचीन्द्र ने कहा कि कपूर्री ठाकुर आम जनता से जुड़े जमीनी नेता थे। वे समाजवाद को जीते थे। अभिषद् सदस्य डॉ. जवाहर पासवान ने कहा कि जो समाज के लिए कार्य करते हैं, उन्हें देर-सबेर सम्मान अवश्य मिलता है।

विषय प्रवेश करते हुए कुलपति के निजी सहायक शंभू नारायण यादव ने कहा कि कपूर्री मात्र पिछडों के नेता नहीं थे, बल्कि वे पूरे समाज एवं राष्ट्र के नेता थे। अतिथियों का स्वागत कुलसचिव प्रो. मिहिर कुमार ठाकुर ने कहा कि विश्वविद्यालय में कपूर्री ठाकुर की प्रतिमा भूपेंद्र नारायण मंडल की प्रतिमा के सामने लगाई जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन मधेपुरा यूथ एसोसिएशन (माया) राहुल यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन उपकुलसचिव स्थापना डॉ. सुधांशु शेखर ने किया।

इस अवसर पर विकास पदाधिकारी डॉ. ललन प्रसाद अद्री, डॉ. अंकेश गोप, सुधांशु कुमार, अरमान अली आदि उपस्थित थे।

गम्हरिया में तीन दिवसीय दंगल प्रतियोगिता का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

सौरबाजार/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र के मां सरस्वती मेला मैदान गम्हरिया में सरस्वती पूजा के अवसर पर तीन दिवसीय दंगल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कुश्ती दंगल का उद्घाटन कुश्ती प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि यूरोसर्जन गंगोत्री मेमोरियल हॉस्पिटल मधेपुरा सह लॉर्ड बुद्धा कोशी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल सहरसा के डॉ निरज कुमार ने फीता काटकर किया। संबोधित करते हुए डॉक्टर कुमार ने कहा कि कुश्ती से सिर्फ न शारीरिक विकास होता है। बल्कि मानसिक विकास के साथ आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। कुश्ती की पारंपरिक कला को सहेजने के लिए वर्तमान परिवेश में युवाओं को आगे आने की जरुरत हैं। ताकि इसे विलुप्त होने से बजाया जा सके। इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, बनारस, बिहार एवं स्थानीय पहलवानों नें अपना दबदबा कायम कर दूसरे राउंड में प्रवेश किया। दूसरे दिन एक सौ सें अधिक पहलवानों ने अपना दमखम दिखाया। इस दंगल प्रतियोगिता में 50 पहलवानों की टीम ने हिस्सा लिया। इस दौरान कुश्ती देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग जुटे। कमेटी की ओर से पुरुष पहलवान की कुश्ती दिखाने के लिए प्रोजेक्ट भी लगाया गया। कार्यक्रम में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिक संख्या में पुलिस जवान तैनात किए गए थें। बैजनाथपुर पुलिस शिविर प्रभारी अरमोद कुमार सदर बल के साथ गस्ती करते नजर आए। दर्शकों की भीड़ विजेता घोषित होने की प्रतीक्षा में शोर मचा रही थी। मौके पर मेला समिति के सदस्यगण का भरपूर सहयोग रहा।

पूर्णिया प्रमंडल की राजद लोकसभा प्रभारी बनी कुमारी विनीता भारती

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा महिला राजद की प्रदेश अध्यक्ष ऋतू जायसवाल ने बिहार राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के विचारों उपरांत लोकसभा चुनाव को देखते हुए प्रमंडल स्तर पर लोकसभा प्रभारी की सूची जारी की। जिसमें मधेपुरा की राजद नेत्री सह बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष कुमारी विनीता भारती को पूर्णिया प्रमंडल की प्रभारी बनाई गई है जिसके उपरांत महिला राजद की महिलाओं ने कुमारी विनीता भारती को बधाई दी। राजद महिला प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्णिया प्रमंडल लोकसभा प्रभारी कुमारी विनीता भारती ने कही की मैं लागातार पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रयासरत हूँ। पार्टी को बूथ स्तर तक कैसे मजबूत करना है इसके लिए लागातार कोशी - सीमांचल सहित मधेपुरा में कार्य करती रहती हूँ। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लालू प्रसाद यादव, युवा दिलों की धड़कन पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव व महिला प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती ऋतू जायसवाल जी का विशेष आभार है कि लागातार मुझ पर भरोसे जताने का कार्य करते आ रही है। मुझे पहले भी संगठन को मजबूत करने के लिए कोशी - सीमांचल का प्रभारी बनाया गया था तब भी मैंने अपने पार्टी को अपना सब कुछ परिवार से भी बढ़कर सभी सातो जिला का दौरा कर पार्टी को मजबूत करने का कार्य की थी।

सिद्धांत विहीन राजनीति के दौर में कुर्सी के लिए अंधे हो गए देश के नेता : किशोर कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर जिला नई संघ सहरसा द्वारा आयोजित कार्यक्रम सहरसा के सिमराहा में शामिल होते हुए पूर्व विधायक किशोर कुमार ने कहा कि कपूर्री जी का जीवन उच्च आदर्शों और सिद्धांतों पर आधारित था, जिस वजह से आज भी हम उन्हें जननायक के नाम से याद करते हैं। लेकिन दुख होता है कि आज उनके नाम पर राजनीति हो रही है और उनके आदर्शों को परे धकेल दिया गया है। किशोर कुमार ने उक्त बातें भारत रत्न कपूर्री ठाकुर जी को श्रद्धांजलि देते हुए कही।कार्यक्रम की अध्यक्षता सभापति तारनी ठाकुर जी ने किया तथा संचालन शिवशंकर ठाकुर ने किया। उन्होंने कहा कि सिद्धांत विहीन राजनीतिक इस दौर में देश के नेता कुर्सी के लिए अंधे हो गए हैं और वह जनता और लोकतंत्र का मखौल बना रहे हैं। किशोर कुमार ने कहा कि जिस लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए कपूर्री ठाकुर जी जैसे महान आत्माओं ने संघर्ष किया, अगर वह आज के उसके कारण आज भी ट्रेनों में भरकर भीड़ मजदूरी के लिए दूसरे प्रदेश जाते हैं। अब तो अपनी आजीविका के लिए लोग गलत तरीके से भी विदेश जाने लगे हैं। अस्पताल सिर्फ कागजी आंकड़ों के लिए बने हैं वहां गरीबों का इलाज संभव नहीं। गरीबी की मार इतनी की दिल्ली एम्स समेत दूसरे प्रदेशों के अस्पताल में बिहार के लोग जान बचाने के लिए भर्ती होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भ्रष्टाचार के बगैर आम लोगों का कोई कार्य पंचायत प्रखंड थाना जिला आदि में हो ही नहीं सकता। पटना का सचिवालय रिश्वत का अड्डा बन चुका है। मंत्रिमंडल के सदस्य इसमें पूरी तरह से लिप्त हैं। एक और जहां आम लोगों का जीवन तवा है वहीं दूसरी ओर विधायक सांसद और अधिकारियों की अकूत संपत्ति दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।सूबे में अपराध हत्या और लूट चरम पर है। भूमि माफिया बालू माफिया को सरकार का संरक्षण प्राप्त है।उन्हें पुलिस पर भी गोली चलाने से परहेज नहीं है। इस हकीकत को आज जनता रोज जीती है लेकिन चुनाव के वक्त आप सबकुछ भूलकर अपने जाति और धर्म के नेता को चुनते है तो फिर वे अपने बच्चों के बारे में क्यों सोचेंगे।उन्माद और जाति से निकलिए। आज इससे निकलने की सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि सिद्धांत और जन सरोकार की राजनीति के प्रति कपूर्री ठाकुर जी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब उनके सपनों का बिहार बनाया जा सकेगा। आइए इस अवसर पर हम लोग मिलकर इसके लिए संकल्प लें की। आने वाले सभी चुनाव में लोकतंत्र की हत्या करने वाले नेताओं को नहीं चुनना है। उपस्थितः- अध्यक्ष विजेंद्र ठाकुर, उपाध्यक्ष रविंद्र ठाकुर, सचिव शिव शंकर ठाकुर, मिथिलेश ठाकुर, रामचंद्र ठाकुर, संजय ठाकुर, पवन ठाकुर, दिलीप भारती, देवेंद्र ठाकुर, गणेश ठाकुर, श्री राम जी ठाकुर, कमल किशोर यादव, रणधीर कुमार ठाकुर, आमोद ठाकुर, दीपक ठाकुर, वीरेंद्र ठाकुर, विजय ठाकुर, गंगा ठाकुर, रामप्रसाद ठाकुर, पारस ठाकुर, सुधीर ठाकुर, मोहन ठाकुर, रूपेश, रिंकू देवी, रंजू देवी, अमेरिका देवी, दयामणि देवी, रंजन देवी, कुमार विक्रम, कुमार दिलखुश, विपिन ठाकुर, हरदेव ठाकुर आदि उपस्थित।

कर्पूरी छात्रावास के फर्जी नामांकित छात्रों के ऊपर मुकदमा दर्ज के लिए पदाधिकारी को दिया आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा । जननायक कपूर्री ठाकुर छात्रावास में नामांकन की सूची में शामिल दर्जनों छात्रों के द्वारा फर्जी नामांकन रशीद की कॉपी लगाई गई हैं। जिस पर विभाग के द्वारा बिना कॉलेज जाँच किए बगैर नामांकन सुनिश्चित करना धांधली को दशार्ता है। छात्रावास के नायक खुद मधेपुरा में नामांकित है लेकिन रशीद कही और का लगाए है। जो अवैध हैं। इतना ही नहीं अपने कई साथी का भी मोटी रकम लेकर के फर्जी रसीद बनाकर के विभाग के छात्रावास अधीक्षक उज्जवल कुमार से मीलिभगत करके इस धांधली को अंजाम दिया। छात्रावास में नामांकन के लिए कुल 100 सीट में अब तक केवल फर्जी छात्र सहित 97 का ही नामांकन क्यों हुआ है ? छात्रावास से चावल अवैध रूप से बेच दिया जाता है विभाग कोई कारवाई नहीं करती क्यों ? नामांकन सूची निकाली गई लेकिन उस पर विभागीय अधिकारी का हस्ताक्षर क्यों नहीं हुआ था? छात्रों को समय पर प्रत्येक महीना खाधान्य व छात्रवृत्ति की राशि समय पर नहीं मिलती है। बिहार सरकार पूरे बिहार में संचालित छात्रों के लिए मेस की सुविधा उपलब्ध करवाती है लेकिन यहाँ बिना निविदा के ही मेस का संचालन क्यों हो रहा है। आखिर विभाग किसके दबाब में इस धांधली को अंजाम दे रही है। इसका निविदा क्यों नहीं निकाला गया। उन सभी फर्जी छात्रों की नामांकन रशीद कॉलेज जाकर के चेक करवाई जाए साथ ही चावल गबन, अवैध रूप से मेस का संचालन, पीने के पानी में आयरन का होना इन सभी मामलों पर गहन रुप से जाँच करते हुए एक सप्ताह के अंदर कारवाई की जाए अन्यथा चरणबद तरीके से आंदोलन की जाएगी। आवेदन देने वाले में रवि कुमार, निखिल कुमार,सत्यम कुमार, नितीश कुमार ने कारवाई की मांग की।

सम्मान समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा के वैसे विद्यार्थी, जो नेट-यूजीसी परीक्षा दिसंबर -2023 में सफल हुए हैं, उन्हें शनिवार को केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. बी. एस. झा ने कहा कि शिक्षा से ही मानव जीवन में परिवर्तन आ सकता है। इसलिए विद्यार्थियों का यह सबसे बड़ा धर्म है कि वे विद्यार्जन पर ध्यान दें।उन्होंने कहा कि सभी लोगों में जन्मजात प्रतिभा नहीं होती है। प्रतिभा को अर्जित करना पड़ता है। कई बार अवसर देने से योग्यता आती है। उन्होंने कहा कि बीएनएमयू के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। सब समुचित मार्गदर्शन एवं उपयुक्त अवसर उपलब्ध कराने की जरूरत है। उन्होंने नेट-जेआरएफ उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धियों से विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएसडब्ल्यू प्रो. नवीन कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री व्यावसायिक पाठ्यक्रम मार्गदर्शन एवं उत्प्रेरणा केंद्र द्वारा आयोजित किया गया। इस केंद्र का उद्देश्य उच्च शैक्षणिक संस्थानों में शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति में पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग की भागीदारी बढ़ाना है। सरकार का यह प्रयास अत्यंत ही सराहनीय है और विद्यार्थियों को इसका अधिकाधिक लाभ लेने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में विद्यार्थियों को इनईटी, जीएटीई, जेआरएफ, पीएचडी आदि प्रतियोगिता परीक्षाओं में चयनित होने के लिए परीक्षा पूर्व निशुल्क प्रशिक्षण (कोचिंग) की व्यवस्था है। इससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर बनाने में मदद मिलेगी। विशिष्ट अतिथि सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ने उन्होंने कहा कि केंद्र में सीटों की संख्या सीमित है। इसलिए जो छात्र भी नामांकित हुए हैं, उनकी जिम्मेदारी है कि वे नियमित रूप से कक्षा आएं। सभी विद्यार्थी पूरे लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करें और केंद्र में मौजूद सुविधाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

सम्पादकीय

अहम है लोकतंत्र के लिए

इलेक्ट्रॉल बॉन्ड योजना शुरू से विवादास्पद थी। जो अनुभव रहा, उससे इसके खिलाफ आरंभ ही कही गई बातें लगातार ठोस साबित होती गईं। इनके बीच यह तर्क महत्त्वपूर्ण था कि असीमित और गुप्त राजनीतिक चंदा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के तकाजे के खिलाफ है। इलेक्ट्रॉल बॉन्ड योजना को रद्द कर सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में बड़ा योगदान किया है। यह योजना शुरू से विवादास्पद थी। जो अनुभव रहा, उससे इसके खिलाफ आरंभ ही कही गई बातें लगातार ठोस साबित होती गईं। इनके बीच दो तर्क महत्त्वपूर्ण थे- पहला यह कि असीमित और गुप्त राजनीतिक चंदा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के तकाजे के खिलाफ है। दूसरी दलील यह थी कि इलेक्ट्रॉल बॉन्ड योजना में शामिल प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत मिले सूचना के अधिकार का उल्लंघन हैं। इन दोनों ही तर्कों को अब सुप्रीम कोर्ट ने वाजिब ठहराया है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि गुप्त चंदे का प्रावधान सूचना के अधिकार के खिलाफ है। इस प्रावधान के तहत एक और आपत्तिजनक बात यह रही है कि चंदा देने वाली कंपनियों की पहचान आम जन से तो छिपी रहती है, लेकिन सरकार को यह सब मालूम रहता है कि कौन किसको कितना चंदा दे रहा है। इससे इस आरोप को बल मिला कि कंपनियों के लिए विपक्षी दलों को चंदा देना जोखिम भरा हो गया है। तमाम उपलब्ध आंकड़ों से इस बात की लगातार पुष्टि हुई है कि इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स के तहत दिए गए चंदे का अधिकांश हिस्सा सत्ताधारी दल को गया है। कोर्ट ने उचित ही यह कहा कि राजनीति चंदे के जरिए दाताओं की सत्ता के हलकों तक पहुंच बनती है। इस पहुंच से नीति निर्माण के प्रभावित होने का अंदेशा पैदा हो जाता है। सार्वजनिक दायरे में ये धारणा भी गहराई है कि वर्तमान सरकार और कुछ कॉरपोरेट घरानों के बीच ऐसे अंतःसंबंध बन गए हैं, जिनसे देश की महत्त्वपूर्ण नीतियां प्रभावित हो रही हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का इस योजना को संचालित करने वाले भारतीय स्टेट बैंक को दिया गया यह आदेश अत्यंत महत्त्वपूर्ण है कि वह इस योजना के तहत पार्टियों को मिले चंदे की पूरी जानकारी निर्वाचन आयोग को दे। आयोग को उसे अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करना होगा। इस तरह अब उम्मीद है कि इस योजना का पूरा सच सामने आ जाएगा।

कांग्रेस में जिन्हे सब कुछ मिला वे छोड़ रहे!

आमतौर पर किसी नेता के पार्टी से नाराजगी का कारण यह होता है कि पार्टी ने उसे कुछ नहीं दिया। लेकिन कांग्रेस में इसका उलटा होता है। कांग्रेस में जिन लोगों को सब कुछ मिलता है वे ही नाराज होते हैं। पिछले एक दशक में यानी जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनी है तब से कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की सूची पर नजर डालेंगे तो दिखाई देगा कि पार्टी ने जिन लोगों को मुख्यमंत्री बनाया, केंद्र में मंत्री बनाया और संगठन में बड़े पद दिए उन लोगों ने ही पार्टी छोड़ी। इनमें अनेक लोग ऐसे हैं, जो योग्य नहीं थे लेकिन पार्टी नेतृत्व के साथ नजदीकी या परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि या विदेश में पढ़ाई लिखाई की वजह से ऊंचे पदों पर आसीन हुए और जब कांग्रेस कमजोर हुई तो पार्टी छोड़ कर मजबूत पार्टी की ओर चले गए, जहां से कुछ हासिल हो सकता है। पिछले एक दशक में कांग्रेस के एक दर्जन पूर्व मुख्यमंत्रियों ने पार्टी छोड़ी है। सोचें, राजनीति में प्रधानमंत्री के बाद दूसरा सबसे अहम पद मुख्यमंत्री का होता है और कांग्रेस ने जिन योग्य या अयोग्य लोगों को मुख्यमंत्री बनाया उनमें से 10 ने पार्टी छोड़ दी। ताजा मामला अशोक चव्हाण का है, जिनको कांग्रेस ने दो बार मुख्यमंत्री बना कर देश की वित्तीय राजधानी यानी मुंबई में बैठाया। वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे और बाद में प्रदेश अध्यक्ष भी हुए लेकिन अब वे भाजपा में शामिल हो गए हैं। महाराष्ट्र के एक और पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे इन दिनों भाजपा में हैं। हालांकि उनको शिव सेना ने सीएम बनाया था। लेकिन जब वे शिव सेना छोड़ कर कांग्रेस मे आए तो पार्टी ने उनको कई बार मंत्री बनाया और विधान परिषद में भी भेजा। पंजाब के मुख्यमंत्री रहे कैप्टेन अमरिंदर सिंह भी कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में चले गए हैं। इस सदी के 24 बरसों में कांग्रेस को दो बार पंजाब में सरकार बनाने का मौका मिला और दोनों बार कांग्रेस ने अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री बनाया। पहली बार वे पूरे पांच साल रहे। उसके 10 साल बाद फिर कांग्रेस को मौका मिला तो वे सीएम बने और चार साल से ज्यादा समय तक रहे। लेकिन सीएम से हटाने के बाद ही वे पार्टी से अलग हो गए और फिर भाजपा में चले गए। इसी तरह कांग्रेस को दशकों बाद जम्मू कश्मीर में अपना मुख्यमंत्री बनाने का मौका मिला तो उसने गुलाम नबी आजाद को सीएम बनाया। वे अनेक बार केंद्र में मंत्री रहे। जहां तहां से राज्यसभा और लोकसभा लेकर संसद में पहुंचते रहे। पार्टी के बड़े पदाधिकारी रहे लेकिन कांग्रेस के कमजोर होते ही पाला बदल लिया। राहुल गांधी और पूरे नेतृत्व पर तरह तरह के आरोप लगाते हुए कांग्रेस छोड़ गए। कांग्रेस ने जिन नेताओं को मुख्यमंत्री और केंद्र में मंत्री बना कर हमेशा बड़े पद दिए उनमें एक एसएम कृष्णा भी हैं। वे कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे और केंद्र में विदेश मंत्री भी रहे। लेकिन कांग्रेस कमजोर हुआ तो वे भी बुढ़ापे में भाजपा में चले गए। विजय बहुगुणा को तो कांग्रेस ने सिर्फ इस आधार पर उत्तराखंड का मुख्यमंत्री बनाया था कि वे हेमवती नंदन बहुगुणा के बेटे थे और कोई जमीनी आधार नहीं रखते थे। लेकिन बाद वे भी पूरे परिवार के साथ भाजपा में चले गए। वाईएसआर रेड्डी जैसे दिग्गज के निधन के बाद कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में जो प्रयोग किए उसमें एक प्रयोग किरण रेड्डी को सीएम बनाने का भी था। लेकिन वे भी बाद में पार्टी छोड़ गए। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू को भी कांग्रेस ने मुख्यमंत्री बनाया था। गोवा के मुख्यमंत्री रहे तीन नेता- लुइजिन्हो फ्लेरियो, दिगंबर कामत और रवि नाईक कांग्रेस छोड़ कर जा चुके हैं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने अजित जोगी को पहला मुख्यमंत्री बनाया था और वे भी बाद में पार्टी छोड़ कर चले गए थे। केंद्रीय मंत्री रहे नेताओं की सूची तो और भी लंबी है। एक पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह अभी भाजपा की टिकट पर राज्यसभा भेजे जा रहे हैं।

चुनावी बॉन्ड असंवैधानिक

सर्वोच्च अदालत ने चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक और मनमाना करार दिया है। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 19 (1ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सूचना के अधिकार का उल्लंघन माना है। ये बॉन्ड चुनावी पारदर्शिता और मतदाता के अधिकार के भी खिलाफ हैं। मतदाता को राजनीतिक, चुनावी चंदे को जानने का अधिकार है। इनसे यह पता नहीं चलता कि चुनावी बॉन्ड क्यों खरीदे गए? एक निश्चित राजनीतिक दल को ही चंदा क्यों दिया गया? इनसे स्वतंत्र चुनावों की निष्पक्षता भी खतरे में पड़ जाती है। नतीजतन पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनावी बॉन्ड पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने का फैसला सुनाया है। अब भारतीय स्टेट बैंक को 12 अप्रैल, 2019 से आज तक बिके, भुनाए गए बॉन्ड्स का संपूर्ण ब्योरा 6 मार्च तक चुनाव आयोग को देना है। आयोग 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करेगा कि कितने बॉन्ड खरीदे गए और मूल्य कितना था? व्यक्ति, समूह और कॉरपोरेट कंपनी के एक-एक नाम का भी खुलासा करना होगा। चुनावी चंदे को लेकर जो गोपनीयता बरती जा रही थी अथवा दानदाता उनकी पहचान को छिपाने का आग्रह करते रहे थे, अब कुछ भी गोपनीय नहीं रहेगा। सभी बेनकाब होंगे। देश में आम चुनाव से करीब 100 दिन पहले संविधान पीठ का यह फैसला बेहद कड़ा और ऐतिहासिक है। दरअसल किसी भी दल को यह मुगालता नहीं पालना चाहिए कि संविधान पीठ ने भ्रष्टाचार के किसी गुप्त रहस्य को बेनकाब किया है। भ्रष्ट दानदाताओं और सरकार के बीच चंदे का कोई खेल जारी रहा है? न्यायिक पीठ ने किसी भ्रष्ट गतिविधि का रहस्योद्घाटन भी नहीं किया है, लेकिन चुनावी चंदे की गोपनीयता पर सवाल किए हैं। 2017 के बजट में चुनावी बॉन्ड की घोषणा की गई थी और 2018 में इस योजना को लागू किया गया। इससे पहले चुनावी चंदे की व्यवस्था यह थी कि 20, 000 रुपए तक का चंदा गोपनीय रखा जा सकता था। वह चंदा नकदी भी दे सकते थे अथवा चेक के जरिए भी दिया जाता था। दानदाताओं के नाम और चंदे की राशि सार्वजनिक करने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं थी। उस दौर में बहुत-सा काला धन ह्यसफेदह्न किया गया होगा! अब संविधान पीठ ने सार्वजनिक सूचना और खुलासे को लोकतंत्र की बुनियाद तथा समानता माना है, तो देश यह न्यायिक फैसला मानने को बाध्य है। अब यह खुलासा भी हुआ है कि तृणमूल कांग्रेस को करीब 97 फीसदी चंदा ह्यअज्ञात स्रोतोंह्न से प्राप्त हुआ है, जबकि कांग्रेस को करीब 72 फीसदी और भाजपा को 60 फीसदी से अधिक चंदा ह्यअज्ञात स्रोतोंह्न से मिला है। यह बेहद अहम सवाल है कि ये ह्यअज्ञात स्रोत कौन हैं?

भाजपा की घबराहट या रणनीति

उनको लग रहा है कि कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न देकर भाजपा अंतिम समय में अति पिछड़ा वोट आधार को साधने की राजनीति कर रही है। ऐसे लोग चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने और उनके पोते जयंत चौधरी की एनडीए में वापसी को भाजपा का डेस्परेट अटेम्प मान रहे हैं। तमिलनाडु के रहने वाले महान कृषि वैज्ञानिक व अर्थशास्त्री एमएस स्वामीनाथन और आंध्र प्रदेश के रहने वाले पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव को मरणोपरांत भारत रत्न देने को दक्षिण भारत में पैर जमाने की कोशिश के तौर पर देख जा रहा है। एक सामान्य नैरेटिव यह बना है कि मोदी ने कपूर्री ठाकुर के जरिए मंडल को, लालकृष्ण आडवाणी के जरिए मंदिर को, पीवी नरसिंह राव के जरिए मार्केट को और स्वामीनाथन व चौधरी चरण सिंह के जरिए मंडी को यानी किसानों को साधने का प्रयास किया है। यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि जब अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन हो गया और रामलला विराज गए और काशी व मथुरा का अभियान शुरू हो गया तो भाजपा को क्यों जयंत चौधरी की पार्टी राष्ट्रीय लोकदल की जरूरत है? यह सवाल भी है कि अगर बिहार में अति पिछड़ों के मसीहा रहे कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न दे दिया और गैर यादव पिछड़ा वोट भाजपा के साथ है तो फिर उसे नीतीश की जरूरत क्यों है? जब अजित पवार से तालमेल कर लिया तो मराठा वोट के लिए अशोक चव्हाण की क्यों जरूरत है?

अजीत द्विवेदी-
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले लोकसभा चुनाव को लेकर अति आत्मविश्वास में हैं या घबराहट में हैं? यह एक ऐसा सवाल है, जिसके जवाब को लेकर इस समय देश भर में बहस हो रही है। सोशल मीडिया ने ऐसी बहसों के लिए अच्छा प्लेटफॉर्म मुहैया कराया है। पारंपरिक मीडिया में चलने वाली एकतरफा चचाओं के बीच सोशल मीडिया में दोनों तरह के नैरेटिव के लिए जगह बनी है। एक तरफ ऐसा मानने वाले लोग हैं कि प्रधानमंत्री अति आत्मविश्वास में हैं इसलिए उन्होंने चार सौ पार का नारा दिया है। उन्होंने लोकसभा में खड़े होकर कहा कि देश की जनता भाजपा को 370 सीटें तो दे ही देगी और एनडीए को चार सौ के पार पहुंचा देगी। अपने इस भाषण से पहले ही उन्होंने अपने तीसरे कार्यकाल की बात शुरू कर दी थी और उसका एजेंडा तय करने लगे थे। यह विपक्ष के खिलाफ मनोवैज्ञानिक युद्ध की एक रणनीति भी हो सकती है लेकिन उन्होंने ऐसा भरोसा दिखाया है, जिससे विपक्ष का आत्मविश्वास निश्चित रूप से हिला होगा। इस भरोसे और चार सौ के पार के नैरेटिव के बीच एक दूसरा पक्ष है, जो भाजपा की ओर से किए जा रहे माइक्रो मैनेजमेंट को उसकी घबराहट के तौर पर देख रहा है। अनेक लोग ऐसे हैं, जो नीतीश कुमार को एनडीए में शामिल कराने के राजनीतिक घटनाक्रम को भाजपा की घबराहट या बेचैनी के रूप में देख रहे हैं। उनको लग रहा है कि कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न देकर भाजपा अंतिम समय में अति पिछड़ा वोट आधार को साधने की राजनीति कर रही है। ऐसे लोग चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने और उनके पोते जयंत चौधरी की एनडीए में वापसी को भाजपा का डेस्परेट अटेम्प मान रहे हैं। तमिलनाडु के रहने वाले महान कृषि वैज्ञानिक व अर्थशास्त्री एमएस स्वामीनाथन और आंध्र प्रदेश के रहने वाले पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव को मरणोपरांत भारत रत्न देने को दक्षिण भारत में पैर जमाने की कोशिश के तौर पर देख जा रहा है। एक सामान्य नैरेटिव यह बना है कि मोदी ने कपूर्री ठाकुर के जरिए मंडल को, लालकृष्ण आडवाणी के जरिए मंदिर को, पीवी नरसिंह राव के जरिए मार्केट को और स्वामीनाथन व चौधरी चरण सिंह के जरिए मंडी को यानी किसानों को साधने का प्रयास किया है। यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि जब अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन हो गया और रामलला विराज गए और काशी व मथुरा का अभियान शुरू हो गया तो भाजपा को क्यों जयंत चौधरी की पार्टी राष्ट्रीय लोकदल की जरुरत है? यह सवाल भी है कि अगर बिहार में अति पिछड़ों के मसीहा रहे कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न दे दिया और गैर यादव पिछड़ा वोट भाजपा के साथ है तो फिर उसे नीतीश की जरुरत क्यों है? जब अजित पवार से तालमेल कर लिया तो मराठा वोट के लिए अशोक चव्हाण की क्यों जरुरत है? देश भर में विपक्षी पार्टियों के नेताओं पर कार्रवाई या उनको तोड़ कर भाजपा में शामिल कराने या कर्नाटक से लेकर बिहार और उत्तर प्रदेश से लेकर आंध्र प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र तक के नए व पुराने सहयोगियों को एनडीए से जोडने की कवायद को भी इस रोशनी में देखा जा रहा है कि भाजपा में घबराहट है और वह अंतिम समय में इस तरह के उपाय कर रही है, जो कारगर नहीं भी हो सकते हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा, अमृत काल में भारत को विकसित बनाने, भारत के विश्व गुरू बनने, मोदी के मजबूत नेतृत्व, विपक्ष के भ्रष्ट होने के प्रचार, राममंदिर के उद्घाटन, अनुच्छेद 370 की समाप्ति और समान नागरिक संहिता के बावजूद भाजपा जिस तरह के छोटे छोटे प्रबंधन कर रही है उसको उसकी घबराहट के तौर पर देखा जा रहा है। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? क्या इस तरह के माइक्रो मैनेजमेंट को घबराहट माना जाना चाहिए या इसे पार्टी की रणनीति मान कर इसका विश्लेषण होना चाहिए? सोचें, प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के लिए चार सौ सीट का लक्ष्य घोषित कर दिया है तो क्या वह उसी तरह चुनाव लड़ कर हासिल हो जाएगा, जैसे पिछला चुनाव लड़ा गया था? नए लक्ष्य को हासिल करने के लिए नई तैयारियां करनी होती है, नई रणनीति बनानी होती है और यह काम सारी पार्टियां करती हैं। आखिर लगातार दो चुनावों में बुरी तरह से हारने के बाद ही तो राहुल गांधी को ख्याल आया कि पूरे देश की यात्रा करते हैं! सक्रिय राजनीति में आने के 18 साल के बाद राहुल सितंबर 2022 में पदयात्रा पर निकले थे। लगातार दो चुनाव हारने के बाद ही विपक्षी पार्टियों ने साथ मिल कर भाजपा से मुकाबला करने का फैसला किया था। पिछले साल मई-जून में विपक्षी पार्टियों ने भाजपा की नींद उड़ाई थी, जब कर्नाटक में कांग्रेस जीती और उसके बाद 26 पार्टियों ने एकजुट होकर फैसला किया कि भाजपा के हर उम्मीदवार के खिलाफ विपक्ष का एक उम्मीदवार उतारेंगे। उसके बाद ही भाजपा को अपनी चुनावी रणनीति में बदलाव करने की जरुरत पड़ी है। सो, यह सवाल बचकाना है कि जब राममंदिर हो गया या जब ये सारे काम हो गए तो इतने माइक्रो मैनजमेंट की क्या जरुरत है। इस तरह के सवाल हर बार पूछे जाते हैं, तब भी जब राज्यों के भी चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी अंधाधुंध सभाएं कर रहे होते हैं या एक एक राज्य में कई कई बार रैलियां करते हैं। लेकिन किसी भी मुकाबले का कोर सिद्धांत यह है कि जब लड़ें तो पूरी तैयारी और ताकत के साथ लड़ें। आधी अधूरी लड़ाई का कोई मतलब नहीं होता है। अगर किसी के पास संसाधन हैं या ताकत हैं तो उन्हें लड़ाई में झोंकना होता है। उसे बचा कर रखने का कोई तर्क नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी इस सिद्धांत से चुनाव में उतरते हैं। वे कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। जंग जीतने के लिए साम, दाम, दंड और भेद सबका इस्तेमाल करते हैं। इसलिए नरेंद्र मोदी की चुनावी राजनीति को निकट अतीत के इतिहास से समझने की जरुरत है। वे कोई भी चीज संयोग के भरोसे नहीं छोड़ते हैं। अपनी तरफ से सुनिश्चित करने की कोशिश करते हैं। हो सकता है इसमें कई बार विफलता भी मिली हो लेकिन इससे हर लड़ाई में अपना सब कुछ झोंकने की उनकी सोच नहीं बदलती है।

सोनिया गाँधी ने क्यों दिया रायबरेली को भावनात्मक संदेश

सोनिया गांधी के इस फैसले को लेकर सियासी उठापटक शुरू हो गई है। भाजपा ने सोनिया गांधी पर जहाँ तंज कसा है। वहीं कांग्रेस ने सोनिया गांधी के फैसले को पार्टी का अपना फैसला बताया है। कांग्रेस बेहद बुरे दौर से गुजर रही है। इंदिरा गांधी के जाने के बाद राजीव गांधी ने पार्टी को संभाला। राजीव की अनुपस्थिति में सोनिया गांधी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। लेकिन राहुल गांधी खरे उतरते नहीं दिख रहे हैं। दक्षिणपंथी विचारधारा की पोषक भारतीय जनता पार्टी में मोदी युग की शुरूवात के बाद कांग्रेस का विश्वास जनता में सिकुड़ता गया है। कमजोर कांग्रेस को मजबूत आधार दिलाने वाला कोई राजनेता नहीं दिख रहा है। प्रियंका गांधी से पार्टी समर्थकों से काफी उम्मीद थी, लेकिन उत्तर प्रदेश राज्य विधानसभा के चुनाव में उन्हें जो करिश्मा करना था वह नहीं कर पाई। ऐसी ऐसी स्थिति में सक्रिय राजनीति से सोनिया गांधी का अलविदा कहना कांग्रेस को किस दिशा में लेकर जाएगा यह कहना मुश्किल है। कांग्रेस आज भले कमजोर हो गई है, लेकिन कांग्रेस से अधिक लोगों को गांधी परिवार पर सबसे अधिक भरोसा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की रायबरेली परंपरागत सीट रही है। रायबरेली और अमेठी का नाम आते ही लोगों के सामने गांधी और नेहरू परिवार की तस्वीर तैरने लगती है। लेकिन कमजोर होती कांग्रेस ने अपनी बहु चर्चित लोकसभा सीट अमेठी को गंवा दिया।

प्रभुनाथ शुक्ल-
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

मैं अपने बच्चों को भीख मांगते देख लूंगी, परंतु मैं राजनीति में कदम नहीं रखूंगी। यह पीड़ा सोनिया गांधी की थी जो अपने पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को खोने के बाद कहा था। यह एक माँ और औरत की पीड़ा थी। क्योंकि राजीव गांधी को खोने के बाद सोनिया गांधी अकेली पड़ गयीं थीं। वह डरी और सहमी थीं क्योंकि पारिवारिक संघर्ष में वह अकेली थीं। उन्हें सबसे अधिक फिक्र दोनों बच्चों राहुल और प्रियंका गांधी के सुरक्षा की थी। जिसकी वजह से वह राजनीति में नहीं आना चाहती थीं। क्योंकि राजनीति की वजह से उन्होंने पति और सास को खोया था। जिसकी वजह से उन्हें राजनीति से घृणा हो गई थी।

गांधी परिवार के लिए दोनों घटनाएं बेहद दुःखद थी। लेकिन सोनिया गांधी का दृढ संकल्प उन्हें विषम परिस्थितियों में भी डिगने नहीं दिया। कांग्रेस को संभालने के लिए उन्हें अंतत राजनीति में आना पड़ा। लेकिन सोनिया गांधी लगता है अब सक्रिय राजनीति को अलविदा कह दिया है। खराब स्वास्थ्य के चलते अब वह चुनाव नहीं लड़ेंगी और राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस की सेवा करेंगी। उन्होंने रायबरेली की जनता के नाम एक भावनात्म चिठ्ठी भी लिखी है। सोनिया गांधी के इस फैसले के बाद रायबरेली की सीट क्या कांग्रेस के लिए सुरक्षित रह पाएगी या अमेठी की तरह उस पर भी भजपा का कब्जा हो जाएगा। सोनिया गांधी के इस फैसले को लेकर सियासी उठापटक शुरू हो गई है। भाजपा ने सोनिया गांधी पर जहाँ तंज कसा है। वहीं कांग्रेस ने सोनिया गांधी के फैसले को पार्टी का अपना फैसला बताया है। कांग्रेस बेहद बुरे दौर से गुजर रही है। इंदिरा गांधी के जाने के बाद राजीव गांधी ने पार्टी को संभाला। राजीव की अनुपस्थिति में सोनिया गांधी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। लेकिन राहुल गांधी खरे उतरते नहीं दिख रहे हैं। दक्षिणपंथी विचारधारा की पोषक भारतीय जनता पार्टी में मोदी युग की शुरूवात के बाद कांग्रेस का विश्वास जनता में सिकुड़ता गया है। कमजोर कांग्रेस को मजबूत आधार दिलाने वाला कोई राजनेता नहीं दिख रहा है। प्रियंका गांधी से पार्टी समर्थकों से काफी उम्मीद थी, लेकिन उत्तर प्रदेश राज्य विधानसभा के चुनाव में उन्हें जो करिश्मा करना था वह नहीं कर पाई। ऐसी ऐसी स्थिति में सक्रिय राजनीति से सोनिया गांधी का अलविदा कहना कांग्रेस को किस दिशा में लेकर जाएगा यह कहना मुश्किल है। कांग्रेस आज भले कमजोर हो गई है, लेकिन कांग्रेस से अधिक लोगों को गांधी परिवार पर सबसे अधिक भरोसा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की रायबरेली परंपरागत सीट रही है। रायबरेली और अमेठी का नाम आते ही लोगों के सामने गांधी और नेहरू परिवार की तस्वीर तैरने लगती है। लेकिन कमजोर होती कांग्रेस ने अपनी बहु चर्चित लोकसभा सीट अमेठी को गंवा दिया। राहुल गांधी को विषम राजनीतिक परिस्थितियों में नई सियासी जमीन तलाशने के लिए दक्षिण भारत से चुनाव लड़ना पड़ा। अब यह निश्चित हो गया है कि सोनिया गांधी राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करेंगीं। फिर सवाल उठता है क्या रायबरेली सीट कांग्रेस से हाथ से फिसल जाएगी। जबकि सोनिया गांधी स्वयं वहां से सांसद हैं। कांग्रेस के जो राजनीतिक हालात हैं उस स्थिति में राहुल गांधी क्या अमेठी एवं रायबरेली लौटेंगे। गांधी परिवार के लिए सबसे सुरक्षित सीट रायबरेली का फिर क्या होगा। क्या गांधी परिवार से उपेक्षित होने के बाद यह सीट अमेठी की तरह भाजपा के हाथ में चली जाएगी या फिर गांधी परिवार की राजनीतिक पहचान उत्तर प्रदेश से खत्म हो जाएगी। फिर क्या पार्टी प्रियंका गांधी या राहुल गांधी को रायबरेली से चुनावी मैदान में उतरेगी। हालांकि यह खबर भी आयी है की प्रियंका गांधी अमेठी और राहुल रायबरेली से चुनाव लड़ेंगे। राहुल गांधी क्या वायनाड को छोड़कर रायबरेली से अपना चुनावी भविष्य तय करेंगे। क्योंकि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए अब खोने के लिए कुछ नहीं बचा है। जबकि दक्षिण भारत में भाजपा अभी कमजोर स्थिति में है। उसे हालत में राहुल गांधी अगर वायनाड को बाय-बाय कर रायबरेली से अपना भाग्य आजमाते हैं तो दक्षिण के लिए गलत संदेश जाएगा और दक्षिण में कांग्रेस कमजोर होगी। ऐसी विषम परिस्थितियों में राहुल गांधी क्या रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय ले पाएंगे। सोनिया गांधी रायबरेली को अलविदा कहने के बाद वहां की जनता के नाम एक भावनात्मक चिठ्ठी लिखी है। चिठ्ठी में उन्होंने अपने खराब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र का हवाला दिया है। उन्होंने लिखा है कि हालांकि मुझे आपकी सीधे सेवा करने का अवसर नहीं मिलेगा, लेकिन मैं मन और प्राण से आपके साथ रहूंगी। रायबरेली की जनता के नाम सोनिया ने एक बहुत ही भावनात्मक लाइन लिखी हैं मुझे पता है कि आप भी हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसे संभाल लेंगे जैसे अब तक संभालते आए हैं। उन्होंने आगे अपनी बात में लिखा है कि दिल्ली में मेरा परिवार अधूरा है वह रायबरेली आकर आप लोगों से मिलकर पूरा होता है। चिठ्ठी में ससुर फिरोज गांधी और सास इंदिरा गांधी का भी जिक्र किया है।

क्या सचमुच क्रूरता की रानी है ममता बनर्जी....

राकेश अचल-
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

न बंगाल बदल रहा है और न देश की राजनीति। बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी के राज में केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा तो हलकान है ही अब कल तक ममता बनर्जी की मित्र कही जाने वाली कांग्रेस भी परेशान है। बंगाल के कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सुश्री ममता बनर्जी को क्रूरता की रानी तक कह दिया है। लेकिन क्या सचमुच ममता बनर्जी क्रूरता की रानी हैं या उन्हें क्रूरता का प्रतीक बनाने की कोशिश की जा रही है। ताजा मामला संदेशखाली में महिलाओं के उत्पीड़न का है। बंगाल में आठ दशक बाद भी साम्प्रदायिक जहर समाप्त नहीं हुआ ह। बंगाल नोआखली से चलकर संदेशखली तक हिंसा में ही झुलस रहा है। संदेशखली का मामला अब देश की सबसे बड़ी अदालत की दहलीज तक आ पहुंचा है? क्या है संदेशखली का मामला? आपको बता दें कि बंगाल की राजधानी कोलकाता। उससे करीब 80 किलोमीटर दूर स्थित संदेशखाली। संदेशखाली उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट उपखंड में आता है। ये बांग्लादेश की सीमा से सटा हुआ इलाका है। इस इलाके में अल्पसंख्यक और आदिवासी समाज के लोग सबसे ज्यादा रहते हैं। संदेशखाली उस वक्त सुर्खियों में आया, जब तृण मूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख के घर पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा। आरोप है कि शेख और उनके समर्थकों ने प्रवर्तन निदेशालय यानि ईडी की टीम पर ही हमला कर दिया। आरोपी फरार है। शाहजहां को पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक का करीबी माना जाता है। शुरूआत में ऐसा लगा कि ये घटना सिर्फ एक हमले तक ही सीमित है, लेकिन शेख के फरार होते ही इलाके की महिलाएं अचानक बाहर निकल आई। महिलाओं ने शाहजहां शेख और उनके समर्थकों पर अत्याचार करने, यौन उत्पीड़न करने और जमीन कब्जाने जैसे गंभीर आरोप लगा डाले। महिलाओं का आरोप है कि तृमूकां के लोग गांव में घर-घर जाकर चेक करते हैं और इस दौरान अगर घर में कोई सुंदर महिला या लड़की दिखती है तो टीएमसी नेता शाहजहां शेख के लोग उसे अगवा कर ले जाते थे और फिर उसे पूरी रात अपने साथ पार्टी दफ्तर यहां अन्य जगह पर रखा जाता था। अगले दिन यौन उत्पीड़न करने के बाद उसे उसके घर या घर के सामने छोड़ जाते थे। संदेशखाली का ये भयानक सन्देश जब बंगाल के बाहर भी पहुंचा तो मामला राज्यपाल तक पहुंच गया। जांच जारी है। राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम भी मौके पर पहुंची थी। राजनीति भी जम कर की जा रही है। सबसे पहले भाजपा ने संदेशखाली के मामले को लेकर राजनीति की। भाजपा के एक प्रतिनिधि मंडल ने संदेशखाली जाने की कोशिश की तो पुलिस ने उसे रास्ते में ही रोदिय। इसके बाद तृण मूल कांग्रेस से नाराज बैठी कांग्रेस भी मैदान में आ गयी। कांग्रेस सांसद और बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को संदेशखाली में तनाव की स्थिति में जाने से रोका गया है। पुलिस और अधीर रंजन चौधरी के बीच नोकझोंक हुई है. नारेबाजी करते कांग्रेस नेता और कांग्रेस प्रतिनिधि जब आगे बढ़ रहे थे, पुलिस ने उन्हें रोका और रामपुर में बैरिकेडिंग कर दी। कांग्रेस और ममता बनर्जी के बीएच अनबन की वजह इंडिया गठबंधन में ममता द्वारा डाली गयी दरार है। पहले ममता ने गठबंधन के नेता के लिए कांग्रेस के मल्लिकार्जुनखड़गे का नाम प्रस्तावित किया, इसका नतीजा ये हुआ कि जेडीयू गठबंधन से बाहर हो गयी। बाद में ममता ने बंगाल में कांग्रेस को अपेक्षित सीटें न देकर रार बढ़ा '। कांग्रेस और ममता के रिश्ते तब और बिगड़े जब राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ भी ममता सरकार ने बदसलूकी की। अब संदेशखाली के लिए आगे बढ़ने से कांग्रेस सांसद ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि, ममता क्रूरता की रानी है वह आग से खेल रही हैं। अधीर रंजन ने कहा कि हम सब कुछ राजनीतिक तौर पर करेंगे। हम बम या बंदूकें नहीं ले जा रहे हैं। यहां ममता ने भाजपा को भी रोका, लेकिन वो कुछ और हैं, हम कुछ और हैं। संदेशखाली का मामला जो है सो है किन्तु मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी अपने अंदाज में जवाब दे रही हैं। उनका कहना है कि मुझे इस पर कार्रवाई करने के लिए मामले को जानना होगा। वहां आरएसएस का आधार है। 7-8 साल पहले दंगे हुए, वो संवेदनशील दंगा इलाकों में एक है। हमने सरस्वती पूजा पूजा के दौरान स्थिति को मजबूती से संभाला अन्यथा वहां योजनाएं कुछ और ही थी। संदेशखाली हिंसा पर बीजेपी सांसद लॉकेट चटर्जी का कहना है कि जिन्होंने यह अत्याचार किया है उन्हें सामने आना होगा, एनआईए जांच होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

भारत जोड़ो न्याय यात्रा रद्द! वायनाड के लिए रवाना हुए राहुल गांधी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की अगुवाई करते हुए बिहार से उत्तर प्रदेश पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चंदौली और वराणसी की यात्रा के बाद भदोही की यात्रा रद्द कर दी और वह वायनाड रवाना हो गए। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने शनिवार को रजपुरा चौराहे पर होने वाली जनसभा के मंच से यह जानकारी दी। मीडिया से बातचीत में तिवारी ने बताया की शाम करीब चार बजे उन्हें यात्रा रद्द होने की जानकारी मिली। राहुल गांधी को किसी आकस्मिक कारणों से अपने लोकसभा क्षेत्र में जाना पड़ रहा है जिसकी वजह से गाँधी वाराणसी से हवाई अड्डा चले गए जहां से वह वायनाड जा रहे हैं। तिवारी ने बताया कि राहुल गांधी को भदोही जिले में कंधिया रेलवे क्रसिंग से प्रवेश कर इंदिरा मिल पर महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एक जनसभा को संबोधित करना था। तिवारी ने बताया कि राहुल गाँधी बाद में सीधे प्रयागराज पहुंचेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट किया, ह्लवायनाड में राहुल गांधी की उपस्थिति की तत्काल आवश्यकता है। वह आज शाम 5 बजे वाराणसी से प्रस्थान कर रहे हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा कल 18 फरवरी को दोपहर 3 बजे प्रयागराज में फिर से शुरू होगी।

बिजनौर में अज्ञात वाहन की चपेट में आए बाइक सवार, दो सगे भाईयों की मौत

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में शनिवार तड़के अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। हादसा बिजनौर जिले के नूरपुर थाना क्षेत्र के नूरपुर-धामपुर रोड पर गांव ढेला अहीर के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, मुरहाट गांव निवासी दो सगे भाई कुलवंत (25) और बिट्टू (19) बाइक पर सवार होकर धामपुर से घर वापस लौट रहें थे। इसी दौरान बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह को करीब 4 बजे नूरपुर थाना अंतर्गत ढेला अहीर गांव के समीप एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन को लेकर फरार हो गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

ग्रैंड पैरेंट्स ने पोता-पोती के साथ रैंप वॉक पर दिखाया जलवा

राजनगर एक्सटेंशन स्थित जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में ग्रैंड पैरेंट्स डे का आयोजन किया गया। नन्हें छात्रों ने तिलक लगाकर अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी का स्वागत किया। इस दौरान छात्रों ने शानदार नृत्य प्रस्तुति दी। ग्रैंड पेरेंट्स ने विभिन्न खेलों में शामिल होकर खूब मस्ती की और रैंप वॉक कर जलवा दिखाया। स्कूल प्रधानाचार्या डॉ नेहा शर्मा ने ग्रैंड पैरेंट्स से बच्चों को कहानियां सुनाने और अपने अनुभव बच्चों को बताने को कहा। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के लिए उपाय भी सुझाए। स्कूल प्रबंधक संजय गोयल और प्रधानाचार्य ने विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया।

देश में उभरते बाजार और बढ़ते रोजगार के अवसरों पर की चर्चा

दुहाई स्थित आईएएमआर कॉलेज में मानव संसाधन कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया, जिसमें उद्यमियों ने उभरते बाजारों में आर्थिक-सामाजिक बदलाव, रोजगार के अवसर, कौशल विकास की जरूरत और रोजगार एवं उभरते बाजार में मानव संसाधन प्रबंधन की चुनौतियों पर चर्चा की। कॉन्क्लेव में बीसीएच के सीएफओ आनंद खंडेलवाल, अनिल भसीन, हेवेल्स के पूर्व अध्यक्ष अनुज अग्रवाल, इमेज प्रिंटर के सीएफओ राहुल सिन्हा, दीपक खंडेलवाल, जैनपेक्ट के भूपेन्द्र नायर, हर्ष जैन, हर्ष अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल ने अपने अनुभवों साझा किए। उन्होंने कहा कि आज के समय में कुशल और टेलेंटड युवाओं की बहुत मांग है, बस जरूरत है युवाओं में कौशल विकसित करने की ताकि वह नौकरी के साथ खुद का भी काम कर सकें। कार्यक्रम में छात्रों को उद्योग जगत की अहम हस्तियों के अनुभव से सीखने का अवसर मिला। कॉन्क्लेव में आईएएमआर चेयरपर्सन अंशु बंसल, संयुक्त सचिव संजय बंसल, संयुक्त निदेशक पीके वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

यूपी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में दिखेगा इंटरनेशनल फिल्म सिटी का फर्स्ट लुक

लखनऊ, एजेंसी

19 फरवरी को राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होने वाली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के अवसर पर प्रदेशवासी पहली बार जेवर में बनने जा रही यूपी की पहली इंटरनेशनल फिल्म सिटी का फर्स्ट लुक देख सकेंगे। सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म सिटी को लोगों के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए सरकार की ओर से जीबीसी 4.0 आयोजन स्थल पर स्टॉल आवंटित किया गया है। फिल्म सिटी की बिड प्राप्त करने वाली बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी और भूटानी ग्रुप स्टॉल पर रेप्लिका को डिजाइन कर रही है। स्टॉल में प्रोटोटाइप और कर्व स्क्रीन के माध्यम से इंटरनेशनल फिल्म सिटी की खूबियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें अयोध्या में निर्मित भव्य राम मंदिर से लेकर केदारनाथ और लंदन से लेकर कनाडा की प्राइम लोकेशंस तक के सेट को फिल्म सिटी के हिस्से के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। इस दौरान बेव्यू कंपनी के डायरेक्टर और बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर और प्रोड्यूसर बोनी कपूर के साथ ही भूटानी ग्रुप के आशीष भूटानी और अली चैटली भी मौजूद रहेंगे। बॉलीवुड के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने इस संबंध में कहा कि हमारा फोकस इंटरनेशनल फिल्म सिटी के साथ ही जीबीसी में बनाए जा रहे स्टॉल को भी परफेक्ट बनाने का है, ताकि एक प्रस्तावित फिल्म सिटी की एक शानदार तस्वीर प्रस्तुत की जा सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए अत्याधुनिक कैमरा सिंगापुर से मंगाया जा रहा है। अगर यह समय पर आ जाता है तो यह स्टॉल और अधिक रियलिस्टिक दिखाई देगा। उन्होंने बताया कि हमारे आर्ट डायरेक्टर ने लखनऊ जाकर स्टॉल के लिए फिल्म सिटी के डिजाइन की पूरी डिटेल साझा कर दी है। हमारे पास समय कम है, लेकिन उम्मीद है कि यह स्टॉल भी वास्तविक फिल्म सिटी की तरह वर्ल्ड क्लास का नजर आएगा। बोनी कपूर ने ये भी बताया कि 19 फरवरी को लखनऊ में स्वयं मौजूद रहकर वो फिल्म सिटी के विषय में पूरी जानकारी देंगे। बोनी कपूर की फर्म बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी के जीएम राजीव अरोड़ा ने बताया कि जीबीसी के दौरान फिल्म सिटी के लिए जो स्टॉल लगाया जाएगा, उसमें हम एक ग्लोब और कर्व स्क्रीन के माध्यम से फिल्म सिटी की खूबियों को दिखाने का प्रयास करेंगे। इसमें यह दिखाने का प्रयास होगा कि यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रस्तावित फिल्म सिटी का ओवरआल लुक कैसा हो सकता है। फिल्म सिटी में हम थीम पार्क, एम्यूजमेंट पार्क, स्टूडियोज, गोल्फ क्लब, प्रमुख मंदिर समेत कई तरह के परमानेंट सेट लगाने जा रहे हैं, जिसकी रेप्लिका स्टॉल पर भी नजर आएगी। अयोध्या में निर्मित भव्य राम मंदिर, उत्तराखंड के चार धामों में शामिल केदारनाथ धाम समेत देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के साथ स्टेटवाइज प्रमुख लोकेशंस के सेट भी इसका हिस्सा होंगे। यही नहीं, फिल्म सिटी में लंदन, कनाडा, स्विट्जरलैंड जैसी प्राइम लोकेशंस के भी सेट्स होंगे, जबकि फाइव स्टार होटल, फाउंटेन और अन्य बहुत सारी चीजों का समावेश होगा। फिल्म सिटी के स्टॉल को लेकर शुक्रवार से काम शुरू हो गया है, 18 फरवरी तक पूर्ण हो जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के सीईओ अरुणवीर सिंह के अनुसार, फिल्म सिटी सीएम योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जाना है। हाल ही में फिल्म सिटी को लेकर यीडा द्वारा ट्रांसपेरेंट तरीके से आयोजित बिड प्रॉसेस को पूरा कर बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप ने इस प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। जल्द ही इस प्रोजेक्ट को अमली जामा पहनाया जाना है। इसके निर्माण से न सिर्फ यीडा क्षेत्र को बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश को नई पहचान मिलेगी। देश और दुनिया भर के फिल्म मेकर्स के साथ-साथ पर्यटकों के लिए यह आकर्षण का केंद्र होगा। इसी वजह से जीबीसी 4.0 के अवसर पर इंटरनेशनल फिल्म सिटी के मॉडल को प्रदर्शित किए जाने का निर्णय लिया गया है। बोनी कपूर की फर्म स्वयं इस स्टॉल को बना रही है। निश्चित रूप से यह स्टॉल फिल्म सिटी की विशेषताओं को एकीकृत कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहेगा।

यूपी-जीबीसी : बड़े निवेश के साथ विकास की दौड़ में सरपट दौड़ेगा बुंदेलखंड

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में बुंदेलखंड में शुरू होंगी 60 हजार करोड़ की निवेश परियोजनाएं

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) में जहां पूरे प्रदेश में 10 लाख करोड़ से ज्यादा की निवेश परियोजनाओं का शुभारंभ होगा तो वहीं राज्य के बुंदेलखंड क्षेत्र में भी करीब 60 हजार करोड़ की परियोजनाएं शुरू होंगी। बुंदेलखंड के सभी सातों जिलों में ये निवेश होगा, जिससे यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे तो वहीं विकास की दौड़ में भी बुंदेलखंड राज्य के अन्य जिलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर शामिल हो सकेगा। बुंदेलखंड क्षेत्र और इसका विकास मुख्यमंत्री योगी की प्राथमिकताओं में रहा है। प्रदेश में निवेश के लिए योगी सरकार ने जो नीतियां बनाईं, उनके साथ-साथ बुंदेलखंड में निवेश करने वाले उद्यमियों को अलग से भी प्रोत्साहन दिए जाने की पहल की गई है। इसी का नतीजा है कि बुंदेलखंड में निवेश को लेकर बड़ी संख्या में निवेशकों ने उत्सुकता जाहिर की है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा बुंदेलखंड को औद्योगिक दृष्टि से समृद्ध बनाने की है, ताकि यहां के युवाओं को रोजगार के लिए प्रदेश या देश के अन्य हिस्सों में भटकना न पड़े। जीबीसी 4.0 के माध्यम से बुंदेलखंड में होने वाला निवेश इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। प्रवक्ता ने बताया कि 19 फरवरी को जीबीसी 4.0 के तहत बुंदेलखंड के सातों जिलों में 59,288 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का शुभारंभ होने जा रहा है। इसमें सर्वाधिक निवेश परियोजनाएं झांसी जनपद में हैं, जहां जीबीसी 4.0 के जरिए 23,739 करोड़ से ज्यादा के उद्यमों की शुरूआत होगी। झांसी के अलावा ललितपुर में भी 15,707 करोड़ से ज्यादा लागत के प्रोजेक्ट्स को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी हरी झंडी दिखाएंगे। झांसी और ललितपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रमुख जिलों में से हैं, जहां योगी सरकार नोएडा की तर्ज पर बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) की शुरूआत करने जा रही है। इसके अतिरिक्त जालौन में 9290 करोड़ से ज्यादा, चित्रकूट में 7047 करोड़ रुपये से ज्यादा, महोबा में 1664 करोड़ से ज्यादा, बांदा में 596 करोड़ से ज्यादा और हमीरपुर में 1243 करोड़ से ज्यादा की निवेश परियोजनाएं मूर्त रूप लेंगी।

रायबरेली सीट गांधी परिवार के पास रहेगी : उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय

वाराणसी, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से गांधी परिवार के एक सदस्य के चुनाव लड़ने का संकेत देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को कहा, यह सीट गांधी परिवार के पास रहेगी। मीडिया के साथ बातचीत के दौरान राय ने कहा, रायबरेली के लोगों का गांधी परिवार के साथ पीढ़ियों से गहरा नाता रहा है। यह सीट गांधी परिवार की है और गांधी परिवार के पास रहेगी। यह पूछे जाने पर कि गांधी परिवार से कौन वहां से चुनाव लड़ेगा, राय ने कहा, इस पर निश्चित रूप से उन लोगों (गांधी परिवार) द्वारा निर्णय किया जाएगा। वर्ष 2004 से रायबरेली सीट से सांसद, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बृहस्पतिवार को अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों को सूचित किया कि वह स्वास्थ्य कारणों से आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। रायबरेली के लोगों को संबोधित अपने पत्र में 77 वर्षीय नेता सोनिया गांधी ने लिखा, इस निर्णय के बाद मुझे सीधे तौर पर आपकी सेवा का अवसर नहीं मिलेगा, लेकिन मेरा दिल और आत्मा हमेशा आपके साथ रहेगी। मुझे पता है कि आप पहले की तरह मेरे और मेरे परिवार का साथ भविष्य में भी देंगे। ऐसी अटकलें हैं कि सोनिया गांधी के रायबरेली सीट छोड़ने के बाद उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाद्रा रायबरेली से चुनाव लड़ सकती हैं। इस बीच, मीडिया के साथ बातचीत में अजय राय ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जब काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन के लिए गए तो कैमरा ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा, सभी भाजपा नेता जब काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन के लिए आते हैं तो उन्हें कैमरे के साथ आने दिया जाता है। लेकिन राहुल गांधी को कैमरे के साथ मंदिर नहीं जाने दिया गया और अभी तक प्रशासन द्वारा कोई फोटो जारी नहीं की गई। कांग्रेस की ह्यभारत जोड़ो न्याय यात्राह्ल के उत्तर प्रदेश पहुंचने के दूसरे दिन राहुल गांधी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किया।

प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने प्रयागराज में मध्यस्थता केंद्र का उद्घाटन किया

प्रयागराज, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को यहां मध्यस्थता केंद्र (आर्बिट्रेशन सेंटर) का उद्घाटन किया और कोर्ट ऑफ उत्तर प्रदेश पुस्तक का विमोचन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए चंद्रचूड़ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश बढ़ रहा है। ऐसे में प्रदेश में उद्योग लगेंगे और इस लिहाज से न्यायिक क्षेत्र का विस्तार होना जरूरी है। उन्होंने न्यायालयों में बढ़ रहे मामले पर चिंता जताते हुए कहा, अधीनस्थ अदालतें जहां समस्याओं के समाधान की शुरूआत होती हैं, वहां पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। उच्चतम न्यायालय में बहुत सारे ऐसे मामले बढ़ रहे हैं जिन्हें अधीनस्थ अदालतों में ही निस्तारित कर दिया चाहिए। छोटे मामले में यहां से जमानत नहीं मिलने से लोग उच्चतम न्यायालय तक आ रहे हैं और वहां दबाव बढ़ रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने अधिवक्ताओं और विधि पेशे से संबद्ध अन्य लोगों से प्रौद्योगिकी से जुड़ने की अपील करते हुए कहा, मैं सभी वरिष्ठ अधिवक्ताओं से प्रौद्योगिकी से जुड़ने, टैबलेट और लैपटॉप पर कार्य करने के लिए कहता हूं और बहुत सारे लोग अब यह कर रहे हैं। उन्होंने अधीनस्थ अदालतों में आ रही युवा पीढ़ी की चर्चा करते हुए कहा कि यह पीढ़ी अलग तरह से सोचती है और इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं आ रही हैं। वे यहां अपना भविष्य सुरक्षित समझती हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में बतौर मुख्य न्यायाधीश अपने कार्यकाल की चर्चा करते हुए चंद्रचूड़ ने कहा, मैं शहरी परिवेश में पला बढ़ा लेकिन भारत के दिल उत्तर प्रदेश में आकर बहुत कुछ सीखने, जानने को मिला। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुझे अलग तरह के वाद से सामना करना पड़ा।

फार्मा हब बनने को तैयार यूपी, चार दिग्गज कंपनियां करेंगी निवेश

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश को फार्मा हब बनाने की तैयारी में लगी सरकार की नीतियां देश की नामचीन मेडिकल कंपनियों को काफी रास आ रही है। इसी क्रम में, तेलंगाना की चार दिग्गज फार्मा कंपनियों ने प्रदेश में करोड़ों रुपए के निवेश की तैयारी की है। साथ ही ये कंपनियां ड्रग व मेडिकल पार्कों के विकास, यूपी को फार्मा सेक्टर का हब बनाने के रोडमैप पर भी कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि 18 जनवरी को योगी सरकार ने हैदराबाद में फार्मा कॉन्क्लेव का आयोजन किया था। इसमें उत्तर प्रदेश में ड्रग व फार्मा मैन्युफैक्चरिंग कल्चर को बढ़ावा देने और सरकार द्वारा बनाई गई फार्मा पॉलिसी के साथ ही दी जा रही सहूलियतों के बारे में जागरूकता का प्रसार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने यीडा में मेडिकल डिवाइस पार्क के पास या नोएडा-ग्रेटर नोएडा में अन्य रणनीतिक स्थान पर एक अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित करने में रुचि व्यक्त की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ललितपुर में बल्क ड्रग पार्क के भीतर निवेश के अवसर तलाशने में रुचि दिखाई है, जिसके लिए 150 एकड़ से अधिक भूमि की आवश्यकता है। वहीं, ग्रेटर नोएडा में फार्मास्युटिकल विनिर्माण सुविधा स्थापित करने में रुचि व्यक्त की है। उन्होंने मेडिकल डिवाइस पार्क, नोएडा या ग्रेटर नोएडा में एक बायोटेक प्रयोगशाला और एक विनिर्माण इकाई स्थापित करने में भी रुचि दिखाई है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश को ड्रग व फार्मा मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के तौर पर विकसित करने और बड़ा हब बनाने के लिए वीबीएल तथा रॉलवेल इंडस्ट्रीज ने भी रुचि जताई है। वीबीएल द्वारा लगभग 10-15 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश और लगभग 5-10 एकड़ भूमि की आवश्यकता के साथ, मेडिकल डिवाइस पार्क, नोएडा या आसपास के क्षेत्र में सांप के जहर एंटीसीरम को निकालने के लिए एक अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की गई है। वहीं, रॉकवेल इंडस्ट्रीज ने विशिष्ट सहायक इकाइयों को एकीकृत करने के इरादे के साथ-साथ, वैक्सीन वाहकों पर प्राथमिक जोर देने के साथ, नोएडा में मेडिकल डिवाइस पार्क के भीतर एक विनिर्माण सुविधा स्थापित करने में अपनी रुचि व्यक्त की है। उसे संयंत्र स्थापित करने के लिए भूमि की आवश्यकता लगभग 35-40 एकड़ है, और कुल निवेश 400-500 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

कड़ी सुरक्षा के बीच सम्पन्न हुई यूपी पुलिस भर्ती की परीक्षा, 500 मीटर का एरिया रहा सील

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। शनिवार को पहले दिन पुलिस भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई। हर परीक्षा केंद्र को सीसीटीवी व जैमर से लैस किया गया था। परीक्षा केंद्र के आसपास के 500 मीटर एरिया को सील कर परीक्षा केंद्र के निकट इंटरनेट सेवा बंद रखी गई। भारी पुलिस बल तैनात रहा है। डीएम एसपी सहित आला अफसरों ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।पहले दिन जिले के 34 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई दो पालियों में 17544 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए है। जिसके लिए पुलिस प्रशासन ने पूरी तैयारी की। जिले में शांति पूर्वक परीक्षा संपन्न कराने को लेकर जिले को चार जोन और 12 सेक्टर में बांटा गया। साथ ही तहसीलवार मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई।परीक्षा को नकल विहीन कराने के लिए हर केंद्र को सीसीटीवी और जैमर से लैस किया गया। पहली पाली सुबह साढ़े नो बजे से जबकि दूसरी पाली ढाई बजे से शुरू हुई। सभी परीक्षा केंद्रों पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई। साथ ही हर परीक्षा केंद्र के 500 मीटर तक के एरिए को सील किया गया। साथ ही इसके आसपास के एरिया की इंटरनेट सेवा को भी बंद रखा गया।

जाम से जूझा धनौरा शहर

धनौरा।पहले दिन शनिवार को जिले में संपन्न हुई पुलिस भर्ती परीक्षा के चलते अमरोहा व गजरौला सहित मंडी धनौरा शहर जाम से जूझा। हालांकि अमरोहा शहर में रुट डायर्ट प्लान के तहत वाहनों को गुजारा गया। बड़े वाहनों की आवाजाही बंद रही। साथ ही डीएम एसपी भी लगातार परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे।

पति की गैरमौजूदगी मे पत्नी को हुआ गांव के ही युवक से इश्क

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जेल में बंद पति की गैरमौजूदगी में दो बच्चों की मां गांव के ही युवक को दिल दे बैठी। दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग हो गया। इतना ही नहीं दोनों ने चोरी छिपे कोर्ट मैरिज कर ली। लेकिन अब प्रेमी की मंगनी दूसरी जगह हुई तो विवाहिता ने हंगामा कर दिया। उसने जहर खाकर जान देने की कोशिश की। मामला एक ही गांव का है, इसलिए दोनों पक्षों में समझौते के प्रयास शुरू हो गए। पुलिस को जानकारी नहीं दी गई है। यह मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव का है। यहां रहने वाला युवक दो साल से जेल में बंद है। घर में उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं।जेल में बंद पति की गैरमौजूदगी में विवाहिता का प्रेम प्रसंग गांव के ही रहने वाले युवक से हो गया। दोनों एक दूसरे से मिलने लगे। चर्चा है कि विवाहिता ने अपने पति से तलाक ले लिया और बाद में गांव के ही रहने वाले प्रेमी से कोर्ट मैरिज कर ली। लेकिन करीब एक सप्ताह पहले प्रेमी के परिजनों ने उसकी मंगनी दूसरी जगह कर दी। जैसे ही विवाहिता को इसका पता चला तो उसने हंगामा कर दिया। उसने प्रेमी के घर जाकर जहर का सेवन कर लिया।हालत बिगड़ने पर ग्रामीणों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार है। मामला एक ही गांव से जुड़ा होने के कारण दोनों पक्षों के बीच पंचायत बैठ गई। देर शाम तक समझौते के प्रयास जारी थे।

मुस्लिम कमेटी ने की शब-ए-बरआत पर सुविधाओं की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। मुस्लिम कमेटी ने शब-ए-बरआत की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इबादत के लिहाज से इस खास रात के मद्देनजर पुलिस-प्रशासनिक अफसरों को ज्ञापन सौंपते हुए जरूरी सुविधाओं की मांग भी की गई है। शनिवार को कमेटी पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने पहले कलक्ट्रेट पहुंचकर एडीएम सुरेंद्र सिंह से मुलाकात की। बताया कि 25 फरवरी को शब-ए-बरआत मनाई जाएगी। कब्रिस्तानों और मस्जिदों में रातभर इबादत का सिलसिला चलता है वहीं शहर में अनार वाली ज्यारत पर जलसा-ए-नूर का आयोजन भी होगा। इस दौरान शहर में पथ प्रकाश, सफाई संग निर्बाध बिजली एवं पेयजलापूर्ति की व्यवस्था किए जाने की मांग की। संबंधित विभागीय अफसरों को इस बाबत निर्देशित करने पर जोर दिया। यहां के बाद पुलिस कार्यालय पहुंचे, प्रतिनिधिमंडल ने एसपी की गैर मौजूदगी में सीओ को ज्ञापन सौंपा। शब-ए-बरआत के मद्देनजर शहर में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त के साथ ही आंबेडकर पार्क, गांधी मूर्ति व रेलवे स्टेशन पर पुलिस बल की मौजूदगी के अलावा ट्रैफिक संचालन के लिए आयोजन स्थल पर यातायात पुलिस कर्मियों की तैनाती करने की मांग की। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष सरताज आलम मंसूरी, हाजी खुर्शीद अनवर, मंसूर अहमद एडवोकेट, कमर नकवी, यासिर अंसारी,पूर्व सभासद हाजी इकरार अंसारी, अली इमाम रिजवी, अफसार बख्स, अजीम एडवोकेट, इंजीनियर दानिश सिद्दीकी, अब्दुल वहाब सैफी, सरकार आलम आदि मौजूद रहे।

यूपी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी : सीएम योगी ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए कई दिशा-निर्देश

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-4 (जीबीसी-4) को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से जीबीसी-4 को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीएम योगी ने खासतौर पर प्रधानमंत्री समेत अन्य वीआईपी मेहमानों और निवेशकों के आवागमन, सुविधाओं के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने मुख्य हॉल और मंच का निरीक्षण किया। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पिछले वर्ष 10 से 12 फरवरी के मध्य ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ था। उसके करीब एक वर्ष बाद 19-21 फरवरी के बीच ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-4 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पीएम मोदी समेत तमाम वीआईपी शामिल होंगे। कार्यक्रम में दुनिया भर के 3,000 से अधिक प्रतिभागियों के आने की संभावना है, जिसमें जाने माने उद्योगपति, फॉर्च्यून ग्लोबल/इण्डिया 500 कंपनियां, विदेशी निवेशक भागीदार, राजदूत/उच्चायुक्त एवं अन्य प्रतिष्ठित अतिथि सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नए इनोवेशन के जरिए एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी की ओर तेजी से कदम बढ़ाते उत्तर प्रदेश की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था को दर्शाया जा रहा है। इसके तहत स्टील के शिपिंग कंटेनर्स को बेस बनाकर जर्मन हैंगर बनाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त यहां श्रीराम जन्मभूमि मंदिर समेत डिफेंस के तमाम इक्विपमेंट्स के 3डी रेप्लिका मॉडल्स को दर्शाया जाएगा। पिछले वर्ष फरवरी माह में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 का भव्य आयोजन हुआ था। इस आयोजन के मात्र एक वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश सरकार 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश को धरातल पर उतारने का दावा कर रही है। इससे 34 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध होने के साथ ही 14,000 से अधिक परियोजनाएं साकार होंगी।

पत्नी की हत्या के आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

लोनी, एजेंसी

पत्नी की गला रेतकर हत्या करने तथा मासूम बेटी और स्वयं का गला रेतकर आत्महत्या की कौशिश करने वाले युवक के विरुद्ध पुलिस ने उसकी पत्नी के मायके वालों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपी युवक और उसकी बेटी उपचार के लिए दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती है। वहां दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। गौरतलब है कि लोनी बार्डर थाने की शिवबाटिका कॉलोनी निवासी जावेद ने शुक्रवार दोपहर पत्नी साबरीन की उस्तरे से गला रेत कर हत्या कर दी थी। जबकि ढाई वर्षीय मासूम बेटी का गला रेतकर स्वयं का गला भी उस्तरे से रेत लिया था। पडोसियों की सूचना पर पुलिस ने दरवाजा तोडकर तीनों को उपचार के लिए दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां साबरीन को मृत घोषित कर दिया गया था। जबकि जावेद और उसकी बेटी हिबा की हालत अभी स्थिर बनी हुई है। साबरीन के भाई सलीम ने जावेद के विरुद्ध आईपीसी की धारा 498ए, 304 बी, 307 के तहत लोनी बार्डर थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी है। एसीपी रितेष त्रिपाठी का कहना है कि जावेद को उपचार के बाद गिरफ्तार किया जाऐगा।

राजनगर एक्सटेंशन की सर्कुलर रोड का काम शुरू नहीं हो सका

गाजियाबाद, एजेंसी

राजनगर एक्सटेंशन के चारों ओर प्रस्तावित सर्कुलर रोड का निर्माण रुका हुआ है। जीडीए दावों के बाद भी अभी तक सड़क का निर्माण करने के लिए पूरी जमीन अधिग्रहण नहीं हो सकी है, जिस कारण इसका काम आगे नहीं बढ़ रहा है। राजनगर एक्सटेंशन का मुख्य मार्ग दिल्ली-मेरठ रोड से जीटी रोड को जोड़ता है। इस मुख्य मार्ग पर दिल्ली बार्ड से बनाई गए एलिवेटेड रोड भी करहेड़ा पर उतरती है। ऐसे में राजनगर एक्सटेंशन के मुख्य मार्ग पर जीटी रोड और एलिवेटेड के रास्ते दिल्ली जाने वाले वाहनों का दबाव सबसे अधिक रहता है, जिससे जाम की समस्या बनी रहती है। यह समस्या सुबह और शाम के वक्त सबसे अधिक होती है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए ही जीडीए इस मुख्य मार्ग पर सर्विस रोड बनाने की योजना पर काम किया, लेकिन अभी तक प्राधिकरण सर्कुलर रोड तैयार करने के लिए जमीन का पूरा अधिग्रहण तक नहीं कर सका है। हालांकि प्राधिकरण के अधिकारियों ने दावा किया था कि इस रोड को तैयार करने में आने वाली बाधाओं को दूर कर लिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका है। प्राधिकरण अभी तक किसानों से जमीन अधिग्रहण करने के लिए सहमत नहीं करवा सका है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

शराब के साथ एक धंधेबाज गिरफ्तार, दूसरा हुआ फरार

नावानगर (बक्सर) बासुदेवा ओपी प्रभारी चुनमुन कुमारी के नेतृत्व में पुलिस ने आथर बाल के नट टोली में छापेमारी कर छापेमारी मे 16 लीटर शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि मौके से दूसरा कारोबारी पुलिस को देखकर फरार हो गया। गिरफ्तार कारोबारी बिरेंद्र नट जो अपने घर में देशी चुलाई महुआ शराब का निर्माण कर शराब बिक्री कर रहा था। इसकी पुष्टि करते हुए बासुदेवा ओपी प्रभारी चुनमुन कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर हुई कार्वाई में एक कारोबारी को 16 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। वही दूसरी तरफ सोनवर्षा ओपी क्षेत्र के सोनवर्षा गांव निवासी संतोष कुमार को 5 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इसकी पुष्टि करते सोनवर्षा ओपी प्रभारी निशा रानी ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि सोनवर्षा गांव में कारोबारी देशी शराब की बिक्री कर रहा है।

नशे में हंगामा कर रहा शराबी गिरफ्तार

नावानगर (बक्सर) सिकरौल थानाध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस ने एक नशेड़ी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार नशेड़ी बसांव गांव निवासी मो० मुमताज सिद्धिकी है इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी की बसांव गांव में एक नशेड़ी शराब के नशे में हंगामा कर रहा है। सूचना पर तत्काल पहुच कर नशेड़ी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नशेड़ी का मेडिकल कराया गया मेडिकल में अल्कोहल की पुष्टि होते ही नशेड़ी को कोर्ट भेज दिया गया। वही दूसरी तरफ सिकरौल थानाध्यक्ष के नेतृत्व में जिगना गांव में छापेमारी किया गया। छापेमारी में जिगना गांव से कोर्ट के वारंटी मोहन यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने 10 लीटर शराब किया बरामद

नावानगर (बक्सर) स्थानीय थानाध्यक्ष नंदू कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने अतिमि गांव में छापेमारी कर पुलिस ने दस लीटर महुआ शराब बरामद किया। वही कारोबारी राजकुमार राम पुलिस को देख कर फरार हो गया। इसकी पुष्टि करते हुए स्थानीय थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुआ था। जो अतिमि गांव में शराब का कारोबार हो रहा है सूचना पर तत्काल छापेमारी किया गया जिसमे दस लीटर महुआ शराब बरामद हुआ वही कारोबारी राजकुमार राम पुलिस देख कर फरार हो गया।

पूर्व मंत्री को विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर लोगों ने दी बधाई

नावानगर (बक्सर) बिहार में एनडीए की नई सरकार बनने के बाद बिहार विधानसभा में एनडीए प्रत्याशी के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव के निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामकुमार सिंह ने बधाई दी है। जो भाजपा के अनुभवी नेता के विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर सदन सुचारू रूप से चलेगा और उनके संसदीय अनुभव का लाभ सदन के सदस्यों को मिलेगा। मौके पर अनिल पाण्डेय, संत सिंह, उमाशंकर उर्फ छोटक, श्रीमन तिवारी, दधिवल, निर्मल सिंह सहित अन्य लोगों ने बिहार विधानसभा के नए अध्यक्ष पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव को बधाई दिया।

पूर्व शराब कांड का आरोपी गिरफ्तार

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय पुलिस ने पूर्व शराब कांड के एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि पुलिस ने थाना क्षेत्र के दलित टोला मठिया निवासी उपेंद्र मुसहर को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में पूर्व शराब कांड का मामला दर्ज था।

तीनों वारंटी को पुलिस ने भेजा जेल

बिक्रमगंज (रोहतास) पुलिस ने तीन वारंटी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया। दिनारा थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के पंजरी निवासी गोपाल शर्मा, बबन भर और झगर भर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तीनों अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से वारंट निर्गत था।

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर साथ चालक व मजदूर गिरफ्तार

बिक्रमगंज (रोहतास) नासरीगंज पुलिस ने अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को किया जब्त, मामले में चालक एवं मजदूर गिरफ्तार। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पुलिस ने थाना क्षेत्र के पड़ूरी से अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। साथ ही साथ पुलिस ने दरिहट थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवपुर निवासी चालक द्वारिका कुमार एवं अहरांव निवासी मजदूर अरमान अंसारी को भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार दोनों आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया।

आयुष चिकित्सक के भरोसे चल रहे अस्पताल को लेकर जांच करने कोइलवर पहुँची टीम

अस्पताल में कुव्यवस्था के खिलाफ स्थानीय लोगों ने डीएम और सिविल सर्जन से की थी शिकायत

प्रात : किरण संवददाता

आरा। जिले के कोइलवर थाना क्षेत्र के आरा-छपरा हाईवे पर चनपुरा गांव के समीप गुरवार की देर रात अनियंत्रित बालू लदे ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई थी जबकि एक अन्य घायल हो गया था। इस दौरान मौत से आक्रोशित लोगों ने कोइलवर पीएचसी पहुँच अस्पताल में कुव्यवस्था के खिलाफ हंगामा भी किया था। पीएचसी कोइलवर में आयुष चिकित्सक के भरोसे अस्पताल संचालक होने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर बवाल काटा था और अस्पताल में सिस्टम की लापरवाही को लेकर आक्रोशित लोगों ने भोजपुर डीएम और सिविल सर्जन से शिकायत भी किया था। इसके बाद भोजपुर के सिविल सर्जन ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोइलवर में विगत 15 फरवरी के रात्रि में ड्यूटी से गायब पाए गए पीएचसी प्रभारी को पत्र लिखकर भोजपुर सिविल सर्जन डॉक्टर के.एन सिन्हा ने जवाब तलब किया। साथ ही उक्त तिथि को ड्यूटी से गायब अन्य चिकित्सकों से संबंधित जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए एक जांच दल भी गठित किया था इसकी को लेकर शनिवार को जिले से एक जांच कमिटी की टीम कोइलवर पीएचसी पहुंची। जांच कमेटी में भोजपुर के संचारी रोग पदाधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार, गैर संचारी रोग पदाधिकारी डॉक्टर ए.अहमद कोइलवर पहुँचे और उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से और अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से घंटो बात किया। इस दौरान जिले से जांच के लिए कोइलवर आये संचारी रोग पदाधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार ने बताया की स्थानीय लोगों ने अपनी बातों को हमारे समक्ष रखा है ग्रामीणों की बातों को ध्यान में रखते हुए आगे जो भी होगा करवाई की जायेगी। वही इस दौरान मृतक के रिश्तेदार दिनेश बिन ने बताया की आरा से आई इस जांच कमेटी से हमलोग संतुष्ट नहीं हैं ये लोग बातों को गोल गोल घूमाकर सिर्फ आश्वासन देकर चले गए। कोईलवर अस्पताल दलालों का अड्डा बन गया है स्थानीय स्वास्थ्य कर्मी अस्पताल में वर्षो से डेरा जमाए हुए हैं हम लोगों की मांग है कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर उमेश कुमार और स्थानीय जितने भी स्वास्थ्य कर्मी है उनके यहां से तबादला किया जाए वरना भविष्य में उग्र आंदोलन होगा। इस दौरान अस्पताल में आयुष चिकित्सक डॉक्टर आजम खान ने भी माना की स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों के रहने से अस्पताल दलालों का अड्डा बन गया है इन लोगों को यहाँ से हटना जरूरी है।

वर्ष महोत्सव पर सेंट्रल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने कला से मनमोहा

प्रात : किरण संवददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के रेलवे स्टेशन समीप स्थित शनिवार द सेंट्रल पब्लिक स्कूल का तीसरा वर्ष महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री सह सीनेट सदस्य वीर कुंवर सिंह विश्विद्यालय, आरा डॉ. मनीष रंजन ने दीप प्रज्वलित कर किया। जबकि मौके पर मुख्य अतिथियों का विद्यालय निदेशक और फाउंडर ने उन्हें फूल माला पहनाते हुए अंगवस्त्र से सम्मानित किया। जबकि संचालन विद्यालय शिक्षिका आंशिका कुमारी ने की।

मौके पर विद्यालय के नर्सरी से वर्ग दशम तक के विभिन्न बच्चों खुशबू, सोनम, शीलू, सिमरन, शिवानी, आयुशी, शुभम, प्रिंस, अभिषेक, समर, अंकुर, अंकुश अन्य ने भाग लेते हुए ग्रुपिंग डांस, एकल डांस, देश भक्ति सांग नृत्य पर अपनी अलग-अलग कला की प्रस्तुति करते हुए उपस्थित लोगों का खूब मनोरंजन करते हुए उनका मनमोहन लिया। जहां लोगों ने उनकी नन्हें बच्चों सहित अन्य छात्र-छात्राओं की कला प्रस्तुति को सराहते हुए उन्हें पुरस्कृत भी किया। जबकि मुख्य अतिथि डॉ. मनीष ने बच्चों का हौसला अफजाई करते हुए सभा को संबोधित करते हुए बताया कि बच्चें हमारे देश के उजव्वल भविष्य होते है। जिनके भविष्य को संवारने में उनके अभिभावक के साथ विद्यालय के शिक्षकों का भी अहम योगदान होता है।

पूर्व प्रधानाध्यापक की दूसरी पुण्यतिथि मनाई गई

प्रात : किरण संवददाता

आरा। भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड के धनडिहा स्थित श्रीराम वाटिका में उत्क्रमित बालिका उच्च विद्यालय के संस्थापक पूर्व प्रधानाध्यापक स्वर्गीय रामबल्लभ प्रसाद सिंह की दूसरी पुण्यतिथि आज मनाई जाएगी जिसकी तैयारी को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया इसमें मुख्य रूप से आयोजित होने वाले समारोह को लेकर विस्तृत रूप से तैयारी की समीक्षा की गई इस मौके पर उनके दूसरी पुण्यतिथि पर उनके पैतृक निवास पर विष्णु सहस्त्रनाम पाठ एवं गीता पाठ का आयोजन किया जाएगा एवं श्रद्धांजलि सभा के बाद भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा बताते चले कि पूर्व प्रधानाध्यापक अपना भरा पूरा परिवार छोड़कर दो वर्ष पूर्व गो लोक प्रस्थान कर गए थे उनकी पुण्यतिथि को भव्य तरीके से मनाने को लेकर इस बैठक का आयोजन किया गया था बैठक की अध्यक्षता उनके पुत्र एवं प्रसिद्ध समाजसेवी पुंज कुमार सिंह ने किया उनकी स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को लेकर उन्होंने बताया कि स्वर्गीय पिताजी की मधुर स्मृति स्नेह आदर्श मार्गदर्शन और आशीर्वाद सदैव हमारे लिए प्रेरणादायक रहेंगे उनके पदचिन्हों पर चलकर हम स्मृतियों को आगे भी जीवंत रखेंगे धनडिहा स्थित श्री राम वाटिका में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है पूर्व प्रधानाध्यापक राम बल्लभ प्रसाद सिंह ने बच्चों के शिक्षा में ही अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

मां सरस्वती की विदाई पर किया गया प्रसाद वितरण

डेहरी (रोहतास) सरस्वती पूजा के उपलक्ष में डेहरी शहर के आदर्श नगर में सरस्वती पूजा पंडाल के बाहर सैकड़ो लोगों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। महाप्रसाद वितरण के बाद मां सरस्वती को विदाई देते हुए उनकी प्रतिमा को लेकर लोग विसर्जन करने पहुंचे। प्रसाद को वितरण कर रहे युवा समाजसेवी अमित कुमार पटेल ने कहा कि सरस्वती पूजा को बसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। जिसमें महाप्रसाद का अपना सबसे बड़ा महत्व है। उन्होंने कहा की मां सरस्वती ज्ञान और विद्या की देवी है यह सभी छात्राओं को विद्या प्रदान करती हैं। मौके पर रोशन सिंह, मयंक कुमार, आदित्य कुमार, हिमांशु कुमार, शिवम कुमार, सुजीत कुमार, रतन कुमार विकी कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

समाजसेवी 11वीं पुण्यतिथि पर बॉलीबॉल खेल का आयोजन

प्रात : किरण संवददाता

नावानगर (बक्सर) अखिल भारतीय पुरुष एवं महिला बॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन भोजपुर जिले के बखोरापुर गांव में आयोजित किया गया। ज्ञात हो कि बखोरापुर गांव निवासी भारत प्लस एथेनॉल कंपनी लिमिटेड के सीएमडी सह वरीय समाजसेवी अजय कुमार सिंह के पूज्य पिता स्व रामाधार सिंह की 11 वीं पुण्यतिथि के शुभ अवसर पर अखिल भारतीय पुरुष एवं महिला बॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

बता दें कि बखोरापुर गांव स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय के मैदान में आयोजित इस बॉलीबॉल प्रतियोगिता में राज्य एवं देश स्तर के कुल 12 टीमों ने हिस्सा लिया। आयोजक भारत प्लस एथेनॉल लिमिटेड कंपनी के सीएमडी सह उद्योगपति बखोरापुर गांव निवासी अजय कुमार सिंह ने बताया कि पुरुष एवं महिला बॉलीबॉल प्रतियोगिता में अंतर्राष्ट्रीय महिला बॉलीबॉल की खिलाड़ी जयश्री राठी सहित राज्य एवं देश स्तर के कई महिला तथा पुरुष खिलाड़ी इस बॉलीबॉल प्रतियोगिता में शिरकत किए।बिहार के इतिहास में पहली बार बखोरापुर के राजकीय बुनियादी विद्यालय के मैदान में अंतर्राष्ट्रीय महिला एवं खिलाड़ियों के शिरकत करने से विद्यालय का मैदान आम आवाम व जनता से खचाखच भरा रहा। इससे पहले पुण्यतिथि को लेकर श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया।जहां गीता पाठ एवं पुष्पांजलि से स्व रामाधार सिंह को एक तरफ याद किया गया तो दूसरी तरफ उनके आदर्श समाजसेवा को अपनाने की बात लोगों से कही गई।जहां श्रद्धांजली सभा को बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, आरा महापौर प्रतिनिधि प्रेम पंकज उर्फ ललन सहित कई अन्य मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों ने श्रद्धांजली सभा को संबोधित करते स्व रामाधार सिंह को एक आदर्श समाजसेवी बताया और उनके पदचिन्हों पर चलकर समाज सेवा करने की सिख दी।जहां स्व रामाधार सिंह की धर्मपत्नी समाजसेवी देव कुमारी सिंह, उद्योगपति अजय सिंह सहित अन्यों द्वारा मौके पर उपस्थित 1640 असहाय, गरीबों एवं जरूरत मंद लोगों के बीच एक एक कंबल के साथ 100 रुपए नगद का वितरण किया गया। जहां कार्यक्रम में शिरकत करने आए सभी आगत अतिथियों का भगवान श्रीराम का चुनरी देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान वृहद बड़े पैमाने पर भोज का भी आयोजन किया गया। जहां लोगों को पूड़ी खीर पुलाव का भोजन करा उन्हें अनुगृहित किया गया। मौके पर उपस्थित अजय सिंह ने बताया कि समाजसेवा हमारे रिश्तों के खून में है। जिसे कभी भुलाया नही जा सकता।यह बॉलीबॉल प्रतियोगिता पूरी रात चलेगी और विजेता उपविजेता को शील्ड कप मेडल ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। जाएगा।इस आयोजन से आत्मीय सुख एवं शांति मिलती है और समाजसेवा का खास अवसर प्राप्त होता है। इस दौरान शैलेश सिंह, टिंकू सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

राष्ट्र के नागरिक चुनाव में भागीदार की शपथ अवश्य लें : जिला युवा पदाधिकारी

प्रात : किरण संवददाता

भगवानपुर प्रखंड स्थित शनिवार को मतदाता जागरूकता को लेकर विभिन्न जगहों पर नेहरू युवा केंद्र कैमूर द्वारा नुक्कड़ नाटक सह जागरूकता अभियान का कार्यक्रम किया गया। वही मतदाता जागरूकता को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जानकारी दी गई। जिला युवा पदाधिकारी सुशील करोलिया ने बताया कि भगवानपुर प्रखंड के गोबरछ गांव में भगवानपुर बाजार एवं कसेर गांव में ग्रामीणों को नुक्कड़ नाटक का जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

उन्होंने बताया कि बहुमूल्य वोट प्रत्येक नागरिक के लिए अहम है भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेना चाहिए। क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य नींव रखता है। जनतांत्रिक प्रणाली में इसका बहुत महत्व होता है इस प्रणाली पर आधारित व शासन की स्थापना के लिए आवश्यक है की प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव जाति धर्म से हटकर अपने मत का अधिकार प्रदान करना चाहिए। अपने देश के लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय एवं किसी के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करें। इसके साथ ही किसी भी समस्या हेतु वोटर हेल्पलाइन ऐप पर जानकारी एवं संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम में आदर्श नेहरू युवा क्लब गोबरछ के अध्यक्ष हरिशंकर प्रसाद गुप्ता, अभय द्विवेदी, आलोक कुमार, विवेक कुमार, देवदत्त कुमार, सोनल राय, मोहित तिवारी, एवं कई लोग मौजूद रहे।

भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कांग्रेस ने किया

प्रात : किरण संवददाता

आरा। भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में 2017 में, जो चुनावी बांड योजना को वित्त विधेयक के रूप में पेश किया गया था, तो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इसकी अपारदर्शी, अलोकतांत्रिक और हानिकारक प्रकृति की स्पष्ट रूप से निंदा करने वाली पहली पार्टी थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इस कुटिल चाल के खिलाफ संसद के भीतर और बाहर अपनी लड़ाई में अटल रही। हम मोदी सरकार की इस "काला धन रूपांतरण" योजना को "असंवैधानिक" मानते हुए आज के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए शहीद भवन चौक पर जिलाध्यक्ष अशोक राम जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करते हुए मोदी सरकार की निंदनीय चुनावी बांड के माध्यम से भाजपा के बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के उजागर कर विरोध किया गया। जिला अध्यक्ष अशोक राम ने कहा कि आज माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भाजपा का चाल चरित्र और चेहरा को उजागर करने का काम किया है हमारे नेता माननीय राहुल गांधी जी ने कहा था कि मोदी सरकार केवल दस पन्द्रह उधोग पतियों के लिए काम करतीं हैं जो आज कि फैसला ने मोहर लगा है अब इस खुले भ्रष्टाचार को गांव और पंचायत स्तर पर पहुंचाना है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में सत्य प्रकाश राय जितेंद्र शर्मा बिरेन्द्र मिश्रा रजी अहमद सीनेट सदस्य संतोष तिवारी श्रीधर तिवारी रतन धामालीया रविन्द्र कुमार रवि सत्यनारायण सिन्हा उपेन्द्र सिंह रविन्द्र तिवारी उपेन्द्र कुमार बिरेन्द्र तिवारी बिरेन्द्र पांडेय आदि लोग उपस्थित थे।

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) भोजपुर कार्यकर्ता सम्मेलन का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवददाता

आरा। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा की ओर से आरा मे कार्यकर्ता सम्मेलन बहुत ही जोरदार तरीके से हजारों की संख्या मे सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमे मुख्य अतिथि शसंतोष कुमार सुमन राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मंत्री बिहार सरकार सादर आमंत्रित थे वही कताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी शाहाबाद जिले में मजबूती से प्रदर्शन करेगी और कार्यकताओं से कहा कि आप लोग पार्टी के लिए जोरदार मेहनत करें मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हम भोजपुर जिला में अपनी पार्टी को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं अगर हमारी पार्टी हर गांव जिले में मजबूत होगा तो हम अपना उम्मीदवार भी खड़ा करने के लिए तैयार है साथ ही पिंटू कुमार भोजपूर प्रभारी, गीता पासवान, महिला मोर्चा अध्यक्ष, जलाध्यक्ष महेश्वर मिश्रा, प्रधान महासचिव प्रकाश ओझा, जिला महासचिव सह प्रवक्ता अभिषेक उपाध्याय, राष्ट्रीय सचिव अभिषेक पांडे, पटना मिडीया प्रभारी गिरधारी सिंह, अजीत चौधरी, सुमित कुमार, संजय कुमार, पिंकू शर्मा, सत्येंद्र कुमार, बिनोद कुमार, संकल्प ओझा, सरोज कुशवाह, और समस्त कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

माधव बाल संस्कार केन्द्र में बच्चों को दी जायेगी नि:शुल्क शिक्षा

काराकाट (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के मानिक परासी गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में माधव बाल संस्कार केन्द्र का स्थापना किया गया। इस केंद्र में सभी बच्चों को निशुल्क शिक्षा दिया जाएगा। केंद्र का उद्घाटन जिला सेवा प्रमुख अनिल कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर पालक शुभम तिवारी ने बच्चों के बीच काफी, कलम और कई पाठ्य सामग्रियों का वितरण किया। मौके पर केन्द्र के शिक्षक बीरेंद्र तिवारी, हेमंत तिवारी, मंगेश शर्मा सहित कई लोग थे। गौरतलब हो कि प्रखंड के अमरथा में पूर्व से हीं केशव बाल संस्कार केन्द्र चल रहा है। पालक पारसनाथ पासवान ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से वहां ग्रामीण बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जाती है। जो कमजोर वर्ग के बच्चों को निशुल्क पाठ्य सामग्री भी दिया जाता है।

आपसी विवाद में एक व्यक्ति को चाकू मार किया जख्मी, हालत गंभीर

घटना को अंजाम देने वाला आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवददाता

दिनारा (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के नटवार पुलिस ने शनिवार को आपसी विवाद व मारपीट के दौरान चाकू के प्रहार से एक व्यक्ति को जख्मी करने के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपित रामगढ गांव निवासी विवेक पटेल के पुत्र प्रिंस कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के रामगढ गांव में दो पक्षों के आपसी विवाद व मारपीट में दौरान चाकू के प्रहार से राजेंद्र चौधरी नामक व्यक्ति गम्भीर रूप से जख्मी हो गए।जिसका इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दिनारा कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिया।घटना को लेकर जख्मी व्यक्ति की पत्नी राजकुमारी देवी की लिखित आवेदन पर रामगढ निवासी प्रिंस कुमार सहित एक अन्य के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी, पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।वहीं दूसरे की गिरफ्तारी हेतु प्रयास कर रही है।

विधायक सह पूर्व कृषि मंत्री ने फीता काटकर ज्ञान सागर लाइब्रेरी एंड क्लासेस का किया उद्घाटन

कैमूर जिले के रामगढ़ प्रखंड स्थित जीबी कॉलेज के समीप शनिवार को ज्ञान सागर लाइब्रेरी एंड क्लासेस का उद्घाटन किया गया जिसका मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक सह पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने फीता काट कर किया, लाइब्रेरी एंड क्लासेस खुलने से क्षेत्र के बच्चों को तैयारी करने में होगी सुविधा वही ज्ञान सागर लाइब्रेरी क्लासेस के डायरेक्टर लव कुश साह ने बताया कि लाइब्रेरी खोलने का मुख्य उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के प्रति आगे बढ़ाना ,इस इंस्टिट्यूट में कंपटीशन की तैयारी कराई जाएगी , क्लास 8,9,10, और 11 और 12 सहित एसएससी जीडी, रेलवे बैंक एसएससी, एसटीईटी, इत्यादि की तैयारी कराई जाएगी कोचिंग की व्यवस्था जिसमें ढाई सौ सीट है जिसमें सारा व्यवस्था लगा हुआ है पानी वाईफाई फुल ऐसी है वह 24 घंटा बच्चों के लिए व्यवस्था दी जाएगी, जिसका शुल्क 400 रुपया महीना लिया जाएगा। तैयारी करने आए छात्र ने बताया कि यहां अच्छा व्यवस्था है लॉकर की व्यवस्था है और हम लोग अपना किताब ओग्रह लॉकर में बंद कर चले जाते प्रत्येक बच्चों के लिए सुविधा दिया गया है उसमें व्यवस्था से हम लोग बहुत खुश है मौके पर लवकुश साह महातिम सिंह, अजय कुमार सिंह रमेश सिंह यादव ,फुलगेन सिंह सच्चितानंद सिंह गाजा सिंह सिंह प्रकाश इत्यादि लोग मौजूद है।

जननायक कर्पूरी ठाकुर की 36वीं पुण्यतिथि समारोह का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवददाता

आरा। भारत रत्न, स्वतंत्रता आंदोलन सेनानी, पूर्व मुख्यमंत्री, बिहार सरकार , जननायक कपूरी ठाकुर की 36 वीं पुण्यतिथि समारोह स्थानीय लोक नायक जय प्रकाश नारायण प्रतिमा स्थल आरा में जनता दल यूनाइटेड अति पिछड़ा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष भोला शंकर पाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई । सर्व प्रथम भारतरत्न , जननायक कपूरी ठाकुर की तैल चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।माल्यार्पण समारोह के मुख्य अतिथि जनता दल यूनाइटेड अति पिछड़ा प्रकोष्ठ बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद सिंह चंद्रवंशी ने बताया कि दुनिया में एक ऐतिहासिक आदर्श पुरुष और उनके गांधीगिरी संघर्ष आजाद भारत के लोकतंत्र में जाति बिहिन, अर्थ विहीन समाज में रहते हुए परिवार से उपर उठकर भारत के राजनीति में 1952 से लेकर आजीवन सकारात्मक सोच रखते हुए 1988 तक जनप्रतिनिधि रहते हुए विधायक , सांसद, बिहार सरकार के मंत्री , और बिहार सरकार में दो बार मुख्य मंत्री रहते हुए शोषित, पीड़ित, बांचितों के रहनुमा बन कर झोपड़ी के लाल, गुदड़ी के लाल ,और सर्वमान्य नेता बन कर जनहित और राष्ट्रहित कार्य में सक्रिय राजनीति को सकारात्मक सोच रखते हुए जननायक ,और भारत रत्न की उपाधि को सुशोभित किया। समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार सरकार के कार्यकाल में और उनके मरणोपरांत 36 वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री , सर्वमान्य नेता नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारतरत्न की उपाधि से विभूषित हुए हैं।

ऐसी मान्यता के प्रति आज उनके पुण्यतिथि समारोह के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार के साथ साथ दोनों नेताओं को ढेर सारी शुभकामनाएं दी गई। समारोह में पूर्व मंत्री, भगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि आज झोपड़ी के लाल, जननायक ,स्वतंत्रता आंदोलन सेनानी , और भारत रत्न, पूर्व मुख्यमंत्री कपूरी ठाकुर के विचार सराहनीय कदम है जो ऐतिहासिक पुरुष माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार बिहार सरकार द्वारा अधिकृत कार्य योजनाओं को गांव गरीब, खेत खलिहानों तक जल जीवनहरियाली और हर हाथ को काम _रोजगार की गारंटी तथा हर खेत को बिजली_ पानी दिया जो ज्योतिबा फूले_ सावित्री बाई फुले, महात्मा गांधी, डॉक्टर अंबेडकर, डॉक्टर लोहिया, लोकनायक जय प्रकाश नारायण, और मिसाइल मैन पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर ए पी जे अब्दुल कलाम का सपना को साकार करने में आज माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार बिहार सरकार विकास योजनाओं के लिए प्रेरणा श्रोत हैं। जदयू नेता भीम पटेल ने कपूरी ठाकुर को महामानव बताया । अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष भोला शंकर पाल ने कहा कि आज पूरे देश के शहीदों, महा-विभूतियों के प्रति मेरा शत शत नमन करते हुए कहा कि जननायक कपूरी ठाकुर का व्यक्तित्व और नैतिकता से हम सभी को आज का दिन जनता दल यूनाइटेड के सम्मानित साथियों को झोपड़ी के लाल जननायक कपूरी ठाकुर के तैल चित्र के समक्ष उपस्थित जदयू नेता और कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी को संकल्प लेने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आगामी 2024 का लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए समाजवादियों के विचार को लेकर गांवों और शहरों में रहने वाले समाज सेवियों को डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की जन्मोत्सव पर भोजपुर जिला स्तरीय समारोह आगामी दिनांक 2 3 मार्च को प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण समारोह एवं उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा में भाग लेने पहुंचे और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गांव गांव में जाकर जागरूकता अभियान चलाने का कार्यक्रम " महा- विभूतियों का विचार बचाओ देश बचाओ " कार्यक्रम सफलता की तैयारी हेतु जन संपर्क अभियान चलाने का आह्वान किया।

दशरथ मांझी नाट्य महोत्सव का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ समापन

पटना। सांस्कृतिक संस्था लोक पंच द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से दिनांक 14 फरवरी 2024 से 17 फरवरी 2024 तक 4 दिवसीय दशरथ मांझी नाट्य महोत्सव का आयोजन छकूबीघा, दाउदनगर, औरंगाबाद में हुआ। सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत मुख्य गायको में अमित सिंह, अभिषेक राज, दीपा, देवेन्द्र चौबे एवं लोक पंच के साथी द्वारा लोक गीत एवं नृत्य की प्रस्तुति की गयी। ग्रामवासी नाचते झूमते नजर आए। गीत - लाली लाली होठवा पर बरसेला ललईया हो कि रस चुवेला, रहे अपने धुन में मगन मोरे सैयां, पग पग लिए जाऊं तोहरी बलईया, टिकवा जब-जब मांगईलूगे जटिन टिकवा कहे ना पेहेलेगे। ऐसे गीत संगीत एवं नृत्य के कार्यक्रम से ग्राम वासियों ने भरपूर आनंद लिया।

किसानों ने 47 वां दिन अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा

प्रात : किरण संवददाता

चांद : उचित मुआवजा को लेकर किसान पिछले 47 दिन से अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हुए हैं। किसानों ने शनिवार को अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा। धरना पर बैठे दर्जनों किसानों ने आंदोलन की प्रतिबद्धता को दोहराया। धरना पर बैठे किसान भुपेंद्र सिंह अवधेश कुमार सिंह आदि ने कहा जबतक सरकार किसानों को खमदौरा गांव पावर ग्रिड के दिया गया 1 करोड़ 28 लाख प्रति एकड़ मुआवजा नहीं देगी। किसानों ने कहा बिना उचित मुआवजा मिले एक इंच सड़क काम नहीं होने दिया जाएगा। भारत माला परियोजना एक्सप्रेस-वे निर्माण एवं एन एच 219 बाईपास एवं चौरी करण में किसानों का सैकड़ों एकड़ भूमि अधिग्रहण किया गया है।

भूमि अधिग्रहण में किसानों को 2013 सर्किल रेट पर मुआवजा दिया जा रहा। मुआवजा बाजार मूल्य से बहुत कम होने से किसान लगातार आंदोलन कर रहे हैं। किसानों ने 2 जनवरी से अनिश्चितकालीन धरना जारी रखे हुए हैं।

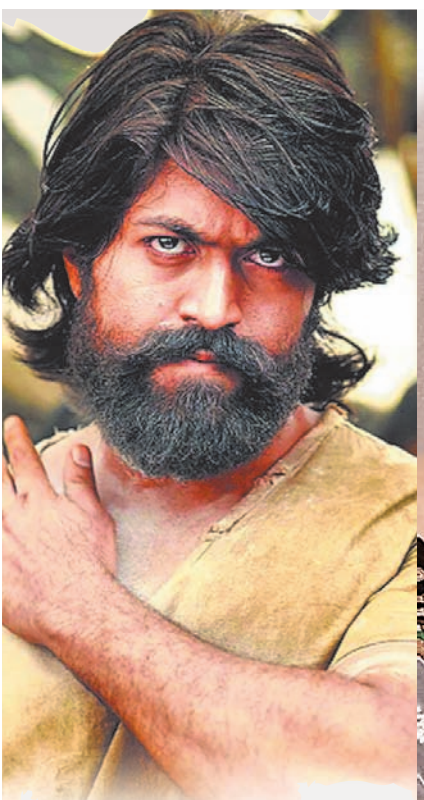

यश ने कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के बारे में बात की

केजीएफ फेम यश इस समय देश के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। केजीएफ फ्रेंचाइजी की अपार सफलता के बाद, रॉकी भाई यश भारत में लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो गए हैं। ऐसे में अब यश ने फिल्म इंडस्ट्री के स्ट्रगल और नए लोगों को मौका देने के विषय में अपने विचार साझा किए।

यश की फिल्म केजीएफ एक जबरदस्त ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी

यश ने कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के बारे में कहा- जिस तरह से डिस्ट्रिब्यटर्स कन्नड़ फिल्मों को अब देख रहे हैं, उम्मीद लगाई जा सकती है कि हम अगले बड़े लेवल पर जाने को तैयार हैं। देश के लोगों ने भी हमारी कन्नड़ भाषा की फिल्मों पर प्यार जताकर, हमें काफी शक्ति दी है। मुझे ऐसा लगता है अब हम लोगों को सारा बोझ केवल 2-3 बड़े स्टार्स पर नहीं डालना चाहिए।

यश ने नए टैलेंट को मौका देने पर बात की

यश ने इंडस्ट्री में नए टैलेंट को मौका देने के लिए भी कहा। उन्होंने डायरेक्टर प्रशांत नील द्वारा अपनी फिल्मों को खुले तौर पर बढ़ावा देने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा- हमें नई प्रतिभाओं का भी समर्थन करना चाहिए। नए टैलेंट शुरुआत में ज्यादा से ज्यादा कोशिश करते हैं। लेकिन अगर उन्हें मौका नहीं मिलता है, तो वे इस इंडस्ट्री के बाहर अवसरों की तलाश में भी लग जाते हैं। यदि हम प्रशांत नील की पहली फिल्म उग्रम की बात करें तो, शुरुआत में किसी ने सैटेलाइट राइट्स नहीं खरीदे थे। प्रशांत ने खुद ही उस फिल्म का निर्माण किया, और मुझे पता है कि उन्होंने इसके लिए कितना संघर्ष किया। इसे बहुत बाद में दूसरी पार्टी द्वारा खरीदा गया था। फिर चन्नस्र आई। एक ऐसी फिल्म जो काफी सफल रही। इस फिल्म ने उनके लिए अच्छा काम किया क्योंकि सभी को उन पर और उनकी प्रतिभा पर विश्वास था। नहीं तो वो दूसरे विकल्पों की ओर चले जाते। इसलिए मुझे लगता है टैलेंट को बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी है।

यश के आने वाले प्रोजेक्ट्स

यश साल 2022 में केजीएफ चैप्टर-2 में नजर आए थे। ये एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, रवीना टंडन और श्रीनिधि भी नजर आए थे। यश जल्द ही डायरेक्टर गीतू मोहनदास की फिल्म टॉक्सिक में दिखाई देने वाले हैं। टॉक्सिक, एक गैंगस्टर बेस्ड एक्शन फिल्म होगी जो कि गोवा के बैकग्राउंड पर बेस्ड होगी। यश डायरेक्टर नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में भी नजर आएंगे। वो फिल्म में रावण का किरदार निभाते दिखेंगे।

एक्शन फिल्मों में महिलाओं का विकास प्रेरणादायक है

एमी जैक्सन अपनी अपकमिंग फिल्म क्रैक में सख्त पुलिस अफसर का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि एक्शन फिल्मों में महिलाओं का विकास प्रेरणादायक है, क्योंकि उन्हें सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं रखा गया है। एमी ने बताया, एक्शन फिल्मों में महिलाओं का विकास सशक्त है। यह देखना प्रेरणादायक है कि अब एक्ट्रेस केवल ग्लैमर तक सीमित रहने के बजाय मजबूत, प्रभावशाली भूमिकाएं निभा रही हैं। 2010 में तमिल फिल्म मद्रासपट्टिनम से अपनी शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि महिलाएं पर्दे पर पुरुष अभिनेताओं के बराबर प्रतिनिधित्व करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, सभी उम्र की महिलाएं स्क्रीन पर प्रतिनिधित्व महसूस करना चाहती हैं और एक एक्ट्रेस को भूमिका निभाते हुए देखना चाहती हैं, क्योंकि सिनेमा में समानता के लिए आकर्षक होना महत्वपूर्ण है। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित अपकमिंग फिल्म में एमी अपने को-स्टार्स विद्युत जामवाल, अर्जुन रामपाल और नोरा फतेही के साथ स्टंट करती नजर आएंगी। जोखिम को देखते हुए एक एक्टर के लिए किसी भूमिका में कितना निवेश करना बहुत अधिक है? इस पर उन्होंने कहा, किसी भूमिका में स्पोर्ट्स और स्टंट के संतुलन को बनाए रखना जरूरी है। सुरक्षा को प्राथमिकता देना और सीमाओं का ध्यान रखना जरूरी है। विद्युत जामवाल जैसे अनुभवी एक्टर के साथ सहयोग करना पूरे अनुभव को बेहतर बनाता है। एक्शन कोरियोग्राफी को अंजाम देने में उनकी अद्वितीय विशेषज्ञता न केवल निर्देशक और कहानी में विश्वास पैदा करती है, बल्कि अभिनेताओं को अपने स्टंट खुद अपनाने के लिए भी सशक्त बनाती है।

हुमा कुरैशी ने किया दीपिका के बयान का समर्थन

करण जौहर के चेट शो 'कॉफी विद करण 8' में एक्टर रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के एपिसोड को पसंद तो किया गया, लेकिन इसे आलोचना भी झेलनी पड़ी थी। दीपिका के उस बयान की आलोचना हुई, जो उन्होंने अपने पति रणवीर सिंह के लिए दिया। दीपिका ने कहा कि रणवीर से अपने शुरुआती दौर के रिश्ते में एक ऐसा समय भी था, जब वह दूसरे लड़कों को देख रही थीं। हालांकि उनका कमिटमेंट हमेशा रणवीर के प्रति ही था और दोनों एक-दूसरे की तरफ आकर्षित होते थे। बेशक दीपिका ने इसके लिए आलोचना झेली, लेकिन अब एक्ट्रेस हुमा कुरैशी दीपिका के समर्थन में आ गई हैं।

अब इतना पीछे भी मत पड़ो

हुमा को लगता है कि ट्रोल्स को अक्सर ये नहीं पता होता कि उन्हें क्या चाहिए। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान हुमा ने इस पर नाराजगी जताई और कहा,'अब क्या बोल सकते हैं। ये सब बेकार की बात है। मुझे लगता है कि जैसा वो सोच रहे हैं, बस उस तरह का मजेदार खाना परोस कर उन्हें दे दो। मुझे नहीं समझ आता कि यह सब क्या है।' हुमा कहती हैं कि बिना किसी कारण के किसी के पीछे पड़ना या आलोचना करना ठीक नहीं है। अगर कोई काली ड्रेस पहनता है, तो उसे ट्रोल कर दो, अगर कोई काली ड्रेस नहीं पहनता है, तो उसे ट्रोल कर दो। मतलब उसका पीछा मत छोड़ो।

इसके अलावा, हुमा के काम की बात करें, तो उनकी आने वाली फिल्म 'पूजा मेरी जान' है। हाल ही में उन्होंने एक वेब सीरीज 'महारानी 3' भी की है। यह जल्द ही ओटीटी प्लैटफॉर्म पर दिखाई जाएगी। इसमें उनके को-स्टार विनीत कुमार, अनुजा, दिब्येंदू भट्टाचार्य हैं। इससे पहले, हुमा बॉलीवुड में कई अच्छी फिल्में कर चुकी हैं। इनमें 'जॉली एलएलबी 2','गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'एक थी डायन' और 'बदलापुर' जैसी फिल्में शामिल हैं। इनमें हुमा के अभिनय की काफी तारीफ भी हुई है। वहीं, दीपिका की हालिया रिलीज फिल्म 'फाइटर' है जिसमें वह ऋतिक रोशन के साथ नजर आईं। रितिक और दीपिका दोनों के एक्शन सीन्स को फिल्म में काफी पसंद किया गया।

आलिया भट्ट ने पोचर से जुड़ने पर दिया ये बयान

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। अभिनय के साथ-साथ उन्होंने प्रोडक्शन में भी कदम रखा है। आलिया आगामी वेब सीरीज पोचर से कार्यकारी निर्माता के तौर पर जुड़ी हैं। एमी पुरस्कार विजेता निर्माता-निर्देशक रिची मेहता की वेब सीरीज पोचर हाथी दांत के सबसे बड़े शिकार गिरोह की सत्य घटना पर आधारित है। आलिया ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन विकल्पों को लेकर बात की है। आलिया भट्ट से हाल ही में एक बातचीत के दौरान पूछा गया कि कैसे डार्लिंग्स, जिगरा के बाद अब पोचर जैसी कहानी के साथ वह बतौर कार्यकारी निर्माता जुड़ी हैं। कौन सी चीज उन्हें इन कहानियों को लेकर आकर्षित करती हैं। इसपर आलिया ने कहा कि पोचर के साथ उनकी भागीदारी यूनिक थी, क्योंकि वह इसके निर्माण के बाद इस परियोजना में शामिल हुईं। आलिया ने कहा, पोचर के साथ यात्रा थोड़ी अलग है, क्योंकि मैं इसके निर्माण के बाद बोर्ड पर आई थी, लेकिन जिस इरादे से मैं बोर्ड पर आई थी वह डार्लिंग्स जैसी फिल्मों या जिगरा जैसी फिल्म के समान ही है, जो इसकी भावनात्मक है। एक व्यक्ति के रूप में इसने मेरे साथ यही किया, शो देखने के बाद मैंने जो प्रतिक्रिया व्यक्त की वह एक कार्यकारी निर्माता के रूप में नहीं थी, एक इंसान के रूप में थी क्योंकि मैं पहले एक दर्शक हूं उसके बाद अन्य सभी शीर्षक आते हैं। वेब सीरीज पोचर का ट्रेलर गुरूवार को मुंबई में लॉन्च हुआ, जिसमें हाथियों की निर्मम और लगातार हो रही हत्या की दिल दहला देने वाली सच्चाई की एक झलक देखने को मिली। ट्रेलर लॉन्च के दौरान आलिया भट्ट ने कहा कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे और मेरे प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन की पूरी टीम के लिए बहुत सम्मान की बात है। वेब सीरिज पोचर 23 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर शुरू होने वाली है।

भूल भुलैया-3 में अक्षय के ना होने पर बोले डायरेक्टर

2022 में रिलीज हुई फिल्म 'भूल भुलैया-2' में कार्तिक आर्यन को देखकर कई फैंस बेहद खुश थे। वहीं कुछ फैंस का मानना था कि इसमें ओरिजिनल फिल्म में लीड रोल में नजर आए अक्षय कुमार को ही लीड रोल प्ले करना चाहिए था। फिल्म रिलीज होने से पहले कार्तिक और अक्षय के बीच खूब कंपैरिजन किया गया। हालांकि, रिलीज के बाद यह फिल्म सुपरहिट रही। अब इसके तीसरे पार्ट में भी कार्तिक आर्यन ही लीड रोल में नजर आने वाले हैं। ऐसे में एक बार फिर से इस बात को लेकर बहस शुरू हो गई है कि मेकर्स को इस फ्रेंचाइजी में अक्षय कुमार को वापस लाना चाहिए। अक्षय 2007 में रिलीज हुए इस फिल्म के फर्स्ट पार्ट में साइकेट्रिस्ट डॉ. आदित्य श्रीवास्तव के रोल में नजर आए थे। अक्षय 2007 में रिलीज हुए इस फिल्म के फर्स्ट पार्ट में साइकेट्रिस्ट डॉ. आदित्य श्रीवास्तव के रोल में नजर आए थे।

अक्षय के लिए स्क्रिप्ट नहीं लिख पा रहा हूं

हाल ही में जूम को दिए एक इंटरव्यू में डायरेक्टर अनीस बज्मी ने फिल्म के सीक्वल्स में अक्षय कुमार के ना होने पर बात की। बज्मी ने कहा, 'अक्षय कुमार इस फिल्म के थर्ड पार्ट का भी हिस्सा नहीं हैं। मैं उनके साथ काम करने के लिए मर रहा हूं पर बदकिस्मती से मैं एक ऐसी स्क्रिप्ट नहीं तैयार कर पा रहा हूं जिस पर हम साथ काम करें। शायद फ्यूचर में ऐसा कोई दिन आए।'

तुरंत इस रोल के लिए तैयार हो गई थीं विद्या

बज्मी ने इस इंटरव्यू में फिल्म के थर्ड पार्ट में विद्या बालन के लौटने पर भी बात की। बज्मी ने कहा, 'विद्या ने फिल्म में सिर्फ 3 दिन का रोल करने के लिए हामी भरी है। मुझे याद है जब मैंने उन्हें कॉल किया था तो वो बिना समय गंवाए यह रोल करने के लिए तैयार हो गई थीं।'

माधुरी दीक्षित और सारा अली खान भी आ सकती हैं नजर

इसके अलावा फिल्म को लेकर चर्चा है कि इसमें माधुरी दीक्षित भी अहम रोल में नजर आ सकती हैं। मिड डे की एक रिपोर्ट की मानें तो इस बार रूह बाबा बने कार्तिक, फिल्म में दो भूतों से लड़ते नजर आएंगे। एक का किरदार विद्या बालन और दूसरे का किरदार माधुरी दीक्षित निभाएंगी। फिल्म मार्च से फ्लोर पर जाएगी। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि फिल्म के थर्ड पार्ट में कार्तिक की एक्स गर्लफ्रेंड सारा अली खान, कियारा आडवाणी को रिप्लेस कर सकती हैं।

शक्तिमान का रोल करेंगे रणवीर सिंह

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर रणवीर सिंह जल्द ही शक्तिमान पर बन रही फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो रणवीर इस फिल्म की शूटिंग अगले साल 2025 में शुरू करेंगे। फिलहाल वो रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही फिल्म सिंघम अगेन की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो जल्द ही पूरी होगी। हाल ही में बॉलीवुड न्यूज वेबसाइट ने फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र के हवाले से लिखा है कि रणवीर सिंह अपकमिंग फिल्म में शक्तिमान का रोल प्ले करने वाले हैं। वो मार्च 2025 के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे, क्योंकि इससे पहले वो दो बड़ी फिल्मों सिंघम अगेन और डॉन 3 की शूटिंग करने वाले हैं। फिलहाल रणवीर सिंह फिल्म रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनने वाली कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन की शूटिंग की तैयारी कर रहे हैं। उनका 50 दिनों का शूटिंग शेड्यूल अभी बाकी है, जो वो अप्रैल तक पूरा कर लेंगे। वहीं वो फिल्म का कुछ हिस्सा पहले ही शूट कर चुके हैं। वो फिल्म में एक्सटेंडेड कैमियो कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन-करीना कपूर लीड रोल में हैं, जिनके साथ रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं।

सिंघम अगेन के बाद करेंगे डॉन 3 की शूटिंग

सिंघम अगेन की शूटिंग खत्म करने के बाद रणवीर फिल्म डॉन 3 की शूटिंग शुरू करेंगे। इस फिल्म को फरहान अख्तर डायरेक्ट कर रहे हैं। शूटिंग से पहले वो कुछ दिनों तक वर्कशॉप लेने वाले हैं। रणवीर, फिल्म डॉन 3 करने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं और वो अपने हिस्से से कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते। ये फिल्म, डॉन फ्रैंचाइजी की तीसरी जनरेशन होने वाली है। सबसे पहले अमिताभ बच्चन ने डॉन का किरदार निभाया था, जिसके बाद शाहरुख खान ने उनकी जगह ली थी। अब रणवीर भी डॉन बन रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग इसी साल अगस्त या सितंबर में शुरू होने वाली है। साल 2022 में सोनी पिक्चर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म शक्तिमान की अनाउंसमेंट की थी। रिपोर्ट्स की मानें तो ये एक मेगा बजट फिल्म होगी, जिसे 200-300 करोड़ के बजट में तैयार किया जाएगा। ये फिल्म साल 1997 में पॉपुलर शो शक्तिमान के सुपरहीरो कैरेक्टर पर आधारित होगी। शो में मुकेश खन्ना ने शक्तिमान का रोल प्ले किया था।

किसी भी स्तर पर इंडस्ट्री में काम करना आसान नहीं है

एक्ट्रेस मौनी रॉय, जो अपने अपकमिंग स्ट्रीमिंग शो शोटाइम के लिए तैयारी कर रही हैं, ने कहा कि कल्पना के किसी भी स्तर पर इस इंडस्ट्री में काम करना आसान नहीं है क्योंकि हर दिन एक नई चुनौती है और यह अपने कलाकारों से बहुत कुछ डिमांड करती है। मौनी रॉय ने कहा, मुझे टाइपकास्ट कर दिया गया है, हां बिल्कुल। लेकिन, मैं उन निर्देशकों के मामले में भी बहुत भाग्यशाली रही हूं, जिनके पास मुझे अलग-अलग भूमिकाओं में देखने का नजरिया है। हां, मेरा मतलब है, जैसा कि यह एक निष्पक्ष इंडस्ट्री हो सकती है, लेकिन, मैं सचमुच मानती हूं कि यह एक बहुत ही मुश्किल इंडस्ट्री है। कड़ी मेहनत के साथ-साथ इसमें बहुत सारी चुनौतियां भी आती हैं। यह वह संघर्ष है, जिसे आप नकार नहीं सकते। उन्होंने आगे कहा, कड़ी मेहनत का कोई शॉर्टकट नहीं है, जिसे आप अपना सकते हैं। मेरा सचमुच मानना है कि काम से ही काम बनता है। जब आप किसी प्रोजेक्ट पर फोकस करते हैं, चाहे वह डांस हो या एक्टिंग, अगर आप अपना 100 प्रतिशत देते हैं, अगर आप अपना करेक्टर बखूबी से निभाते हैं और उसे सही ठहराते हैं, तो मुझे लगता है कि देर-सबेर आप सफल हो ही जाएंगे। यही मेरे जीवन का एकमात्र मंत्र रहा है। सीरीज शोटाइम में इमरान हाशमी, महिमा मकवाना, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

सेंसेक्स
71555.19 पर बंद
निफ्टी
21743.30 पर बंद

सोना
62,264
चांदी
71,480

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद में भंडारण स्थानों की मांग पिछले साल 5 प्रतिशत घटी : वेस्टियन

नई दिल्ली स्पाइसजेटदेश में तीन प्रमुख दक्षिणी शहरों बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई में भंडारण स्थानों की मांग पांच प्रतिशत गिरकर 1.02 करोड़ वर्ग फुट हो गई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कैलेंडर वर्ष 2022 में यह 1.07 करोड़ वर्ग फुट थी। रियल एस्टेट सलाहकार वेस्टियन के आंकडों के अनुसार, इन तीन दक्षिणी शहरों की हिस्सेदारी पिछले वर्ष के 34 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 27 प्रतिशत हो गई। वहीं सात प्रमुख शहरों में गोदाम और लॉजिस्टिक्स स्थानों का पट्टा पिछले वर्ष के 3.12 करोड़ वर्ग फुट से 2023 में 21 प्रतिशत बढ़कर 3.78 करोड़ वर्ग फुट हो गया। वेस्टियन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीनिवास राव ने कहा, ''केंद्रीय बजट 2024-25 से अगले कुछ वर्षों के लिए दिशा तय होने की उम्मीद है। अंतरिम बजट में बुनियादी ढांचे के विकास की हालिया घोषणाओं का इस क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, राव ने आगाह किया, ''2024 भारतीय भंडारण क्षेत्र के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष हो सकता है क्योंकि 2023 में निवेश में गिरावट का रुख रहा।

2,000 रुपये का शेयर पांच नए शेयरों में स्प्लिट होगा, एफएमसीजी कंपनी ने रिकॉर्ड डेट तय की

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनी के मौजूदा इक्विटी शेयरों के सब-डिविज़न/स्टॉक डिविज़न के लिए इक्विटी शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए शुक्रवार, 08 मार्च, 2024 को रिकॉर्ड डेट के रूप में तय किया है. फूड प्रोडक्ट का कारोबार करने वाली मनोरमा इंडस्ट्रीज के शेयरों में कंपनी द्वारा 1ः5 की लिमिट में स्टॉक सब-डिविजन की घोषणा के बाद एक ही दिन में 10त्न की बढ़ोतरी हुई. Manorama Industries Ltd के शेयर 8.31 प्रतिशत बढ़कर 2,028.00 रुपए के लेवल पर क्लोज़ हुए. इस दौरान शेयर की कीमत 8.31त्न की बढ़त हुई. कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट रिवॉर्ड के लिए योग्य शेयरधारकों को निर्धारित करने के लिए अपनी रिकॉर्ड डेट भी तय कर दी है. Manorama Industries की नियामक फाइलिंग के अनुसार कंपनी ने कंपनी के मौजूदा इक्विटी शेयरों के सब-डिविज़न/स्टॉक डिविज़न के लिए इक्विटी शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए शुक्रवार, 08 मार्च, 2024 को रिकॉर्ड डेटः के रूप में तय किया है, जैसे कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर को 1 ः 5 में सब डिवाइड करके प्रति इक्विटी शेयर की 2 रुपए फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयरों में सब-डिवाइड किया जाएगा. यह स्टॉक 8 मार्च को एक्स-स्प्लिट हो जाएगा. वित्त वर्ष 2024 के 9 महीनों के दौरान राजस्व सालाना आधार पर 31.6त्न की वृद्धि दर्ज करते हुए 3,277.5 मिलियन रुपये रहा. कंपनी ने रूस, लैटिन अमेरिका, जापान और यूरोप के घरेलू और निर्यात बाजारों में बेहतर बिक्री और बढ़ी हुई मांग का के कारण बिज़नेस बढ़ता देखा. 2005 में स्थापित एमआईएल विशेष वसा और मक्खन और विदेशी उत्पादों के निर्माण में वैश्विक अग्रणी है ।

अमेरिका और चीन के बाद डिजिटलीकरण को अपनाने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बना भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक रैंकिंग में सुधार के साथ अब भारत जी20 देशों में अमेरिका और चीन के बाद डिजिटलीकरण को अपनाने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। डिजिटलीकरण ने प्रगति की है लेकिन जिस तरह से इसे विश्व स्तर पर मापा जा रहा है, उसमें प्रगति नहीं हुई है।

अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों पर भारतीय अनुसंधान परिषद और वैश्विक उपभोक्ता इंटरनेट समूह प्रोसस की रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश वैश्विक सूचकांक भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की स्थिति 2024 के अनुसार विकासशील देशों के अपनाए गए डिजिटलीकरण के मार्ग को पूरी तरह से नहीं अपना पाते हैं।

नैसकॉम के अध्यक्ष देबजानी घोष ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा, दुनिया अभी भी वास्तव में नहीं समझ पाई है कि प्रौद्योगिकी ने भारतीयों के दैनिक जीवन में खुद को कैसे शामिल कर लिया है, जो मेरे लिए वास्तविक डिजिटल अर्थव्यवस्था है। भारत वास्तव में एक डिजिटल मूल देश है, इस

प्रौद्योगिकी को न केवल युवा अपना रहे हैं बल्कि बुजुर्ग भी इसमें पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा, ÷जब आप भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के बारे में सोचते हैं, तो आपको प्रभाव और आजीविका के नजरिए से सोचना चाहिए।

रिपोर्ट ने जी20 देशों के साथ-साथ भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के संबंध में भारत के डिजिटल परिवर्तन के पैमाने और गहराई को निर्धारित किया। यह दृष्टिकोण भारत जैसे विकासशील देशों के लिए अनुकूल है क्योंकि यह डिजिटलीकरण द्वारा उत्पन्न अवसरों और जोखिमों दोनों को पकड़ता है।

आईसीआरआईईआर-प्रोसस सेंटर फॉर इंटरनेट एंड डिजिटल इकोनॉमी (आईपीसीआईडीई) की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक सूचकांकों के विपरीत यह दो अलग-अलग सूचकांकों का प्रस्ताव करके अर्थव्यवस्था के व्यापक स्तर पर नेटवर्क के पैमाने और प्रौद्योगिकी के उपयोग की चौड़ाई को पहचानता है, एक अर्थव्यवस्था के व्यापक स्तर पर डिजिटलीकरण को मापने के लिए और दूसरा उपयोगकर्ता-स्तर है।

आईसीआरआईईआर के चेयरपर्सन प्रमोद भसीन ने कहा, नवाचार, सरकारी सहायता, वित्तीय पहुंच और कौशल के मामले में पहले ही बड़ी मात्रा में काम किया जा चुका है। एक उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत ने वास्तव में डिजिटल युग में छलांग लगा दी है। 700 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इंटरनेट नेटवर्क है। अक्टूबर 2022 में लॉन्च होने के बाद, इसने 5जी के सबसे तेज रोलआउट में से एक भी देखा है।

जी20 की अध्यक्षता के दौरान, भारत को सार्वजनिक सेवाओं की बड़े पैमाने पर डिलीवरी के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के चैंपियन के रूप में मान्यता दी गई थी। इसने आधार प्रणाली के माध्यम से 1.3 बिलियन से अधिक बायोमीट्रिक आईडी जारी किए हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत में 83 बिलियन से अधिक यूपीआई लेनदेन हुए, जो किसी देश के लिए वास्तविक समय डिजिटल भुगतान की सबसे अधिक मात्रा है ।

फ्री में बनवाएं आधार कार्ड, नहीं लगेगा एक भी पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। आधार कार्ड एक जरूरी डॉक्यूमेंट है। आज लगभग हर जगह हमें इसकी जरूरत होती है। अगर आप आधार कार्ड बनवाने के लिए बैंक या पोस्ट ऑफिस में जाते हैं तो वहां आपसे इसके लिए मामूली शुल्क लिया जा सकता है। आज हम आपको बताएंगे कि आप फ्री में आधार कार्ड कहां से और कैसे बनवा सकते हैं।

देशभर में यूनिक आइडेंटीफिकेशन अथारिटी ऑफ इंडिया आधार संख्या जारी करती है। अगर आप पहली बार आधार के लिए रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं तो यह एकदम फ्री होता है। इसके लिए आपको किसी तरह का शुल्क नहीं देना होता है। हालांकि, कार्ड प्रिंटआउट के लिए 30 रुपये का शुल्क लिया जाता है।

उदय ने देशभर में अपने कई सेंटर खोले हुए हैं। अगर आपको फ्री में आधार कार्ड बनवाना है तो आपको उदय के आधार सेंटर में जाना होगा। इसके साथ ही आप उदय के ऑथराइज्ड बैंक और पोस्ट ऑफिस में आधार इनरोलमेंट करवाते हैं तो यह फ्री है। अगर आपका आधार कार्ड खो गया है या किसी अन्य कारण से आप आधार कार्ड फिर से प्रिंट करवाना चाहते हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट, 5.24 बिलियन डॉलर घटकर 617.23 अरब डॉलर पर गया फॉरेक्स रिजर्व

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने डेटा जारी कर बताया है कि 9 फरवरी 2024 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 5.24 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है जबकि इसके पहले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में 5.73 बिलियन डॉलर का उछाल देखने को मिला था। आरबीआई ने शुक्रवार 16 फरवरी, 2024 को विदेशी मुद्रा भंडार का आंकड़ा जारी किया है। इस डेटा के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार 5.24 बिलियन डॉलर घटकर 617.23 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है जो इसके पहले हफ्ते में 622.469 बिलियन डॉलर रहा था। आरबीआई के डेटा के मुताबिक विदेशी करेंसी एसेट्स में भी भारी कमी आई है। विदेशी करेंसी एसेट्स 4.80 अरब डॉलर की कमी के साथ 546.52 बिलियन डॉलर पर आ गया है।

आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में गिरावट देखने को मिली है। आरबीआई का गोल्ड रिजर्व 350 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 47.73 बिलियन डॉलर पर आ गया है। एसडीआर में भी गिरावट आई है और ये घटकर 55 मिलियन

डॉलर घटकर 18.13 बिसियन डॉलर रहा है। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड में जमा रिजर्व में भी गिरावट आई है और ये 28 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 4.82 बिलियन डॉलर रहा है।

16 फरवरी 2024 को करेंसी मार्केट में डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती देखने को मिली है। एक डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे की मजबूती के साथ 83.01 के लेवल पर क्लोज हुआ है जो कि एक ट्रेडिंग सेशन पहले 83.05 रुपए के लेवल पर क्लोज हुआ था। विदेशी करेंसी एसेट्स में तब बड़ा बदलाव देखने को मिलता है जब आरबीआई करेंसी मार्केट्स में घरेलू करेंसी को स्टेबल करने के लिए दखल देता है। करेंसी मार्केट्स में हस्तक्षेप के चलते विदेशी करेंसी एसेट्स में बढ़ोतरी या फिर गिरावट आती है ।

आयकर विभाग ने नए आरटीआई फॉर्म में किए बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 और मूल्यांकन वर्ष 2025-26 के लिए नए आयकर रिटर्न फॉर्म जारी किए हैं। इस साल इन फॉर्मों में कुछ बदलाव किए गए हैं। आयकर दाखिल करने की समय सीमा 31 जुलाई है। अपने इस लेख में हम नए ITR Form में किए गए बदलावों के बारे में जानने वाले हैं।

नए ITR-1 फॉर्म में करदाताओं को यह बताना होगा कि उन्होने ओल्ड या फिर न्यू टैक्स रिजीम को चुना है। नई रियायती कर व्यवस्था लागू होने के बाद ये एक डिफॉल्ट विकल्प बन गया है। हालांकि, करदाताओं के पास ITR-4 दाखिल करते समय फॉर्म 10-IEA दाखिल करके पुरानी व्यवस्था से बाहर निकलने और बने रहने का प्रावधान अभी भी है।

ITR-1 सरल आय संरचना वाले व्यक्तियों के लिए एक सरलीकृत फॉर्म है। ये व्यवसाय या पेशे से आय, पूंजीगत लाभ या डुअल टैक्सेशन राहत का दावा करने वाले व्यक्तियों को पूरा नहीं करता है। इसके अतिरिक्त, अन्य पात्रता मानदंड भी हैं, जैसे-निवासी व्यक्ति होना, कुल आय 50 लाख रुपये तक होना, कृषि आय 5,000 रुपये तक होना और केवल एक घर की संपत्ति का मालिक होना। ITR-4 विशेष रूप से व्यक्तियों, HUF और फर्मों (सीमित देयता

भागीदारी के अलावा) के लिए डिजाइन किया गया है, जिन्होंने आयकर अधिनियम की धारा 44ष्ठ या 44AE के तहत अनुमानित टैक्सेशन स्कीम का विकल्प चुना है।

धारा 44 एडी के तहत अनुमानित टैक्सेशन का विकल्प चुनने वाले व्यवसायों के लिए मानदंड में आसानी है। नकद कारोबार या नकद सकल प्राप्तियों का खुलासा करने के लिए एक नया नकदी में रसीदें कॉलम जोड़ा गया है। इस योजना के लिए नकद कारोबार की सीमा 2 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपये तय कर दी गई है। हालांकि, इसमें शर्त है कि नकद प्राप्तियां पिछले वर्ष के कुल कारोबार या सकल प्राप्तियों के 5त्न से अधिक न हों।

कंपनियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले ITR-6 में भी अतिरिक्त विवरण की आवश्यकता वाले बदलाव हुए हैं। इस फॉर्म में अब कंपनियों से कुछ अतिरिक्त विवरण की आवश्यकता होगी, जिसमें कानूनी इकाई पहचानकर्ता, एमएसएमई पंजीकरण संख्या, धारा 44एबी के तहत कर ऑडिट के कारण, वर्चुअल डिजिटल संपत्ति, 115 बीबीजे धारा के तहत कर योग्य ऑनलाइन गेम से जीत का खुलासा शामिल है। इसके अलावा, धारा 44एबी (टैक्स ऑडिट रिपोर्ट) और धारा 92ई (ट्रांसफर प्राइसिंग रिपोर्ट) के तहत ऑडिट रिपोर्ट के लिए पावती संख्या और यूडीआईएन का उल्लेख करना आवश्यक होगा।

मोतीलाल ने टाटा मोटर्स, आईटीसी और 8 अन्य कंपनियों की अर्निंग आउटलुक में बदलाव किया

नई दिल्ली, एजेंसी। मोतीलाल ओसवाल ने टाटा मोटर्स, आईटीसी और 8 अन्य कंपनियों के वित्त वर्ष 2025 की अर्निंग आउटलुक में बदलाव किया, देखिये लिस्ट ज़्यादातर कंपनियों के लिए दिसंबर तिमाही कॉर्पोरेट इनकम के मजबूत नोट पर समाप्त हुई. इस तिमाही के आंकड़े आने के बाद घरेलू ब्रोकरेज कंपनी मोतीलाल ओसवाल ने पांच कंपनियों टाटा मोटर्स , कोल इंडिया , हीरो मोटोकॉर्प , सिप्ला और भारती एयरटेल के लिए वित्त वर्ष 2025 के

लिए अपने अर्निंग आउटलुक को अपग्रेड किया है. दूसरी ओर यूपीएल , एलटीआईमाइंड्ट्री , आईटीसी , डिवीज़ लैब्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने डाउनग्रेड को किया. एमओएफएसएल जगत में कंपनियों की कुल कमाई उम्मीदों से अधिक रही और अनुमानित 19 प्रतिशत के मुकाबले साल-दर-साल 29 प्रतिशत बढ़ी. निफ्टी-50 की कमाई अनुमानित 11 प्रतिशत की तुलना में साल-दर-साल 17 प्रतिशत बढ़ी. ऑटो और फिनांशियल जैसे डोमेस्टिक साइकिल के साथ-साथ मेटल और ऑइल एंड गैस सहित ग्लोबल साइकिल ने बाजी मार ली, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर की कमाई में मामूली गिरावट दर्ज की गई. मेटल कंपनियों ने दिसंबर तिमाही की आय में 74 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज की, जबकि मोतीलाल ओसवालने 3QFY23 के कमजोर आधार पर 25 प्रतिशत सालाना वृद्धि का अनुमान लगाया था. टाटा स्टील , जेएसडब्ल्यू स्टील और कोल इंडिया इस ग्रुप में सबसे आगे रहे.

इनकम टैक्स डिपॉर्टमेंट ने एलआईसी को जारी किया 21,740 करोड़ रुपए का रिफंड

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि आयकर विभाग ने 15 फरवरी, 2024 को 21,740.77 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया। बीमा क्षेत्र की इस नामचीन कंपनी को हाल के वर्षों में हासिल हुआ सबसे बड़ा आयकर रिफंड है। एक्सचेंज को दी गई जानकारी के मुताबिक, 'भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को आकलन वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15, 2016-17, 2017-18, 2018-19 और 2019-20 का रिफंड ऑर्डर मिला।

प्रौद्योगिकी उद्योग का राजस्व चालू वित्त वर्ष में 254 अरब डॉलर रहने का अनुमान : नैसकॉम

मुंबई, एजेंसी। सॉफ्टवेयर उद्योग निकाय नैसकॉम ने घरेलू प्रौद्योगिकी उद्योग का राजस्व चालू वित्त वर्ष में 3.8 प्रतिशत बढ़कर 254 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान जताया। हार्डवेयर को छोड़कर इस उद्योग का राजस्व पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 3.3 प्रतिशत वृद्धि के साथ वर्ष 2023-24 में 199 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान जताया गया है। नैसकॉम ने अपनी वार्षिक समीक्षा में कहा कि अकेले इंजीनियरिंग शोध एवं विकास (ईआरएंडडी) क्षेत्र की चालू वित्त वर्ष में कुल निर्यात राजस्व वृद्धि में 48 प्रतिशत हिस्सेदारी रहने वाली है। सॉफ्टवेयर कंपनियों के राष्ट्रीय संगठन नैसकॉम ने कहा कि वैश्विक स्तर पर 2023 में तकनीकी खर्च में 50 प्रतिशत की गिरावट और तकनीकी अनुबंधों में छह प्रतिशत की गिरावट आने के बावजूद चालू वित्त वर्ष में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि होने का है। निकाय के मुताबिक, इसका मतलब है कि उद्योग ने चालू वित्त वर्ष में 9.3 अरब डॉलर का वृद्धिशील राजस्व अर्जित किया है। इसके साथ ही नैसकॉम ने कहा कि बड़े पैमाने पर छंटनी होने की खबरें आने के बावजूद उद्योग में शुद्ध रूप से 60,000 नौकरियां बढ़ी हैं।

एसबीआई की हरित जमा पर नकद आरक्षित अनुपात की आवश्यकता को कम करने के लिए आरबीआई से बातचीत जारी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने शुक्रवार को कहा कि देश का सबसे बड़ा ऋणदाता हरित जमा पर नकद आरक्षित अनुपात की आवश्यकता को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के साथ बातचीत कर रहा है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने खुदरा जमा को आकर्षित करने के लिए पिछले महीने एक हरित जमा योजना की घोषणा की थी। इसका इस्तेमाल केवल हरित बदलाव परियोजनाओं या जलवायु-अनुकूल परियोजनाओं को निधि देने के लिए किया जाएगा। बैंक ने कहा कि ऐसी जमाओं की कीमत सामान्य जमा दरों से 10 आधार अंक कम होगी।

नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) नकदी की वह न्यूनतम राशि है जिसे किसी बैंक को अपनी कुल जमा राशि के मुकाबले केंद्रीय बैंक के पास आरक्षित रखने की आवश्यकता होती है। वर्तमान में सीआरआर 4.5 प्रतिशत आंका गया है, जिसका अर्थ है कि बैंक द्वारा जमा

किए गए प्रत्येक एक रुपए में से 4.5 पैसे रिज़र्व बैंक के पास 'सॉल्वेंसी उपाय के रूप में रखे जाने चाहिए। बैंक आरबीआई के पास आरक्षित राशि पर कोई ब्याज नहीं कमाते हैं।

खारा ने भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझिकोड द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''हम हरित जमा के लिए सीआरआर में कटौती के वास्ते नियामक के साथ बातचीत कर रहे हैं। यदि यह एक नीति के रूप में है, तो इसे नियामक नीति तंत्र में शामिल किया जा सकता है। नियामक की ओर से भी शुरुआती आगाज हो चुका है लेकिन कीमत पर भी असर पड़ने में शायद दो से तीन साल लग जाएंगे।%% चेयरमैन ने बेहतर और अधिक व्यावहारिक रेटिंग का आह्वान किया क्योंकि हरित वित्त पोषण के नाम पर 'ग्रीन-शोरिंग की उच्च संभावना है। उन्होंने साथ ही कहा कि बैंक यह देखने के लिए रेटिंग संस्थाओं के साथ जुड़ रहा है कि क्या हरित वित्तपोषण के लिए एक लेखांकन मानक निर्धारित किया जा सकता है या नहीं।

प्रसिद्ध उड़िया लेखिका सुष्मिता बागची ने दान में दिए 1100000000 रुपये !

नई दिल्ली, एजेंसी। शिव नाडर, अजीम प्रेमजी और मुकेश अंबानी भारत में जाने-माने नाम हैं। उनकी गिनती देश के सबसे बड़े परोपकारियों में भी होती है। इनमें एक कपल है जो लगातार हुरुन इंडिया की परोपकारियों की लिस्ट में जगह बना रहा है। वह जोड़ा है सुष्मिता और सुब्रतो बागची। एडेलगिव हुरुन इंडिया फिलेंथ्रॉपिस्ट लिस्ट 2023 के अनुसार, सुष्मिता और सुब्रतो बागची भारत के सबसे बड़े दानियों में छठे स्थान पर थे। उन्होंने पिछले साल 1100000000 रुपये से ज्यादा का दान दिया। हालांकि यह राशि बड़ी है, लेकिन यह सुष्मिता बागची के पिछले साल अकेले किए गए 2130000000 रुपये के दान से कम है। अपने कॉन्ट्रिब्यूशन के बावजूद सुष्मिता बागची लोगों की नजरों से दूर रहना पसंद करती हैं।

कटक में जन्मीं सुष्मिता बागची प्रसिद्ध उड़िया लेखिका शकुंतला पांडा की बेटी हैं। अपनी मां के नक्शेकदम पर चलते हुए सुष्मिता बागची न केवल एक जानी-मानी उड़िया लेखिका बनीं, बल्कि वह मासिक महिला प्रकाशन सुचरिता की क्रिएटर भी हैं। राजनीति विज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में लेक्चरर के रूप में काम किया। सुष्मिता बागची अपने पति सुब्रतो बागची से तब मिलीं जब वह सिर्फ पंद्रह साल की थीं। इसके चार साल बाद दोनों की शादी हो गई। सुष्मिता के लेखन कौशल को पहली बार उनकी मां की तरह ही पत्रिका में जगह मिली थी। उन्होंने अपनी मां के पदचिन्हों पर चलते हुए साहित्य जगत में प्रवेश किया। माइंडट्री की सह-संस्थापक और एक समाज सुधारक के रूप में अपनी भूमिका के साथ सुष्मिता बागची ने अपनी पहचान लेखिका के रूप में भी बनाई।

प्रातः किरण राष्ट्रीय दैनिक
स्पोर्ट्स
नई दिल्ली, रविवार, 18 फरवरी, 2024

राजकोट टेस्ट में इंग्लैंड 319 पर ऑलआउट

● 9 चौके, 5 छक्के... यशस्वी ने अंग्रेजों को कूट दिया,जड़ा तीसरा टेस्ट शतक ● शुभमन ने सिक्स लगाकर फिफ्टी बनाई, भारत की बढ़त 322 रन के पार

राजकोट (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का तीसरा मुकाबला राजकोट में खेला जा रहा है। निरंजन शाह स्टेडियम में पहली पारी में भारत ने 445 और इंग्लैंड ने 319 रन बनाए।फिलहाल तीसरे दिन के तीसरे सेशन का खेल जारी है। भारत ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट के नुकसान पर 196 रन बना लिए थे। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल क्रीज पर हैं। यशस्वी शतक लगा चुके हैं। शुभमन ने छक्का लगाकर फिफ्टी पूरी की। भारतीय टीम के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने एक बार फिर अंग्रेजों को बल्ले की धार दिखाई। विशाखापत्तनम में दोहरा शतक जड़ने वाले यशस्वी ने राजकोट में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में सिर्फ 122 गेंदों में शतक ठोकते हुए खूब हिसाब किया। इस दौरान 9 चौके और 5 छक्के उड़ाए। यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा जब पारी का आगाज करने उतरे तो उस समय पहली पारी के आधार पर भारत के पास 126 रनों की बढ़त थी। इंग्लैंड के भारत के 445 रनों के जवाब में 319 रनों पर आउट हो गया था। रोहित शर्मा 19 रन बनाकर जो रूट की बॉल पर एलबीडब्ल्यू हुए। तीसरे दिन इंग्लैंड ने 207/2 के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई थी।

यशस्वी ने चौके से पूरा किया शतक

यशस्वी जायसवाल ने मार्क वुड के खिलाफ कवर्स की दिशा में चौका लगाकर अपनी सेंचुरी पूरी की। उन्होंने 122 बॉल पर अपने करियर का तीसरा शतक लगाया। इससे पहले यशस्वी ने छक्के से अपनी फिफ्टी 80 बॉल पर पूरी की थी। यशस्वी जायसवाल ने जेम्स एंडरसन के खिलाफ पारी के 27वें ओवर में सिक्स लगाया। इस बॉल से पहले उनका स्कोर 73 बॉल पर 35 रन था। उन्होंने अगली 18 बॉल में 4 सिक्स और 3 चौके लगा दिए। इसी के साथ 91 बॉल पर उनका स्कोर 79 रन हो गया। यानी 18 बॉल में उन्होंने 44 रन बटोर लिए।

रिवर्स स्कूप खेलने पर रूट की हुई आलोचना

इंग्लैंड के सबसे अनुभवी बैटर जो रूट पहली पारी में रिवर्स स्कूप खेलकर आउट हुए। उन्होंने 18 रन बनाए। उनके विकेट के बाद टीम ने 2 और विकेट गंवा दिए। गैरजिम्मेदारी भरा शॉट खेलने पर पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर माइकल वॉन ने रूट की आलोचना की। वॉन ने कहा, रूट को सिचुएशन के हिसाब से संभलकर खेलना चाहिए। स्टोक्स भी विकेट गिरने पर संभलकर खेलते हैं। 10 हजार से ज्यादा रन बना चुके रूट को ऐसी गलती नहीं करनी चाहिए।

जडेजा के भारत में 200 विकेट पूरे

रवींद्र जडेजा ने बेन स्टोक्स को पवेलियन भेज कर भारत में अपने 200 टेस्ट विकेट पूरे कर लिए। जडेजा अपने करियर का 70वां टेस्ट खेल रहे हैं। उन्होंने पारी में टॉम हार्टले को भी पवेलियन भेजा, इसी के साथ उनके भारत में 201 विकेट हो गए। जडेजा ने 81 विकेट विदेशी ग्राउंड पर भी लिए हैं।

सिराज को 4 विकेट

जेम्स एंडरसन के विकेट के साथ इंग्लैंड टीम 319 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे, इसलिए टीम को 126 रन की बढ़त मिली। टीम से मोहम्मद सिराज ने 4 विकेट लिए।भारत से 2-2 विकेट रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव को मिले। जबकि जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन के हाथ 1-1 सफलता लगी।

बेन डकेट ने 153 रन बनाए

इंग्लैंड से बेन डकेट ने 153 रन बनाए। कप्तान बेन स्टोक्स 41 और ओली पोप 39 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा कोई और प्लेयर 20 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड- बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉले, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन फोक्स (विकेटकीपर), रेहान अहमद, टॉम हार्टले, मार्क वुड और जेम्स एंडरसन।

अश्विन तीसरे टेस्ट से बाहर हुए

मां की तबियत बिगड़ने के कारण छुट्टी ली, बीसीसीआई ने कहा- खिलाड़ी और परिवार का स्वास्थ्य जरूरी

नईदिल्ली (एजेंसी)। मां की तबियत खराब होने के कारण भारतीय टीम के स्पिनर आर अश्विन राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट से बाहर हो गए है। शुक्रवार को बीसीसीआई ने अश्विन के फैमिली इमरजेंसी के कारण जाने की जानकारी दी। वहीं, बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने एक्स पर मां की तबीयत बिगड़ने की बात बताई। बीसीसीआई ने कहा, चैंपियन क्रिकेटर और उनके परिवार के लिए हम सपोर्ट करते हैं। खिलाड़ियों और उनके प्रियजनों का स्वास्थ्य सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। बोर्ड अश्विन और उनके परिवार की प्राइवेसी का सम्मान करने का अनुरोध करता है क्योंकि वे इस चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहे हैं। बोर्ड और टीम अश्विन को हर आवश्यक सहायता प्रदान करना जारी रखेगी और आवश्यकता के मुताबिक मदद भी करेगी।

राजीव शुक्ला ने किया ट्वीट

बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने अश्विन के लिए ट्वीट करते हुए लिखा- अश्विन की मां के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्हें अपनी मां के पास रहने के लिए राजकोट टेस्ट छोड़कर चेन्नई जाना पड़ा।

महान सचिन तेंदुलकर के दौरे से कश्मीरी बल्ला निर्माताओं में उत्साह

श्रीनगर(एजेंसी)। महान सचिन तेंदुलकर ने शनिवार को दक्षिण कश्मीर में एक बल्ला निर्माण इकाई का दौरा किया, जिससे उद्योग को काफी बढ़ावा मिलने की संभावना है। तेंदुलकर, उनकी पत्नी अंजलि और बेटी सारा ने शनिवार को चारसू अवंतीपोरा में एमजे स्पोर्ट्स बैट निर्माण इकाई का दौरा किया और लगभग एक घंटा बिताया। एमजे स्पोर्ट्स के मालिक मोहम्मद शाहीन ने मीडिया को बताया, 'तेंदुलकर की यात्रा से कश्मीर विलो बैट को काफी बढ़ावा मिलेगा, जिसकी काफी मांग है। क्रिकेट के दिग्गज को कश्मीर क्रिकेट बल्लों के बारे में बहुत सारी जानकारी थी और उनके कुछ सवाल भी थे। वह हमारे क्रिकेट बल्लों की गुणवत्ता से बेहद प्रभावित थे। तेंदुलकर बल्ला निर्माता इकाई में कम से कम एक घंटे तक रुके। दक्षिण कश्मीर में 300 से अधिक बैट निर्माण इकाइयाँ हैं जो देश के भीतर और बाहर लगभग चार मिलियन क्रिकेट बैट की आपूर्ति करती हैं। 2022 टी20 क्रिकेट विश्व कप में टूर्नामेंट का सबसे लंबा छक्का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बल्लेबाज जुनैद सिद्दीकी ने अनंतनाग जिले में स्थित जीआर8 स्पोर्ट्स द्वारा निर्मित कश्मीर विलो बैट से मारा था।

टाइगर वुड्स को फ्लू, जेनेसिस इंविटेशनल गोल्फ टूर्नामेंट से हटे

लास एंजिल्स(एजेंसी)। टाइगर वुड्स की 2024 में पीजीए टूर पर वापसी केवल 24 होल तक ही रह सकी क्योंकि शुक्रवार को उन्हें फ्लू की तरह के लक्षण और 'डिहाईड्रेशन' के कारण जेनेसिस इंविटेशनल गोल्फ टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

वुड्स के सहयोगी और टीजीआर वेंचर्स के उपाध्यक्ष रॉब मैकनामारा ने कहा कि गुरुवार को उन्हें फ्लू जैसे लक्षण लग रहे थे और जब वह सुबह उठे तो हालत बिगड़ गई थी। मैकनामारा ने पीजीए टूर के एक अधिकारी को बताया, 'उन्हें थोड़ा बुखार था और वॉर्म-अप के दौरान वह बेहतर महसूस कर रहे थे। लेकिन जब वह कोर्स में आये और खेल रहे थे तो उन्हें चक्कर आने लगे।

उन्होंने कहा, 'डॉक्टरों ने कहा कि उन्हें किसी तरह के फ्लू के लक्षण हैं और उनमें पानी की कमी भी हो रही है। उनका इलाज चल रहा है और अब वह बेहतर हैं। वुड्स रिवेरा में एक ओवर पार के स्कोर पर थे और उनके कट से बाहर रहना तय था।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप 2024

भारतीय महिला टीम पहली बार फाइनल में, जापान को 3-2 से हराया

खिताबी मुकाबला आज थाईलैंड से

थाईलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गई है। भारतीय महिलाओं ने पहली बार इस टूर्नामेंट के खिताबी दौर में जगह बनाई है, जहां उनका सामना रविवार को थाईलैंड से होगा। मलेशिया में चल रही चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में शनिवार को भारत ने दो बार की चैंपियन जापान को 3-2 से हराया। प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल में थाईलैंड ने इंडोनेशिया को 3-1 से मात दी।भारतीय महिला टीम ने पहली बार इस चैंपियनशिप में मेडल पक्का किया है।

ऐसे चला सेमीफाइनल मुकाबला – पहले मुकाबले में पीवी सिंधु को आया अहोरी के हाथों 17-21, 2-22 की हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड नंबर-23 त्रिशा जोली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने डबल्स मैच में नामि मात्सुयामा और शाइदा को 21-17, 16-21, 22-20 से हराया। इससे स्कोर 1-1 से बराबर हुआ। अस्मिता चालिहा ने नओमी ओकूहारा को 21-17, 21-14 से हराया और भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। अश्विनी और पीवी सिंधु की जोड़ी रेना और अयाको से 14-21, 11-21 से हार गई। इस हार से स्कोर 2-2 की बराबरी पर आ गया। 17 साल की अनमोल खरब ने नात्सुकि निदाइरा को 21-14, 21-18 से हराते हुए भारत को 3-2 की जीत दिला दी।

क्वार्टर फाइनल में हॉन्गकॉन्ग को 3-0 से हराया था – भारतीय विमेंस टीम ने क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को हांगकांग को 3-0 से हराया था। टीम ने पहली बार टॉप-4 में प्रवेश किया। इसी के साथ महिला टीम ने पहली बार टूर्नामेंट में मेडल पक्का कर लिया। अब भारत का मुकाबला जापान से होगा। टॉप सीड चीन को हराकर ग्रुप स्टेज में टॉप पर रहने के बाद भारत ने पीवी सिंधु, अस्मिता चालिहा और अश्विनी पोनप्पा तथा तनीषा क्रास्टो की डबल्स जोड़ी की जीत के दम पर हॉन्गकॉन्ग को हराया। पूरी खबर

सिंधु ने हैप्पी को 2-1 से हराया – स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने चोट के कारण चार महीने बाद शानदार वापसी की है। क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में सिंधु ने लो सिन यान हैप्पी के खिलाफ मजबूत शुरुआत की। उन्होंने हैप्पी के खिलाफ 21-7, 16-21, 21-12 से जीत दर्ज करके भारत को बढ़त दिला दी। सिंधु ने हैप्पी को 21-7, 16-21, 21-12 से हराया।

क्रैस्टो-पोनप्पा की जोड़ी 2-0 से जीती – तनिषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा की विमेंस डबल्स जोड़ी क्वार्टर फाइनल के दूसरे मैच में युंग नगा टिंग और युंग पुई लैम की जोड़ी को हराया। वर्ल्ड की 21वीं रैंक की क्रैस्टो और पोनप्पा की जोड़ी ने 18वीं रैंक की जोड़ी को 21-10, 21-14 से हराकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के काफी करीब पहुंचा दिया। इसके बाद अस्मिता चालिहा ने येओंग सुम यी पर 21-12, 21-13 से जीत के साथ क्वार्टर फाइनल मैच खत्म किया। भारतीय मेंस टीम आज अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान से भिड़ेगी।

मार्कस स्टोयनिस न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर

आरोन हार्डी टीम में शामिल; पहला मैच 21 फरवरी को खेला जाएगा

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बैटिंग ऑलराउंडर मार्कस स्टोयनिस न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोयनिस पीठ की चोट की वजह से इस सीरीज से बाहर हुए हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच से पहले पीठ में चोट लग गई थी। स्टोयनिस

की जगह आरोन हार्डी को टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, अब तक ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड (सीए) ने इस पर कोई बयान जारी नहीं किया है। जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया की यह आखिरी टी-20 सीरीज है। ऑस्ट्रेलिया टीम 21 फरवरी से न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगी। टीम यहां 3 टी-20 और 2 टेस्ट खेलेगी।

हेड और स्मिथ की भी वापसी – न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने फुल स्ट्रेंथ स्क्वॉड जारी किया है। टीम में टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान पैट कमिंस के साथ अनुभवी बैटर स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड भी हैं। इनके साथ लेफ्ट आर्म पेसर मिचेल स्टार्क भी रहेंगे। टीम में शॉन एबट और जेसन बेहरनडॉर्फ भी हैं। बेहरनडॉर्फ को पिछले महीने ष्ट ने टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया था। इनके अलावा जोश हेजलवुड और नाथन एलिस जैसे पेसर्स भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं।

स्पेंसर जॉनसन स्टैंडबाय प्लेयर – बैटर मैथ्यू शॉर्ट और तेज गेंदबाज नाथन एलिस फिलहाल इंजरी से जूझ रहे। बिग बैश के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट शॉर्ट के सीरीज तक फिट होने की संभावनाएं हैं। वहीं एलिस की जगह स्क्वॉड में लेफ्ट आर्म पेसर स्पेंसर जॉनसन को स्टैंडबाय प्लेयर के रूप में रखा गया है। अगर एलिस सीरीज नहीं खेल सके तो जॉनसन उनकी जगह लेंगे।

वर्ल्ड कप में भी मार्श ही कर सकते हैं कप्तानी – जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया टीम वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ ही 2 सीरीज खेलेगी। दोनों ही सीरीज में मिचेल मार्श कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम की आखिरी सीरीज रहेगी। ऐसे में मार्श ही वर्ल्ड कप में भी कंगारू टीम की कमान संभाल सकते हैं।

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पाने वाले खिलाड़ियों को बीसीसीआई की चेतावनी

जय शाह ने लेटर लिखा- रणजी मैच नहीं खेलने के गंभीर परिणाम होंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने रणजी ट्रॉफी 2024 नहीं खेल रहे खिलाड़ियों को चेतावनी दी है। शाह ने शुक्रवार को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर चुके सितारों और इंडिया-ए के उन खिलाड़ियों को लेटर लिखा है, जो स्टेट टीम से खेलने के बजाय आईपीएल की तैयारी में लगे हैं।मीडिया के मुताबिक, शाह ने लेटर में लिखा कि नेशनल टीम में सिलेक्शन के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट अभी महत्वपूर्ण मापदंड बना हुआ है। इसमें हिस्सा नहीं लेने के गंभीर परिणाम होंगे। चेतावनी जारी करने की वजह डोमेस्टिक रेड-बॉल क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देने वाले खिलाड़ियों का व्यवहार चिंताजनक है।

डोमेस्टिक क्रिकेट हमेशा वह आधार रहा है जिस पर भारतीय क्रिकेट खड़ा – शाह ने लिखा- हाल ही में एक कुछ ऐसी चीजें सामने आई है, जो चिंता की वजह है। कुछ खिलाड़ियों ने डोमेस्टिक क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। यह एक ऐसा बदलाव है जिसकी उम्मीद नहीं थी। डोमेस्टिक क्रिकेट हमेशा वह आधार रहा है जिस पर भारतीय क्रिकेट खड़ा है। डोमेस्टिक क्रिकेट भारतीय क्रिकेट की रीढ़ है और टीम इंडिया के लिए फीडर लाइन के रूप में कार्य करता है। भारतीय क्रिकेट के लिए हमारा दृष्टिकोण शुरू से ही क्लियर रहा है। टीम इंडिया के लिए खेलने के इच्छुक हर प्लेयर को डोमेस्टिक क्रिकेट में खुद को साबित करना होगा। डोमेस्टिक क्रिकेट में परफॉर्मेंस सिलेक्शन के लिए एक महत्वपूर्ण पैमाना बना हुआ है और डोमेस्टिक क्रिकेट में हिस्सा न लेने के गंभीर प्रभाव होंगे। ईशान किशन ने दिसंबर-2023 में साउथ अफ्रीका दौरे से अपना नाम वापस ले लिया था। तब से वे सिलेक्शन के लिए उप्लब्ध नहीं हैं।

ईशान, अय्यर और चाहर नहीं खेल रहे रणजी मैच

यह लेटर तब आया है जब कुछ खिलाड़ियों ने फिट रहने और अगले आईपीएल सीजन की तैयारी के लिए मौजूदा रणजी ट्रॉफी में खेलने को नजरअंदाज कर दिया। इसमें राजस्थान के तेज गेंदबाज दीपक चाहर, झारखंड के विकेटकीपर ईशान किशन और मुंबई के राइट हैंड बैटर श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, जो शुक्रवार को शुरू हुए रणजी ट्रॉफी मैचों के अंतिम राउंड में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। दीपक चाहर ने दिसंबर में आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। तब से वह क्रिकेट से दूर हैं।

द्रविड ने कहा था- वापसी के लिए क्रिकेट खेलना होगा

ईशान किशन की वापसी पर भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड कह चुके हैं कि यदि उन्हें टीम में वापसी करनी है, तो क्रिकेट खेलना होगा। बता दें कि किशन ने दिसंबर-2023 में साउथ अफीका दौरे से अपना नाम वापस ले लिया था।तब से वे सिलेक्शन के लिए उप्लब्ध नहीं हैं।

पंड्या ब्रदर्स के साथ वड़ोदरा में प्रैक्टिस कर रहे किशन

ईशान किशन का कुछ दिन पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर हुआ था, जिसमें वह वड़ोदरा में पंड्या ब्रदर्स के साथ प्रैक्टिस कर रहे थे।

रणजी न खेलने से खुश नहीं बोर्ड: रिपोर्ट

हाल ही में आई कुछ रिपोर्ट में कहा गया था कि बीसीसीआई जनवरी से पहले ही खिलाड़ियों के आईपीएल मूड में आने से नाराज है। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से लिखा गया था कि आने वाले कुछ दिनों में सभी खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी और बीसीसीआई के अन्य डोमेस्टिक टूर्नामेंट में अपनी स्टेट टीम के लिए खेलने के लिए बोर्ड द्वारा सूचित किया जाएगा। जब तक वे नेशनल ड्यूटी पर नहीं हैं। केवल उन खिलाड़ियों को छूट दी जाएगी, जो अनफिट हैं और एनसीए में रिहैब कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में फिर बिगड़ेगा मौसम, 3 दिन भारी बारिश और बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के लिए मौसम के लिहाज से आने वाला सप्ताह बेहद भारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग द्वारा हिमाचल में 20 फरवरी तक भारी बारिश और बर्फबारी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 22 फरवरी तक बारिश की भी भविष्यवाणी की है क्योंकि एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के शनिवार से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। मौसम विभाग ने 18 से 20 फरवरी तक अलग-अलग इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश, बर्फबारी और तूफान के साथ ओलावृष्टि की भी चेतावनी दी है। शनिवार को आंधी और बारिश की संभावना है। मौसम कार्यालय ने इस अवधि के दौरान यातायात और अन्य आवश्यक सेवाओं के बाधित होने की भी चेतावनी दी है और कहा है कि राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों के बाधित होने, मध्य और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बिजली और मोबाइल और टेलिफोन लाइन में बाधा उत्पन्न होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। शुक्रवार को न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। लाहौल और स्पीति जिले का कुकुमसेरी रात के दौरान शून्य से 7.9 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान के साथ राज्य में सबसे ठंडा रहा, जबकि ऊना 26 डिग्री सेल्सियस के साथ दिन में सबसे गर्म रहा।

यूपी में योगी सरकार ने छह महीने के लिए हड़ताल पर लगाई पाबंदी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अगले छह माह के लिए सरकार ने किसी भी तरह की हड़ताल पर पाबंदी लगा दी है। यह नियम राज्य सरकार के अधीन सरकारी विभागों, निगम और प्राधिकरण विभाग पर लागू रहेगा। अगर कोई कर्मचारी इस अवधि के दौरान हड़ताल करता है, तो उसके खिलाफ एस्मा के तहत कार्रवाई की जाएगी और उन्हें बिना वारंट गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अपर मुख्य सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इस दौरान सरकारी विभागों, अर्द्धसरकारी विभागों, निगमों और प्राधिकरणों में हड़ताल पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। अधिसूचना में कहा गया है कि राज्य सरकार ने लोकहित में यह फैसला लिया है। इससे पहले योगी सरकार ने 2023 में छह महीने तक के लिए हड़ताल पर रोक लगाई थी। उस समय सरकार ने बिजली विभाग के कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने के कारण फैसला लिया था। इस दौरान जो भी कर्मचारी हड़ताल पर गए थे, उनके खिलाफ कार्रवाई हुई थी। बता दें कि कई बार सरकारी कर्मचारी मांगों को लेकर धरने पर बैठ जाते हैं। ऐसे में कई बार कार्य प्रभावित होता है। लोगों को काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है।उत्तर प्रदेश एशेंसियल सर्विसेज मेंटेनेंस एक्ट (एस्मा) के तहत सरकार के पास अधिकार है, जिसे लागू करके कर्मचारियों की हड़ताल पर रोक लगा सकती है। इसमें बिना वारंट के हड़तालियों की गिरफ्तारी की जा सकती है।

चचेरे भाई और भतीजी के कातिल को फांसी की सजा, गांव में दौड़ाकर दिनदहाड़े की थी हत्या

महराजगंज, एजेंसी।
यूपी के महराजगंज में चचेरे भाई और भतीजी की बेरहमी से की गई हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम की अदालत ने अभियुक्त को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 2 लाख 25 हजार जुर्माना भी लगाया है। पुरन्दरपुर क्षेत्र के मानिक तालाब टोला चन्नीपुर में 2 अप्रैल 2014 को दिनदहाड़े बैजू उर्फ बैजनाथ ने अपने चचेरे भाई निर्मल और भतीजी की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस मामले में भतीजी ज्ञानती के पिता राजेन्द्र चौधरी की तहरीर पर पुरन्दरपुर थाने में केस दर्ज कराया। वादी के मुताबिक बैजू के पिता यमुना चौधरी से 15-20 साल पहले जमीन का विवाद था। उस समय बैजू छोटा था। विवाद उसी समय सुलझ गया था। बैजू जब बड़ा हुआ तो उसी मामले को लेकर रंजिश रखने लगा था। रंजिश के कारण ही उसने ज्ञानती व उसके ताऊ निर्मल की दिनदहाड़े गांव में दौड़ा कर हत्या कर दी।

ट्रायल के दौरान 14 गवाहों में से दस ने गवाही की। साक्ष्यों के आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम पवन कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने अभियुक्त बैजू उर्फ बैजनाथ को दोषी करार दिया। कोर्ट ने अभियुक्त को मौत

की सजा सुनाते हुए आदेश दिया कि उसे तब तक गर्दन से फांसी पर लटकाया जाए जब तक वह मर न जाए। जिले में फांसी की सजा का यह दूसरा मामला है। इसके पहले सदर कोतवाली क्षेत्र के पिपरा कल्याण गांव में हुई हत्या के मामले में कोर्ट ने वर्ष 2003 में फांसी की सजा सुनाई थी। बचपन की रंजिश को मन में पालकर बड़ा हुआ बैजू उर्फ बैजनाथ ने 2 अप्रैल 2014 को दोहरे हत्याकांड को अंजाम देकर चचेरे भाई व भतीजी को मौत के घात उतार दिया था। दिन दहाड़े हुई इस घटना से पुरन्दरपुर थानाक्षेत्र का मानिक तालाब गांव दहल उठा था। घटना के बाद बैजू भगाने के दौरान पीछा कर रहे ग्रामीणों को धारदार हथियार लहरा कर भयभीत करने की कोशिश किया था, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया।

पत्रावली के मुताबिक बैजू के मन में रंजिश दोहरे हत्याकांड के करीब बीस साल पहले ही पल गई थी। उस समय वह छोटा था। पिता व चाचा के बीच भूमि को लेकर लफड़ा था। बाद में उसे सुलझा लिया गया था, लेकिन बैजू उर्फ बैजनाथ उस रंजिश को मन में पाले रहा। घर के अंदर खुद ही लोहे का हथियार बनाता रहा। वादी राजेन्द्र चौधरी के मुताबिक बैजू के रंजिश को वह समझ नहीं पाए। दो अप्रैल 2014 को चचेरा भाई निर्मल की हत्या की योजना उस समय बनाया जब परिजन घर पर मौजूद नहीं थे। बैजू घटना के दिन अपने हाथ व पैर में ट्यूब के सहारे चाकू समेत कई धारदार हथियार को बांध छिपाया था। मालिक तालाब गांव में कबीर चौधरी के घर के सामने निर्मल को देखते ही वह अपने हाथ से बनाए तलवार व चाकू लेकर दौड़ा लिया। हमला के बाद वह निर्मल नीचे गिर गया। सीने पर बैठ दोनों हाथ से चाकू व तलवार निर्मल के शरीर को 79 बार गोदा। यह घटना देख भतीजी ज्ञानती शोर मचाते हुए बोली कि चाचा बड़े पापा को मत मारो। इसके बाद निर्मल को छोड़ बैजू अपनी भतीजी को दौड़ा लिया। बदहवास होकर भाग रही ज्ञानती को तीन घर पार करते हुए हरिराम विश्वकर्मा के घर के सामने दबोच हमला कर दिया। उसके उपर 73 बार वार किया था। इससे घटना स्थल पर उसकी मौत हो गई। इस मामले में नौ साल दस माह बाद फांसी की सजा का फैसला आने के बाद मानिक तालाब के गांव के लोगों के जेहन में घटना की तस्वीर कौंध आई। नरेन्द्र यादव ने बताया कि दिल दहला देने वाली घटना थी।

पुलिस कार्यालय के मीडिया सेल के मुताबिक हत्या के इस जघन्य अपराध में अभियुक्त को सजा सुनाने में आपरेशन कन्विक्शन के तहत पुलिस ने अभियोजन विभाग से समन्वय बनाकर प्रभावी पैरवी किया। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह के अलावा कोर्ट मोहिर्रर हेड कांस्टेबल भगवान राम व न्यायालय पैरोकार कांस्टेबल सूरज कुमार तिवारी ने समय-समय पर गवाहों को पेश किया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी देवेन्द्र पांडेय व संतोष मिश्र ने बहस किया।

कुनबी प्रमाण पत्र वाले मराठा आरक्षण के नहीं हकदार, एमएसबीसीसी ने सौंपी रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (एमएसबीसीसी) ने शुक्रवार को मराठा समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन पर अपनी सर्वेक्षण रिपोर्ट मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सौंप दी है। जब आयोग के प्रमुख जस्टिस (रिटायर्ड) सुनील शुक्रे ने रिपोर्ट पेश किया तो उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी वहीं मौजूद थे। मुख्यमंत्री शिंदे को उम्मीद है कि इस सर्वे रिपोर्ट के आधार पर मराठा समुदाय को कानूनी जांच पर खरा उतरने वाला आरक्षण मिल सकेगा।

हालांकि, रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन इस बात की चर्चा जोरों पर है कि आयोग ने कुनबी प्रमाण-पत्र धारकों को मराठा आरक्षण का हकदार नहीं माना है। आयोग की रिपोर्ट मिलने के बाद खुद मुख्यमंत्री शिंदे ने भी यह स्पष्ट किया कि जिन मराठों ने अपने वंश में कुनबी रिकॉर्ड खोजने के बाद कुनबी (ओबीसी) जाति प्रमाण पत्र प्राप्त किया था, वे मराठा कोटा के लिए पात्र नहीं होंगे।

अब मराठा समुदाय को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से पिछड़े आधार पर आरक्षण देने और उस पर चर्चा के लिए 20 फरवरी को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। उस दिन इस मुद्दे पर सबसे पहले सुबह 10 बजे के आसपास राज्य कैबिनेट की बैठक में चर्चा की जाएगी और फिर लगभग एक घंटे बाद विधानसभा में आरक्षण का बिल पेश किया जाएगा।

मामले से परिचित एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ÷जब राजनीतिक दलों के बीच मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने पर सहमति बन जाएगी, तो फिर इस पर विचार-विमर्श करने की ज्यादा जरूरत नहीं पड़ेगी और आरक्षण का रास्ता साफ हो जाएगा।÷

इस बीच, मुख्यमंत्री शिंदे ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे से अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समुदाय को आरक्षण देने के बारे में सकारात्मक है। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे फिलहाल मराठा आरक्षण को लेकर जालना जिले में अपने पैतृक स्थान पर 10 फरवरी से अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि रिपोर्ट से सरकार को आवश्यक आंकड़ों के साथ मराठा समुदाय के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने वाला कानून बनाने में मदद मिलेगी। इस व्यापक कवायद में लगभग 2.5 करोड़ परिवारों को शामिल किया गया।

आईएनडीआईए गठबंधन खत्म हो गया ,इस बार एनडीए को पिछली बार से ज्यादा सीटें मिलेंगी - नीतीश कुमार

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, इस बार एनडीए को पिछली बार से ज्यादा संख्या में सीटें मिलेंगी, हमें पूरा भरोसा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला और आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी के आईएनडीआईए गठबंधन से दूर होने पर बिहार सीएम नीतीश कुमार ने कहा, हमने तो बहुत कोशिश की थी... हम नाम भी दूसरा दे रहे थे। यह(आईएनडीआईए गठबंधन) तो वैसे भी खत्म हो गया था... हम बिहार के हित में काम करते रहेंगे आरजेडी प्रमुख लालू यादव के दरवाजा खुला है वाले बयान पर नीतीश कुमार ने कहा, कौन क्या बोलता है उसके चक्कर में मत आइए। हम सब एक साथ हो गए हैं, जैसे पहले थे। जो गड़बड़ी हुई है उसकी जांच होगी... चीजें ठीक नहीं चल रही थीं, इसलिए हमने उन्हें (आरजेडी) छोड़ दिया।

सुप्रिया सुले का अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से हो सकता है मुकाबला

बारामती, एजेंसी।
महाराष्ट्र में इस साल लोकसभा चुनाव की जंग रोचक हो सकती है। सबकी निगाहें पवार परिवार का गढ़ कहे जाने वाली बारामती सीट पर होगी, जहां शरद पवार की बेटी और मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले का मुकाबला उनकी ही भाभी और राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से होने की चर्चा जोरों पर है। इन अटकलों और चर्चाओं को खुद अजित पवार ने हवा दी है।

शुक्रवार को बारामती में अजित पवार ने बिना किसी का नाम लिए अपने मतदाताओं से भावुक अपील की कि अगले आम चुनाव में बारामती लोकसभा सीट से ऐसे उम्मीदवार को चुनें जो पहली बार चुनावी मैदान में उतरा हो लेकिन वह अनुभवी लोगों से घिरा रहा हो। अजित पवार ने अपने संबोधन के दौरान पत्नी सुनेत्रा पवार का नाम तो नहीं लिया लेकिन इस बात के संकेत दे दिए कि आगामी चुनावों में बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उनकी पत्नी चुनावी मैदान में होंगी।

कौन हैं सुनेत्रा पवार 60 वर्षीय सुनेत्रा पवार अजित पवार की पत्नी हैं। वह राज्य के एक बड़े राजनीतिक परिवार से तालुल्क रखती हैं। उनके भाई पदमसिंह पाटिल पूर्व मंत्री हैं, जबकि उनके भतीजे राणा जगजीतसिंह पदमसिंह पाटिल उस्मानाबाद से भाजपा के

विधायक हैं। अजित पवार और सुनेत्रा पवार के दो बेटे हैं। जय और पार्थ पवार। जय पारिवारिक बिजनेस संभालते हैं, जबकि पार्थ राजनीति में हैं। उन्होंने मावल से 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन असफल रहे थे। सुनेत्रा पवार अब तक सक्रिय राजनीति से दूर रही हैं लेकिन समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती रही हैं। वह 2010 में स्थापित एक गैर सरकारी संगठन एनवायर्नमेंटल फोरम ऑफ इंडिया की संस्थापक हैं। उनकी आधिकारिक वेबसाइट कहती है कि वह भारत में इको-विलेज की अवधारणा को विकसित करने में एक मार्गदर्शक रही हैं। वेबसाइट के मुताबिक, वह स्वदेशी और प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान विद्या प्रतिष्ठान की ट्रस्टी भी हैं। वेबसाइट के अनुसार, सुनेत्रा पवार 2011 से ही फ्रांस की वर्ल्ड एन्टरप्रोन्योरशिप फोरम की थिंक टैंक सदस्य रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अजित पवार पत्नी सुनेत्रा पवार के सामाजिक कार्यों का सक्रिय रूप से प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। बारामती में एनसीपी यूनिट ने एक ऐसा रथ लॉन्च किया है, जिस पर सुनेत्रा पवार के किए सामाजिक कार्यों के विवरण है। ये रथ पूरे लोकसभा क्षेत्र में घूमेगा। फिलहाल सुप्रिया सुले ही बारामती से सांसद हैं। उनसे पहले उनके पिता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार 1996 से 2004 तक लगातार सांसद रहे हैं। 2009 से सुप्रिया सुले यहां से सांसद हैं। बारामती सीट पारंपरिक रूप से पवार परिवार का गढ़ रहा है। शरद पवार ने 1967, 1972, 1978, 1980, 1985 और 1990 में बारामती सीट से महाराष्ट्र विधान सभा का चुनाव जीता और 1984, 1996, 1998, 1999 और 2004 में बारामती से ही लोकसभा का भी चुनाव जीता है।

भारत दौरे पर आएंगे अमेरिकी उप विदेश मंत्री रिचर्ड वर्मा, इन पड़ोसी देशों की भी करेंगे यात्रा

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के उप विदेश मंत्री रिचर्ड वर्मा 18 से 23 फरवरी तक भारत, मालदीव और श्रीलंका की यात्रा करेंगे। इस दौरान वह हिंद-प्रशांत साझेदार के बीच सहयोग को भी मजबूत करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान रिचर्ड वर्मा सबसे पहले भारत की यात्रा करेंगे। भारत में वह आर्थिक विकास, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहित कई मुद्दों पर अमेरिकी-भारत वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, व्यापारिक नेताओं और उद्यमियों से मुलाकात करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि प्रबंधन और संसाधन राज्य के उप सचिव रिचर्ड आर वर्मा इनमें से प्रत्येक के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग को मजबूत करने के लिए 18 से 23 फरवरी को भारत, मालदीव और श्रीलंका की यात्रा करेंगे। बयान में कहा गया है कि उनकी यह यात्रा एक स्वतंत्र, खुले, सुरक्षित और समृद्ध क्षेत्र के लिए अमेरिका की स्थायी प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगी। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को जर्मनी में अमेरिकी विदेश मंत्री

एंटनी ब्लिंकन और ब्रिटिश समकक्ष डेविड कैमरन सहित प्रमुख नेताओं के साथ द्विपक्षीय सहयोग और प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के मौके पर हुई। जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा कि ब्लिंकन के साथ बैठक प्रमुख द्विपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ पश्चिम एशिया, यूक्रेन और हिंद-प्रशांत की स्थिति पर केंद्रित थी। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों में जारी प्रगति की समीक्षा की गई। समझा जाता है कि दोनों ने भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

सुरक्षित हैं सभी भारतीय छात्र..., न्यू जर्सी के आवासीय इमारत में आग की घटना के बाद भारतीय वाणिज्य दूतावास ने जारी किया बयान

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
अमेरिका के न्यू जर्सी सिटी में एक आवासीय इमारत में आग लग गई। घटना के दौरान इमारत में कई भारतीय छात्र और पेशेवर मौजूद थे। वहीं, इस मामले पर न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि उन्हें जर्सी सिटी में एक आवासीय इमारत में आग लगने की घटना के बारे में पता चला है और वह छात्रों के साथ लगातार संपर्क में है। मालूम हो कि जर्सी सिटी में एक आवासीय परिसर के पहली और दूसरी मंजिल में आग लग गई। आग की घटना के बाद एक दर्जन से अधिक छात्रों को अपने घरों से विस्थापित होने पड़ा। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि वे छात्रों के साथ लगातार संपर्क में हैं और आवास और महत्वपूर्ण दस्तावेजों आदि सहित सभी सहायता प्रदान कर रहे हैं।

अब विपक्ष की भूमिका निभाएगी इमरान खान की पार्टी

चुनाव में धांधली के खिलाफ खोलेंगे मोर्चा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में आठ फरवरी को संपन्न हुए आम चुनाव के नतीजे घोषित हो गए हैं। इमरान खान की पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं। हालांकि, सबसे बड़ा दल होने के बावजूद इमरान खान विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने संसद में विपक्ष में बैठने का फैसला किया है। उन्होने पाकिस्तान में नई सरकार बनाने के प्रयास विफल होने के बाद यह फैसला लिया है। बता दें कि पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए चुनावों में किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने के बाद प्रमुख राजनीतिक दलों ने सरकार बनाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव परिणामों पर दबदबा बनाया, जबकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने दावा किया कि उनके पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या है। पीटीआई नेता बैरिस्टर मुहम्मद अली सैफ ने शुक्रवार को घोषणा की है कि पीटीआई

संस्थापक इमरान खान के निर्देशों के बाद पार्टी ने केंद्र और पंजाब जैसे प्रमुख प्रांत में विपक्ष में बैठने का फैसला किया है। इससे पहले इमरान खान की पार्टी ने उमर अयूब खान को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार और असलम इकबाल को पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए उम्मीदवार घोषित किया था, लेकिन अब पीटीआई ने विपक्ष में बैठने का निर्णय लिया है। पीटीआई नेता मुहम्मद अली सैफ ने कहा कि पार्टी ने इमरान खान के निर्देशों के बाद केंद्र और पंजाब में विपक्ष में बैठने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हमने इस हकीकत के बावजूद विपक्ष में बैठने का फैसला किया कि अगर हमें हमारे वोटों के अनुसार सीटें मिलती और परिणाम नहीं बदले होते तो शायद आज हम 180 सीटों के साथ केंद्र में होते। हमारे पास सबूत हैं कि हमारे उम्मीदवार जीते हैं। इसके साथ ही इमरान खान की पार्टी ने चुनाव में धांधली के खिलाफ एक श्वेत पत्र भी जारी किया है। उन्होंने चुनाव में धांधली के खिलाफ शनिवार से प्रदर्शन शुरू करने का फैसला किया है। पीटीआई के एक सूत्र ने कहा कि जेल में बंद इमरान खान ने पूर्व नेशनल असेंबली स्पीकर असद कैसर को विरोध प्रदर्शन के लिए समर्थन जुटाने के लिए राजनीतिक दलों को शामिल करने का काम सौंपा है।

ईरान के दो युद्धपोत औपचारिक यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे, श्रीलंकाई नौसेना ने किया स्वागत

कोलंबो, एजेंसी।
श्रीलंकाई नौसेना के साथ सहयोग मजबूत करने के लिए दो ईरानी युद्धपोत-आइआरआइएनएस बुशहर और टोन्ब औपचारिक यात्रा पर शुक्रवार को कोलंबो पहुंचे। ईरान के युद्धपोत ऐसे समय में श्रीलंका पहुंचे हैं जब कोलंबो लाल सागर में व्यापारिक जहाजों पर हाउती विद्रोहियों के हमलों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। आरोप लगाया गया कि हाउती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन है। श्रीलंकाई नौसेना ने दोनों युद्धपोतों का स्वागत किया। बुशहर 107 मीटर लंबा है। इसमें चालक दल के 270 सदस्य हैं। जबकि टोन्ब 94 मीटर लंबा है। इसमें चालक दल के 250 सदस्य हैं। युद्धपोतों के कमांडिंग अधिकारी देश में अपने प्रवास के दौरान पश्चिमी नौसेना क्षेत्र के कमांडर और श्रीलंकाई नौसेना के महानिदेशक से मुलाकात करने वाले हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129